04 - दिल्ली आतंकी घटना से सबक लेने की जरूरत

05 - खुशहाल जीवन की नींव हो रही खोखली

06 - बैतूल के 3500 मिट्टी सैंपलों की जांच में हुआ खुलासा

07 - कलेक्टर ने की कृषि, सहकारिता, खाद्य, मार्केटिंग और खाद्य...

A Daily News Magazine

इंदौर

शुक्रवार, 14 नवम्बर, 2025

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 11 अंक 51, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

शरद की सुबह

अब जब शब्दों ने ज़हर उगला,

मैंने खामोशी नहीं चुनी,

मैंने वही भाषा उठाई,

जिसे वह अपनी ताक़त समझता था।

हर आरोप का उत्तर बना मेरा अस्तित्व,

हर तिरस्कार के बीच मैंने खुद को परखा।

सदियों की चुप्पी तोड़ी मैंने,

और अपनी ही आवाज़ में

उत्पात लिख डाला।

अब मैं दोष नहीं—दृष्टि हूँ,

अब मैं क्षमा नहीं—प्रतिबिंब हूँ।

जिसे तुमने 'गुनाह' कहा,

वह मेरे आत्म-सम्मान की घोषणा थी।

मैंने बस एक बार कहा—

अब और नहीं।

- रूपाश्री शर्मा

प्रसंगवश

अमेजन के जंगलों का मरना क्यों है पूरी दुनिया के लिए खतरा?

नवीन सिंह खड़का, एंतोनियो क्यूबेरो

इस साल का संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन (कॉप30) ब्राज़ील के उत्तरी शहर बेलेम में हो रहा है। इसे अक्सर दुनिया के सबसे बड़े वर्षावन अमेज़न का प्रवेश द्वार कहा जाता है।

यह एक प्रतीकात्मक स्थान है। दुनिया भर के देश पेरिस में हुए जलवायु सम्मेलन के दस साल बाद बेलेम में जमा हो रहे हैं। पेरिस में एक ऐतिहासिक समझौता हुआ था, जिसका मकसद धरती को गर्म करने वाली गैसों के उत्सर्जन को सुरक्षित सीमा तक रोकना था।

लेकिन अब तक ये प्रयास सफल नहीं हुए हैं, क्योंकि उत्सर्जन लगातार बढ़ रहा है। यही वजह है कि पर्यावरण से भारी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड सोखने वाले अमेज़न के जंगल, इस स्थिति को सुधारने के उपायों में अहम भूमिका निभाने वाले हैं।

लेकिन वैज्ञानिकों का कहना है कि दशकों से हो रही वनों की कटाई और अब जलवायु प्रभावों के कारण, अमेज़न का भविष्य खुद ही अनिश्चित हो गया है। जिस पारा राज्य की राजधानी बेलेम है, वहां वर्षावन के विनाश का स्तर पूरे अमेज़न में सबसे ज़्यादा है। ब्राज़ील के हिस्से में अमेज़न का लगभग 60 फ़ीसदी इलाका आता है। ब्राज़ील का कहना है कि वह उष्णकटिबंधीय वर्षावनों की मज़बूत सुरक्षा के लिए एक नया समझौता करवाने की कोशिश करेगा। अमेज़न में सिर्फ़ जंगल ही नहीं, बल्कि दलदल और सवाना यानी घास के मैदान भी हैं। यह दक्षिण अमेरिका के 67 लाख वर्ग किलोमीटर से ज़्यादा क्षेत्र में फैला है, जो भारत के आकार से दोगुना बड़ा है। यह धरती के सबसे समृद्ध और जैव विविधता वाले इलाकों में से एक है। इसमें शामिल हैं: इनमें कम से कम 40 हजार पौधों की प्रजातियां, 427 स्तनपायी प्रजातियां, पक्षियों की 1,300 प्रजातियाँ, जिनमें हार्पी ईगल और टूकान शामिल हैं। हरी इगुआना से लेकर ब्लैक कैमन तक 378 सृप प्रजातियां, 400 से ज़्यादा उभयचर प्रजातियां, जिनमें डार्ट पॉयज़न फ्रॉग और स्मूथ-साइडेड टोड शामिल हैं। और लगभग 3,000 मीठे पानी की मछलियों की प्रजातियां, जिनमें पिरान्हा और विशाल अरपाइमा शामिल हैं, जिसका वज़न 200 किलोग्राम तक हो सकता है। इनमें से कई प्रजातियां दुनिया में और कहीं नहीं पाई जातीं। इसके अलावा, इस क्षेत्र में सैकड़ों मूलनिवासी समुदाय रहते हैं। अमेज़न दुनिया की सबसे बड़ी नदी है। अपनी 1,100 से ज़्यादा सहायक नदियों के साथ यह धरती पर मीठे पानी का सबसे बड़ा स्रोत है। यह पानी अटलांटिक महासागर में जाकर मिलता है और समुद्री धाराओं को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है।

अमेज़न के जंगल एक बड़ा-सा कार्बन सिंक हैं। हालांकि अब अमेज़न के कुछ हिस्सों में पेड़ों के कटने और भूमि के खराब होने की वजह से यह देखा गया है कि वे जितना कार्बन डाइऑक्साइड सोखते हैं, उससे ज़्यादा उत्सर्जित कर रहे हैं। अमेज़न भोजन और दवाओं का भी एक प्रमुख स्रोत है। यहां धातुओं, ख़ासकर सोने के लिए खनन किया जाता है। यह क्षेत्र तेल और गैस का भी एक बड़ा उत्पादक बन सकता है। जंगलों के बड़े हिस्से के नष्ट होने से यह लकड़ी का एक बड़ा आपूर्तिकर्ता बन गया है।

तापमान में तेज बढ़ोतरी और लंबे समय तक चले सूखे ने अमेज़न के प्राकृतिक संतुलन पर गहरा असर डाला है। आमतौर पर नम रहने वाला यह जंगल अब ज़्यादा सूखा हो गया है और आग के प्रति अधिक संवेदनशील बन गया है। उदाहरण के तौर पर, ब्राज़ील की अंतरिक्ष अमेरिका की येल यूनिवर्सिटी में 'इकोसिस्टम कार्बन कैप्चर' के एसोसिएट प्रोफ़ेसर पाउलो ब्रांडो कहते हैं, 'हम सूखे और आग की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी देख रहे हैं और इसके कारण अमेज़न के कई हिस्सों में क्षरण बढ़ गया है।' वह आगे कहते हैं, 'कई क्षेत्रों में यह क्षरण अब अमेज़न के लिए एक बड़ा ख़तरा बनकर सामने आ रहा है।'

समस्या यहीं से शुरू होती है। विशाल अमेज़न क्षेत्र में अपनी खुद की मौसम प्रणालियां हैं। इसके जंगल अटलांटिक महासागर से आने वाली नमी को सर्कुलेट करते हैं, जिन्हें आकाश में बहने वाली 'हवाई नदियां' या 'फ्लाइंग रिवर्स' कहा जाता है। ये वायुमंडलीय नदियां सबसे पहले अमेज़न के पूर्वी हिस्से में, यानी अटलांटिक के पास बारिश करती हैं। इसके बाद ज़मीन और पेड़ों से पानी भाप बनकर ऊपर उठता है, जो वाष्पोत्सर्जन की प्रक्रिया से हवा में फैलता है और वर्षावन के दूसरे हिस्सों पर गिरने से पहले पश्चिम की ओर बढ़ता है। वर्षावन के एक हिस्से से दूसरे हिस्से तक पानी का यह चक्र पूरे अमेज़न में चलता है। यही बताता है कि यह विशाल वर्षावन इतने लंबे समय तक कैसे फलता-फूलता रहा है।

हालांकि, विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि अब अमेज़न में नमी का यह प्राकृतिक संतुलन टूट गया है। जिन हिस्सों में जंगलों की कटाई हुई है या ज़मीन का क्षरण हुआ है, वे महासागर से आने वाली नमी को पहले की तरह सर्कुलेट नहीं कर पा रहे हैं। नतीजतन, ज़मीन और पेड़ों से वाष्प बनकर हवा में लौटने वाली नमी की मात्रा बहुत कम हो गई है। अमेज़न कंज़र्वेशन के वैज्ञानिक और 'फ्लाइंग रिवर्स और अमेज़न के भविष्य' पर हालिया रिपोर्ट के सह-लेखक मैट फ़ाइनर कहते हैं, 'नमी को सर्कुलेट करने वाली जो छोटी-छोटी मौसम प्रणालियां पहले पूरे अमेज़न में आपस में जुड़ी हुई थीं, वे अब टूट चुकी हैं।' इसका सबसे बुरा असर पश्चिमी अमेज़न में पड़ा है, जो अटलांटिक महासागर से सबसे दूर है, ख़ासकर दक्षिणी पेरू और उत्तरी बोलीविया के इलाकों में। 'पेरू और बोलीविया के वर्षावनों का अस्तित्व वास्तव में पूर्व में स्थित ब्राज़ील के जंगलों पर निर्भर करता है। अगर ये जंगल नष्ट हो जाते हैं, तो 'फ्लाइंग रिवर्स' बनाने वाला जल चक्र टूट जाएगा और नमी पश्चिमी अमेज़न तक नहीं पहुंच पाएगी। यह सब आपस में जुड़ा हुआ है।'

कुछ वैज्ञानिकों को आशंका है कि सूखते हुए वर्षावन अब एक निर्णायक मोड़ पर पहुंच गए हैं, जहां से यह दोबारा उबर नहीं पाएंगे। इनके हमेशा के लिए नष्ट होने का ख़तरा है। मैट फ़ाइनर कहते हैं, 'निर्णायक बदलाव के शुरुआती संकेत हमें अमेज़न के कुछ हिस्सों में दिख रहे हैं।' अमेज़न अब भी एक मज़बूत कार्बन सिंक है। वैज्ञानिकों का कहना है कि जंगलों की कटाई और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से इस बात का ख़तरा बढ़ रहा है कि क्षेत्र के और हिस्से अब कार्बन सोखने के बजाय उत्सर्जन करने लगें। उनका कहना है कि अगर अमेज़न को खो दिया गया, तो यह जलवायु संकट के ख़िलाफ़ लड़ाई हारने जैसा होगा।

'ब्राज़ीलियाई वन वैज्ञानिक टासो अज़ेवेदो कहते हैं, अमेज़न एक विशाल एयर कंडीशनर की तरह है।'

(बीबीसी हिन्दी में प्रकाशित रिपोर्ट के संपादित अंश)

बिहार चुनाव के परिणाम आज, सुरक्षा चाक चौबंद

● बिहार के 38 जिलों के 46 सेंटर पर होगी काउंटिंग ● सासाराम में काउंटिंग सेंटर में ट्रक की एंट्री पर बवाल

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव का रिजल्ट आने में अब सिर्फ कुछ घंटे बचे हैं। बिहार में पहली बार 67 फीसदी वोटिंग हुई है। पुरुषों के मुकाबले महिलाओं का मतदान प्रतिशत 9 फीसदी ज्यादा है। बिहार के सभी 38 जिलों में स्ट्रॉन्ग रूम बनाए गए हैं। इलेक्शन कमीशन के मुताबिक, वोटों की गिनती सुबह 8 बजे से शुरू होगी। किसी विशेष स्थिति में रिटर्निंग ऑफिसर के आदेश पर समय में परिवर्तन किया जाएगा। काउंटिंग की शुरुआत बैलेट पेपर और इलेक्ट्रॉनिकली ट्रांसमिटेड पोस्टल बैलेट सिस्टम से होगी। इसके आधे घंटे बाद ईवीएम की गिनती शुरू होगी। फिर दोनों साथ चलता रहेगा।

लेकिन,जब तक बैलेट पेपर की गिनती पूरी नहीं हो जाती तब तक ईवीएम की गिनती खत्म नहीं की जाएगी। सासाराम में बुधवार की रात काउंटिंग सेंटर में टीन के खाली बक्सों से भरा ट्रक घुसने के बाद जमकर हंगामा हुआ। काराकाट से निर्दलीय प्रत्याशी ज्योति सिंह ने आरोप लगाया कि सवाल पूछने पर समर्थकों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया। इससे पहले आज हर जिले के स्ट्रॉन्ग रूम का हाल जानने के लिए अधिकारी राउंड पर पहुंचे। स्ट्रॉन्ग रूम की तीन लेयर में सुरक्षा व्यवस्था की गई है। सीसीटीवी से निगरानी की जा रही है। सुबह 8.30 बजे के बाद सभी टेबलों पर एक साथ ईवीएम के वोटों की काउंटिंग शुरू होगी। मतगणना केंद्र पर मौजूद रिटर्निंग ऑफीसर यानी आरओ, सभी राउंड की गिनती के बाद रिजल्ट बताते हैं। इसे चुनाव आयोग की वेबसाइट पर भी अपडेट करेंगे। पहला रुझान सुबह 9 बजे से आना शुरू हो सकता है।

● **सबसे पहले मोकामा, सबसे लेट दीघा का आएगा रिजल्ट-** हर विधानसभा के लिए अलग-अलग हॉल में 14 टेबल पर एक साथ 14 ईवीएम रखकर गिनती की जाएगी। यह एक राउंड होगा, जिसमें 14 से 15 मिनट लगेंगे। मतगणना शुरू होने के बाद सुबह करीब 9 बजे से रुझान आने शुरू हो जाएंगे। पटना जिले के मोकामा विस का रिजल्ट सबसे पहले आएगा। सबसे आखिर में दीघा विधानसभा का परिणाम आएगा। पटना के कॉलेज में 14 नवंबर को मतगणना होनी है। राजधानी के 14 विधानसभा क्षेत्रों के वोटों की काउंटिंग यहीं होगी। इसे लेकर रूट को डायवर्ट कर दिया गया है। मतगणना के दौरान एएन कॉलेज के आसपास के सभी रूट बंद रहेंगे। पाटलिपुत्र, राजापुर पुल, शिवपुरी समेत कई जगहों से बोरिंग रोड के लिए गाड़ियां नहीं चलेंगी।

बाबरी विध्वंस का बदला लेना चाहते थे आतंकी

● 6 दिसंबर को दिल्ली में छह धमाके की थी योजना ● देशभर में 32 कारों से धमाके की रची थी साजिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए धमाके की जांच में गुरुवार को बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक आतंकी 6 दिसंबर, यानी बाबरी मस्जिद ढहाए जाने की बरसी के दिन दिल्ली समेत कई जगह धमाके करना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने 32 कारों का इंतजाम किया था। इनमें बम और विस्फोटक सामग्री भरकर धमाके किए जाने थे। इनमें ब्रेजा, स्विफ्ट डिजायर, इकोस्पोर्ट और आई 20 जैसी गाड़ियां शामिल थीं। जांच एजेंसियों को अब तक चार कारें बरामद हो चुकी हैं। 10 नवंबर को जिस आई 20 कार में धमाका हुआ था, वह इसी सीरियल रिवेंज अटैक का हिस्सा थी। ब्लास्ट से अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 20 लोग घायल हैं, जिनमें से तीन की हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस ने आशंका जताई थी कि दिल्ली धमाके में शामिल आतंकियों के पास एक नहीं, बल्कि दो कारें थीं। बुधवार को इसकी तलाश के लिए दिल्ली के साथ पड़ोसी राज्यों यूपी और हरियाणा में अलर्ट जारी किया गया था।

6 दिसंबर को दिल्ली में छह बड़े धमाके का था प्लान

जनलाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए कार धमाके ने 14 साल बाद दिल्ली को दहला दिया। इस मामले की जांच हुई तो फरीदाबाद में पकड़े गए विस्फोटक से कनेक्शन निकला है। इस मामले में डॉक्टर मॉड्यूल की साफ भूमिका सामने आ रही है। इसके अलावा जिस आई-10 कार में धमाका हुआ, उसे डॉक्टर उमर नबी ही चला रहा था। इस बात की पुष्टि डीएनए टेस्ट से हो गई है। यही नहीं जांच एजेंसियों के सूत्रों का कहना है कि आतंक के इन डॉक्टरों की साजिश दिल्ली में बड़े पैमाने पर धमाके करने की थी। ये लोग चाहते थे कि आने वाले 6 दिसंबर को दिल्ली में छह बड़े धमाके किए जाएं।

● **आतंकियों ने चरणबद्ध तरीके से बनाया था आतंक का प्लान** -शीर्ष खुफिया सूत्रों का कहना है कि इन आतंकियों ने चरणबद्ध तरीके से आतंक फैलाने का प्लान बनाया था। इसके तहत वे एनसीआर में धमाके करना चाहते थे। इसके तहत 5 फेज वाला प्लान तैयार किया गया था। इसमें पहले चरण में यह था कि जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवात-उल-हिंद से जुड़ा एक टेरर मॉड्यूल बनाया जाए। नूंह और गुरुग्राम जैसे इलाकों से ही आईईडी तैयार करने के लिए कच्चे माल की खरीद की जाए। इसके अलावा हथियार जुटाए जाएं। केमिकल आईईडी तैयार करना और संभावित टारगेट चुनना। इसके आगे का चरण यह है कि मॉड्यूल के सदस्यों को तैयार किए गए बम देना। फिर दिल्ली में 6 से 7 ठिकानों पर बड़े बम धमाके करना।

● **अगस्त में ही करना चाहते थे हमला, लेट हुआ तो बदला प्लान**- इस तरह 5 चरणों में यह टेरर मॉड्यूल दिल्ली को दहलाने की प्लानिंग कर रहा था। जांचकर्ताओं का कहना है कि ये आतंकी तो अगस्त में ही हमले करना चाहते थे, लेकिन प्लानिंग में देरी हुई तो 6 दिसंबर की तारीख तय कर ली गई। बता दें कि सालों से जैश-ए-मोहम्मद बाबरी का नाम लेकर भारत में हमले करने की धमकी देता रहा है। यही नहीं खुद सरगना मसूद अजहर भी अयोध्या को निशाना बनाने की बात कह चुका है।

किसानों के लिए सम्मान और समृद्धि का प्रतीक बनी भावान्तर योजना : मुख्यमंत्री

हमारी सरकार ने योजना की शुरुआत करने के 15 दिन में ही निभाया अपना वादा

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भावांतर भुगतान, अन्नदाता के उत्थान का पर्याय है। अन्नदाता को दी गई एमएसपी की गारंटी की पूर्ति करते हुए सोयाबीन भावांतर योजना में 1 लाख 33 हजार किसानों के खाते में 233 करोड रुपए की राशि अंतरित की गई है। यह इस बात का प्रमाण है कि हमने जो कहा उसे कर दिखाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश में अनेक किसान हितैषी योजनाएं संचालित की जा रही है। मध्यप्रदेश किसानों को उपज का उचित लाभ दिलवाने के लिए भावान्तर योजना लागू करने वाला देश का पहला राज्य है। पिछले साल सोयाबीन का भाव 4800 रुपए था, इस बार किसानों को 500 रुपए प्रति क्विंटल का लाभ देकर 5300 रुपए से अधिक कीमत पर सोयाबीन खरीदा जा रहा है। भावान्तर योजना के लिए प्रदेश में 9 लाख से अधिक किसानों ने सोयाबीन बेचने के लिए पंजीयन किया। आज 1.33 लाख किसानों के खाते में राशि भेजी गई है। हमारी सरकार ने योजना की शुरुआत करने के 15 दिन में ही किसानों से किया वादा पूरा किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को देवास से प्रदेश के 1.33 लाख सोयाबीन उत्पादक किसानों को भावान्तर योजना के अंतर्गत 233 करोड़ रुपए की राशि अंतरित करने के बाद विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ कर कन्या-पूजन भी किया। वंदे मातरम् के गान ने वातावरण को देशभक्ति की भावना का संचार किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देवास जिले के सर्वांगीण विकास के लिए 183.25 करोड़ लागत के विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। साथ ही हितग्राहियों को जैविक खेती, कृषि यंत्र एवं पीएमएफएमई सहित विभिन्न योजनाओं में हितलाभ वितरित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृषि यंत्रों एवं जैविक खेती को प्रोत्साहित करने वाली प्रदर्शनी का शुभारंभ कर अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे लिए धरती पुत्र किसान और सीमा पर जवान, दोनों समान सम्मान का भाव रखते हैं। धरती पुत्र किसानों से देश की विशेष पहचान बनी है। किसानों की समृद्धि के लिए राज्य सरकार खेती के साथ-साथ गोपालन को भी प्रोत्साहित कर रही है।

220 से अधिक मुख्य और 80 उप मंडियों में की जा रही खरीदी : सारी प्रक्रिया ई-मंडी पोर्टल पर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में वर्ष-2026 को कृषि आधारित उद्योग वर्ष के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि भावांतर योजना पंजीकृत किसान 15 जनवरी तक अपनी सोयाबीन मंडियों में बेच सकेंगे। पूरे प्रदेश में 220 से अधिक मुख्य मंडियों और 80 उप मंडियों में खरीदी की जा रही है। रेट पारदर्शी तरीके से तय हो रहे हैं, सारी प्रक्रिया ई-मंडी पोर्टल पर है, किसान का डाटा अपने आप दिख रहा है, पैसा सीधे ऑनलाइन खाते में पहुंचने की व्यवस्था की गई है और हर कदम पर रियल टाइम एंट्री और सीसीटीवी से निगरानी की जा रही है। किसानों की सुविधा के लिए भावांतर कॉल सेंटर भी स्थापित किया गया है।

पंजाब के ग्रेनेड अटैक मॉड्यूल में बड़ा खुलासा

पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में थे आतंकी, 10 गिरफ्तार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। लुधियाना कमिश्नरेट पुलिस ने आईएसआई-पाकिस्तान समर्थित ग्रेनेड हमले के एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में 10 मुख्य ऑपरेटिव्स को गिरफ्तार किया गया है। ये ऑपरेटिव्स विदेश में बैठे हैंडलर्स के संपर्क में थे। पंजाब पुलिस के डीजीपी ने ट्वीट करके इस बड़ी सफलता की जानकारी दी है। शुरुआती जांच में पता चला है कि गिरफ्तार किए गए आरोपी मलेशिया में बैठे तीन ऑपरेटिव्स के जरिए पाकिस्तान स्थित हैंडलर्स से संपर्क में थे। इन हैंडलर्स ने उन्हें एक हैंड ग्रेनेड उठाने और पहुंचाने का काम सौंपा था। हैंडलर्स का मकसद था कि ये लोग किसी भीड़भाड़ वाली जगह पर ग्रेनेड हमला करें। इससे राज्य में अशांति फैले। पंजाब के डीजीपी ने ट्वीट करके इस बड़ी सफलता की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एक बड़ी सफलता में लुधियाना कमिश्नरेट पुलिस ने पाकिस्तान समर्थित ग्रेनेड हमले के मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है और विदेशी हैंडलर्स के 10 गुर्गों को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि आरोपी मलेशिया में स्थित तीन संचालकों के माध्यम से पाकिस्तान स्थित हैंडलर्स के संपर्क में थे।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 27 °c | न्यूनतम 23°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ शुक्रवार, 14 नवंबर 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

धीरेंद्र शास्त्री पदयात्रा में बेहोश हुए, सड़क पर लेटे

अचार-पराठा खाकर फिर यात्रा शुरू की, कहा- मुल्ला मत बनो

भोपाल/मथुरा। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की सनातन एकता पदयात्रा का गुरुवार को सातवां दिन है। यात्रा अब यूपी में दाखिल हो चुकी है। मथुरा पहुंचने से पहले लगातार दूसरे दिन धीरेंद्र शास्त्री की तबीयत बिगड़ गई। यूपी-हरियाणा बॉर्डर पर उन्हें अचानक चक्कर आ गया। वे सड़क पर ही लेट गए।आसपास मौजूद भक्तों ने संभाला, गमछे से हवा की। थोड़ी देर लेटे रहने के बाद धीरेंद्र शास्त्री उठकर बैठे। अचार के साथ पराठा खाया।

इससे पहले बुधवार को भी उन्हें बुखार आ गया था। डॉक्टरों ने उनका चेकअप कर दवा दी थी। थोड़ा आराम करने के बाद धीरेंद्र शास्त्री ने यात्रा आगे बढ़ाई थी।

इस बीच होडल में धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि दिल्ली ब्लास्ट आतंकवादी हमला था। उन्होंने हमारी पदयात्रा को भी टारगेट कर हिंदुओं को डराने की कोशिश की। हम बता देते हैं कि मौलवी मदरसे में बच्चों को डॉ. कलाम बनाएं, डॉ. मुल्ला नहीं। नहीं तो पूरी कौम को दिक्कत होगी।

बता दें कि मथुरा में 55 किलोमीटर की यात्रा चार दिन में पूरी की जाएगी। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। एएसपी अनुज चौधरी खुद मोर्चे पर तैनात हैं।

बांग्लादेश में अगले साल फरवरी में होंगे चुनाव

- भारी दबाव के बाद मोहम्मद यूनुस का बड़ा ऐलान

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस ने अगले आम चुनाव की घोषणा की है। यूनुस ने गुरुवार को बताया है कि अगले साल फरवरी में चुनाव कराए जाएंगे। लंबे समय से चुनाव कराने के लिए राजनीतिक दलों के दबाव के बाद यूनुस की ओर से ये ऐलान किया गया है। यूनुस के चुनाव के ऐलान के बीच शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के खिलाफ हिंसा बढ़ गई है। गुरुवार को ढाका में अवामी लीग के केंद्रीय कार्यालय में आगजनी की गई है। प्रोथोमोलो की रिपोर्ट के अनुसार, मोहम्मद यूनुस ने बताया है कि राष्ट्रीय सहमति आयोग ने अंतरिम सरकार को जुलाई राष्ट्रीय चार्टर को लागू करने के संभावित तरीकों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए दो सिफरिश पेश की। प्रस्ताव के अनुसार, सरकार चार्टर के संवैधानिक सुधार प्रावधानों को लागू करने के लिए विशेष आदेश जारी करेगी, जिसके बाद जनमत संग्रह होगा। यूनुस ने बताया घोषणा की है कि राष्ट्रीय संसदीय चुनाव और जनमत संग्रह एक ही दिन होंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, जनमत संग्रह प्रस्तावित सुधारों को मंजूरी देता है तो अगली संसद एक संविधान सुधार परिषद के रूप में कार्य करेगी और 270 दिनों के भीतर संविधान में संशोधन करेगी।

मतगणना से पहले टेंशन में आए आरजेडी के नेता

- बिहार के परिणाम को लेकर देने लगे हैं धमकी

पटना (एजेंसी)। तेजस्वी यादव के मुंहबोले मामा एमएलसी सुनील कुमार सिंह ने कहा,अगर हार-जीत के लिए मतगणना में कोई गड़बड़ी हुई तो बिहार में नेपाल, बंग्लादेश और श्रीलंका जैसे हालात होंगे। स्थिति ऐसी होगी जो संभाले नहीं संभलेगा। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की मतगणना से ठीक पहले, राज्य का सियासी पारा अचानक बहुत बढ़ गया है। विपक्ष की प्रमुख पार्टी राष्ट्रीय जनता दल ने सीधे तौर पर चुनाव आयोग और प्रशासन को चेतावनी जारी कर दी है। आरजेडी नेता एमएलसी सुनील सिंह ने भड़काऊ बयान देते हुए कहा है कि अगर मतगणना के दौरान किसी भी प्रकार की धांधली या गड़बड़ी की गई, तो बिहार की सड़कों पर नेपाल जैसा नजारा देखने को मिलेगा। इस बयान को लेकर सत्ताधारी एनडीए खेमे में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली है। एनडीए नेताओं ने इसे सीधे तौर पर जनता को भड़काने की कोशिश और आरजेडी की हार की हताशा बताया है। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री रबड़ी देवी के मुंहबोले भाई और एमएलसी सुनील कुमार सिंह ने अपने बयान में दावा किया कि इस बार का चुनाव बदलाव के लिए हुआ है और जनता ने नीतिश कुमार और बीजेपी की सरकार को पूरी तरह से नकार दिया है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता अब तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहती है और 2025 में उनकी सरकार बनने जा रही है।

फर्जी पते पर रजिस्टर्ड थी उमर की लाल इकोस्पोर्ट

दिल्ली ब्लास्ट पर एक और चौंकाने वाला खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली लाल किला ब्लास्ट की घटना ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। जांच एजेंसियों की जांच के बाद भारत सरकार ने इसे आतंकी हमला करार दिया है। इस बीच धमाके के मुख्य आरोपी डॉ. उमर नबी से जुड़ी एक बड़ी जानकारी सामने आई है।

खुफिया एजेंसियों को पता चला है कि उमर नबी की लाल रंग की फोर्ड इकोस्पोर्ट कार को गलत पते पर रजिस्टर्ड कराया गया था। यह पता उत्तर पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर इलाके का बताया जा रहा है। इस जानकारी के बाद जांच एजेंसियां हरकत में आ गईं और उन्होंने इलाके में छानबीन शुरू कर दी। खुफिया एजेंसी को जांच के दौरान पता चला कि फरीदाबाद के धौज स्थित अल फलाह मेडिकल कॉलेज के दो छात्र जो सीलमपुर इलाके में ही रहते थे। ये दोनों उमर नबी के संपर्क में थे। बुधवार सुबह दोनों छात्रों को फरीदाबाद के उनके हॉस्टल से पूछताछ के लिए उठाया गया। पुलिस ने बाद में पुष्टि कि है कि ये छात्र उमर नबी को जानते थे।

धमाके के दो दिन बाद बुधवार को यह इकोस्पोर्ट कार दिल्ली पुलिस के अलर्ट पर थी और इसे फरीदाबाद में पार्क किया हुआ पाया गया। फरीदाबाद पुलिस ने गाड़ी बरामद की और दिल्ली पुलिस को सूचित किया। गाड़ी को खांडावली गांव के पास एक प्लॉट पर दो-तीन झुग्गियों के पास खड़ा पाया गया। दिल्ली पुलिस जांच के लिए मौके पर पहुंची थी।

एमपी में इन्फेक्शन से 23 गोवंश की मौत

जबलपुर में गोसेवक बोले- भूसा-पानी तक नहीं दिया, पांदुर्णा में संक्रमित दूध से बच्चों समेत 5 लोग बीमार

जबलपुर/पांदुर्णा (नप्र)। मध्य प्रदेश में इन्फेक्शन से 23 गोवंश की मौत हो गई। जबलपुर नगर निगम की गोशाला में गुरुवार को 8 गोवंश के मृत पाए गए। जानकारी लगते ही गोसेवक भी यहां पहुंच गए और हंगामा कर दिया।

गोसेवकों का आरोप है कि गोवंश के लिए शासन से पर्याप्त अनाज-भूसा आ रहा है, लेकिन निगम अधिकारियों की मिलीभगत से गायों का भोजन चोरी हो रहा है। नतीजतन गोवंश की मौत हो रही है।

गोशाला प्रभारी का कहना है कि लंपी वायरस के कारण कुछ गायों की मौत हुई है, क्योंकि यहां पर ज्यादातर वायरस से पीड़ित गोवंशों को ही रखा जाता है।

इसी तरह पांदुर्णा जिले में एक अज्ञात बीमारी से मवेशियों की मौतें हो रही हैं। मंगलवार तक 15 से ज्यादा गोवंश की जान जा चुकी है। मृत गोवंश में पॉजिटिव वर्गाकार बैक्टीरिया पाया गया है। गांव में संक्रमित दूध पीने से दो बच्चों समेत पांच लोग बीमार भी हुए हैं।

गोसेवकों का आरोप- गोवंश का आहार गायब हो रहा- जबलपुर के रामपुर में आठ से ज्यादा गायों की मौत हो गई। करीब एक दर्जन से ज्यादा गोवंश

बीमार होने के कारण मरने की कगार पर हैं। गोशाला पहुंचे गोसेवकों ने आरोप लगाया कि गायों के लिए हजारों रुपए खाना आ रहा है, पर यहां से उसे गायब कर दिया जाता है।

गोशाला संचालित करने वाले अधिकारी, कर्मचारियों की मिलीभगत है। गोसेवक सौरभ यादव का कहना है कि आ जहां गोशाला बनी है, वहां पहले कभी खाली स्थान था। हाल ही में गोशाला का निर्माण करते हुए यहां पर नगर निगम ने डॉक्टरों और कर्मचारियों को तैनात किया है। यहां कभी कभार ही डॉक्टर आते हैं।

8 गायों की मौत के बाद प्रभारी और डॉक्टर पहुंचे- स्थानीय निवासी सौरभ यादव ने बताया कि करीब चार से पांच दिन से मृत गाय पड़ी हुई हैं। गोशाला प्रभारी राजेंद्र पटेल और डॉक्टर ने यहां आने की जहमत तक नहीं उठाई। आज 8 गायों की मौत हुई, तब प्रभारी और डॉक्टर यहां आए हैं। गोशाला में 25 से अधिक कर्मचारी हैं। इसके बाद भी गंदगी है। पुलिस और गोसेवकों को देखने के बाद कर्मचारियों ने झाड़ू लगाकर सफाई करना शुरू किया। लंपी वायरस से गायों की मौत बताकर अधिकारी अपनी गलती से बचने की कोशिश करते दिखे।

वाहन नहीं हैं, चार दिन से मृत पड़े थे गोवंश- गोशाला प्रभारी राजेंद्र पटेल का कहना है कि मृत पशुओं को उठाकर ले जाने वाला वाहन हमारे पास नहीं, बल्कि स्वास्थ्य विभाग के पास हैं। कर्मचारी हड़ताल पर हैं, उन्हें सूचना दी गई, लेकिन वे लोग नहीं आए।

चिकित्सा शिक्षकों के भत्तों को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए प्रस्ताव बनेगा

भर्ती प्रक्रिया, अधोसंरचना विकास एवं चिकित्सकीय सेवाओं की गुणवत्ता सुधार के दिए निर्देश

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय भोपाल में विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में चिकित्सा शिक्षा संस्थानों, अधोसंरचना विकास परियोजनाओं, भर्ती प्रक्रिया तथा अस्पताल सेवाओं से संबंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि विभाग में पारदर्शिता और गति सुनिश्चित करने के लिए पीईबी एवं मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से संचालित भर्ती प्रक्रियाओं को त्वरित और समयबद्ध रूप से पूरा किया जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि भर्ती कार्यों में किसी प्रकार की देरी न हो और प्रत्येक चरण की नियमित मॉनिटरिंग की जाए।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विभागीय अधोसंरचना विकास परियोजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों, उपकरणों की स्थापना तथा नई स्वास्थ्य इकाइयों के क्रियान्वयन से संबंधित परियोजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। यदि किसी भी स्तर पर तकनीकी या प्रशासनिक समस्या आती है तो उसे प्राथमिकता से अग्रेषित कर शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि परियोजनाओं का समय पर निष्पादन हो सके और जनता को लाभ मिले।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने अस्पतालों में ओ.पी.डी. में चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मरीजों को समय पर चिकित्सा परामर्श मिले, इसके लिए निर्धारित समय में चिकित्सकों की उपस्थिति पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों के शिक्षकों के भत्तों को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उत्कृष्ट शिक्षकों की उपलब्धता और शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने के लिए यह कदम आवश्यक है। इससे मेडिकल शिक्षा संस्थानों में दक्ष मानव संसाधन को बनाए रखने में सहायता मिलेगी। बैठक में अपर मुख्य सचिव (वित्त) श्री मनीष रस्तोगी, प्रमुख सचिव (लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा) श्री संदीप यादव सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

दिव्यांग प्रतिभागियों ने समझी संसदीय प्रक्रिया व पद्धति

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के प्रथम अध्यक्ष पंडित कुंजीलाल दुबे जी के नाम पर संचालित संसदीय विद्यापीठ का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ संसदीय पद्धति एवं प्रक्रिया की जानकारी देना है। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु भोपाल के शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम वर्षभर संचालित किए जाते हैं।

इसी क्रम में 13 नवम्बर 2025 को समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केंद्र, सीआरसी-भोपाल के 34 दिव्यांग प्रतिभागियों को संसदीय पद्धति एवं प्रक्रिया की जानकारी दी गई तथा विधानसभा का भ्रमण कराया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ संसदीय

विद्यापीठ के उपसंचालक एम. के. राजोरिया द्वारा किया गया। विषय-विशेषज्ञ के रूप में डॉ. अर्चना श्रीवास्तव, प्राध्यापक, एम. एल. बी. कन्या महाविद्यालय, भोपाल एवं डॉ. सोनल खरे, सहायक प्राध्यापक, शा. हमीदिया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय ने व्याख्यान प्रस्तुत किए। समापन अवसर पर उपसंचालक एम. के. राजोरिया ने विद्यार्थियों से उनके अनुभव साझा करवाए। उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम में दिव्यांग बच्चों की सक्रिय एवं उत्साहपूर्ण सहभागिता की प्रशंसा की और इसे संसदीय कार्यप्रणाली की जानकारी प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। तत्पश्चात् सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए।

पुणे में 25 गाड़ियां टकराईं, 9 लोगों की मौत, 5 जिंदा जले

ट्रक का ब्रेक फेल हुआ, कार से भिड़ा, दोनों में आग लगी

पुणे (एजेंसी)। पुणे के बाहरी इलाके में नवले ब्रिज के पास गुरुवार शाम एक ट्रक का ब्रेक फेल होने से 20 से 25 गाड़ियां आपस में टकरा गईं। ट्रक सबसे पहले एक कार से टकराया। कार आगे जा रहे कंटेनर से भिड़ गई और उसमें आग लग गई। ट्रक भी जल गया। हादसे में कार सवार 5 लोग जिंदा जल

गए। ट्रक ड्राइवर समेत 9 लोगों की मौत हो गई। हादसे में करीब 20 लोग घायल भी हुए हैं।

पुलिस के मुताबिक हादसा पुणे-नासिक हाईवे पर भोरगांव के पास हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह से कंटेनर और ट्रक के बीच दब गई और आग लगने के कुछ सेकेंड में ही लपटों में घिर गई। मृतकों की पहचान की जा रही है। हादसे के बाद करीब एक घंटे तक हाईवे पर ट्रैफिक प्रभावित रहा।

रीवा एयरपोर्ट सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने दिए निर्देश

22 दिसम्बर से रीवा-इंदौर हवाई सेवा होगी प्रारंभ

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने विंध्य क्षेत्र एवं रीवा में एयर कनेक्टिविटी को सुदृढ़ बनाने, अन्य एयरपोर्ट्स से हवाई सेवाओं के विस्तार के लिए कार्ययोजना की समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में विमानन विभाग के आयुक्त चंद्रमौली शुक्ल एवं डॉ. कैलाश बुंदेला सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि विभिन्न शहरों को हवाई मार्ग से जोड़ने के लिए शिड्यूल ऑपरेटर्स से निरंतर संवाद कर नवीन हवाई मार्गों की शुरुआत के प्रयास तेज किए जाएँ। उन्होंने बताया कि रीवा-भोपाल हवाई मार्ग क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना (आरसीएस स्कीम) के अंतर्गत अधिसूचित है, जहाँ पूर्व में 19 सीटर विमान से सेवाएँ संचालित की जा चुकी हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि विंध्य क्षेत्र को राजधानी भोपाल से जोड़ने के लिए आरसीएस रूट्स पर 72 सीटर एयरक्राफ्ट से सेवाएँ उपलब्ध कराने हेतु विशेष प्रयास किए जाएँ।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि अधिक से अधिक हवाई मार्गों को वायबिलिटी गैप फंडिंग के अंतर्गत कवर किया जाए, ताकि निवेशक और एयरलाइन ऑपरेटर्स नए मार्ग शुरू करने में रुचि लें। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यक हो तो विमानन नीति के संशोधन को शीघ्र कैबिनेट अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा एयरपोर्ट के रनवे विस्तार पर विशेष जोर देते हुए कहा कि रनवे के दोनों ओर उपलब्ध संभावनाओं का शीघ्र विश्लेषण किया जाए और एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया से चर्चा कर बड़े विमानों के संचालन हेतु आवश्यक प्रस्ताव जल्द अंतिम रूप दिया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि रीवा एयरपोर्ट के पहुँच मार्ग का सौंदर्यीकरण एवं आवश्यक सुधार कार्य लोक निर्माण विभाग के समन्वय से शीघ्र पूर्ण किए जाएँ।

इज्तिमा के दौरान भोपाल में ट्रैफिक डायवर्जन

भोपाल (नप्र)। घासीपुरा ईंटखेड़ी में 14 से 17 नवंबर तक आयोजित होने वाले आलमी तब्लीगी इज्तिमा के दौरान शहर में यातायात व्यवस्था प्रभावित रहेगी। लाखों धर्मावलंबियों के आने की संभावना को देखते हुए भोपाल ट्रैफिक पुलिस ने विशेष ट्रैफिक प्लान जारी किया है। आयोजन के अंतिम दिन यानी 17 नवंबर की सुबह दुआ की नमाज के समय पुराने शहर से इज्तिमा स्थल की ओर जाने वाले मार्गों पर भारी भीड़ और जाम की स्थिति रहेगी।

पुराने शहर से इज्तिमा स्थल तक भारी दबाव- 17 नवंबर को सुबह 6 बजे से ही पुराने भोपाल के मुबारकपुर से पटेल नगर नया बायपास, गांधी नगर से अयोध्या नगर बायपास, रत्नागिरी, लांबाखेड़ा से करोंद, भोपाल टॉकीज, पीरगेट, मोती मस्जिद, रॉयल मार्केट, लालघाटी, नादरा बस स्टैंड, भारत टॉकीज, बोगदा पुल आदि इलाकों में यातायात का भारी दबाव रहेगा। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि इन मार्गों से बचकर वैकल्पिक रास्तों का उपयोग करें।

ब्लास्ट के बाद अल फलाह यूनिवर्सिटी पर कसा शिकंजा

- कारण बताओ नोटिस, विवि की वेबसाइट भी बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली ब्लास्ट के बाद जांच के घेरे में आई अल फलाह यूनिवर्सिटी को नोटिस जारी किया गया है। ये नोटिस यूनिवर्सटी को नेशनल एसेसमेंट एंड एक्रीडिटेशन काउंसिल ने थमाया है। बता दें कि दिल्ली ब्लास्ट के बीच फरीदाबाद टेरर मॉड्यूल में गिरफ्तार डॉक्टरों का लिंक अल फलाह यूनिवर्सिटी के साथ जोड़ा गया था। यूनिवर्सिटी की वेबसाइट को भी बंद कर दिया गया है। एक दिन पहले ही फरीदाबाद की इस यूनिवर्सिटी की वेबसाइट हैक हो गई थी। काउंसिल ने यह नोटिस अपनी वेबसाइट पर गलत मान्यता प्रदर्शित करने के लिए जारी किया है। नोटिस में लिखा है कि एनएएसी के ध्यान में लाया जाता है कि अल-फलाह ने ए एंड ए के लिए साइकिल-1 के लिए मान्यता

प्राप्त नहीं की है। नोटिस में लिखा है कि एनएएसी के ध्यान में लाया जाता है कि अल-फलाह विश्वविद्यालय ने ए एंड ए के लिए साइकिल-1 के लिए मान्यता प्राप्त नहीं की है।

पाकिस्तान से 3 महीने में बिजनेस बंद करेगा अफगानिस्तान

तालिबान ने व्यापारियों को अल्टीमेटम दिया, कहा-कोई दूसरा रास्ता तलाशें

ढाका (एजेंसी)। पाकिस्तान के साथ तनाव के बीच अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने व्यापारियों और उद्योगपतियों से बिजनेस के दूसरे रास्ते तलाशने को कहा है। अफगानिस्तान के उपप्रधानमंत्री मुल्ला अब्दुल गनी बरादर ने कहा कि, पाकिस्तान के साथ सीमा बंद होने से व्यापार ठप हो गया है। उन्होंने बताया कि इससे हर महीने करीब 200 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 1,700 करोड़ रुपए) का नुकसान हो रहा है। बरादर ने सीमा बंदी को आर्थिक युद्ध करार दिया। उन्होंने पाकिस्तान से आने वाली दवाओं की खराब क्वालिटी की भी आलोचना की। साथ ही लेन-देन खत्म करने के लिए 3 महीने का समय दिया है। वहीं, व्यापार मंत्री नूरुद्दीन अजीजी ने व्यापारियों से मध्य एशियाई देशों की ओर रुख करने की अपील की। अजीजी ने कहा, पाकिस्तान ने अक्सर बाधाएं खड़ी की हैं, खासकर फलों के निर्यात के मौसम में। ये रुकावटें बिना किसी बुनियादी या तार्किक आधार के हैं, और ये दोनों देशों के लिए नुकसानदेह हैं। दोनों देशों के बीच तोरखम और स्पिन बोल्डक सहित

पांच प्रमुख क्रॉसिंग एक महीने से ज्यादा से बंद हैं। उपप्रधानमंत्री बरादर ने कहा कि अफगानिस्तान को अक्सर राजनीतिक दबाव के तहत निशाना बनाया जाता है। व्यापार संबंधों और शरणार्थियों की कठिनाइयों का इस्तेमाल राजनीतिक मकसद को पूरा करने के लिए किया जाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह नकारा नहीं जा सकता कि व्यापार के मामले में सभी देश आपस में निर्भर हैं। पाकिस्तान अफगानिस्तान को सीमेंट, दवाइयां, आटा, स्टील, कपड़े, फल और सब्जियां निर्यात करता है, जबकि वो सीमा पार से कोयला, साबुन पत्थर, मेवे और ताजे फल आयात करता है। बरादर ने कहा कि अगर पाकिस्तान व्यापार मार्गों को फिर से खोलने का इरादा रखता है, तो उसे इस बात की पुख्ता गारंटी देनी होगी कि किसी भी कारण से या किसी भी परिस्थिति में सीमाएं फिर से बंद नहीं होंगी। यह बयान दोनों देशों के बीच चल रहे तनाव के बीच आया है। जो हाल के हफ्तों में सीमा पर हुई झड़पों से और बढ़ गया है। यहां आतंकवादी गतिविधियों से जुड़े विवादों को सुलझाने के लिए तीन दौर की बातचीत के बावजूद, युद्धविराम लागू है। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने पाकिस्तान के साथ सीमा बंद होने के कारण नुकसान से बचने के लिए मध्य एशिया के तीन ऑप्शनल व्यापार रूट विकसित करने का फैसला किया है।

दिल्ली कार बम धमाके के तार महू के जवाद अहमद से जुड़े, वो यहीं से फ्रॉड करके भागा

इंदौर। राजधानी दिल्ली में हुए कार धमाके की साजिश से जुड़े डॉक्टरों की लिंक फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी से है। इस यूनिवर्सिटी के कई लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया। चर्चा में आई अल फलाह यूनिवर्सिटी के तार महू से जुड़ रहे हैं। क्योंकि, इस यूनिवर्सिटी का कर्ताधर्ता महू का रहने वाला है। वह 24 साल पहले लोगों का पैसा लेकर घर से भाग गया था। दिल्ली पुलिस उसके संपर्क में रहे स्थानीय लोगों पर नजर रख रही है। बताया जाता है कि जवाद अहमद सिद्दीकी ने 24 साल पहले महू छोड़ दिया। अल फलाह यूनिवर्सिटी का चांसलर और मालिक जवाद अहमद सिद्दीकी का परिवार पहले महू में रहता था और एक इन्वेस्टमेंट कंपनी चलाता था। वह इस कंपनी में निवेश करने वाले लोगों को रुपए डबल करने का झांसा देता था। उसने किसी भी निवेशक को डबल करके रुपए नहीं लौटाए। जब जवाद अहमद सिद्दीकी पर दबाव बढ़ा, तो वह महू से गायब हो गया। स्थानीय लोग कहते हैं, कि जवाद अहमद के तीन भाई है। उसके पिता शहर काजी थे। इस वजह से शहर में परिवार की प्रतिष्ठा थी। इस भरोसे पर लोगों ने इसके बैंक में रुपए निवेश किए थे। मगर जब रुपए नहीं लौटाए तो शहर छोड़कर

जिस अल फलाह यूनिवर्सिटी में आतंकी पनपे, वो इसी जवाद अहमद की

भाग गया था। महू के पत्ती बाजार स्थित मकान में तीनों भाइयों ने मिलकर 'अल फलाह बैंक' और 'अल फहद बैंकक्ष' के नाम से फर्जी संस्था चलाई। लोगों को ज्यादा मुनाफे का लालच देकर करोड़ों रुपए हड़प लिए और रातों-रात शहर छोड़कर फरार हो गए। अल-फलाह बैंक संचालित करने वाला जवाद सिद्दीकी धोखाधड़ी के मामले में 6 साल जेल में बंद रहा, जबकि इसका भाई हमूद सिद्दीकी लंबे समय तक जेल में रहा। वहीं, रुपए डबल करने के मामले में जवाद अहमद सिद्दीकी के भाई पर भी केस दर्ज हुआ था। जवाद अहमद की पूरी फैमिली महू स्थित कायस्थ कॉलोनी में रहती थी। जवाद अहमद सिद्दीकी के पिता शहर काजी थे। दिल्ली धमाके की तार इससे जुड़ने के बाद पुलिस जवाद के पुराने संपर्कों से पूछताछ कर रही है। जवाद अहमद सिद्दीकी ने इंदौर की देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी से बीटेक की पढ़ाई की। अल फलाह यूनिवर्सिटी का मालिक जवाद अहमद सिद्दीकी महू से गायब होने के बाद फरीदाबाद जाकर बस गया। उसने वहां भी इन्वेस्टमेंट कंपनी खोली, जिसका नाम भी अल फलाह इन्वेस्टमेंट था। इसमें लोगों ने काफी निवेश किया था। कथित तौर पर यह कहा जाता है कि इन्हीं पैसों से फरीदाबाद में जवाद ने कॉलेज खोला।

इंजीनियरिंग कॉलेज खोला

जानकारी के मुताबिक जवाद अहमद सिद्दीकी ने पहले फरीदाबाद में इंजीनियरिंग कॉलेज खोला। इसके बाद यूनिवर्सिटी की स्थापना की। 1997 में उसने इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना की। मेडिकल की पढ़ाई के लिए इसकी यूनिवर्सिटी को 2019 में मान्यता मिली। एमबीबीएस के पहले बैच के लिए दाखिला 2019 में हुआ था। 2024 में इसके कॉलेज से पढ़कर डॉक्टरों का पहला बैच निकला था। अल फलाह यूनिवर्सिटी में 650 बेड का अस्पताल भी है। इसके साथ ही इसके अन्य कॉलेज भी हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, महू रुपेश द्विवेदी जवाद और उसके परिवार के पुराने रिकॉर्ड की जांच की जा रही है। उनका परिवार 25 साल पहले यहां रहता था। जवाद के पिता मोहम्मद हम्माद सिद्दीकी शहर काजी थे। उसका चार मंजिला मकान अब खाली है और मुख्य गेट पर ताला लगा हुआ है। मकान में 25 से ज्यादा खिड़कियां और तलघर भी है। 90 के दशक में बने इस मकान को स्थानीय लोग मौलाना की बिल्डिंग के नाम से जानते हैं। मकान जवाद के पिता हम्माद के नाम पर हैं, उनकी 1995 में मौत हो चुकी है।

ड्राइवर-कंडक्टर की ब्रीथ एनालाइजर से जांच

इंदौर। नागरिकों की सुरक्षा और सुचारू यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर बुधवार शाम शहर में अंतर्राज्यीय बसों की आकस्मिक चेकिंग अभियान चलाया गया। चारों जोनों के डीसीपी और एसीपी टीमों ने सरवटे, गंगवाल बस स्टैंड, मूसाखेड़ी, रेडिसन चौराहा और आज़ाद नगर क्षेत्रों में एक साथ सघन जांच की। अभियान के दौरान बसों के ड्राइवर और कंडक्टर की ब्रीथ एनालाइजर से जांच की गई ताकि शराब सेवन कर वाहन चलाने जैसी घटनाओं पर रोक लगाई जा सके। पुलिस ने बसों में सवार यात्रियों, क्लीनर और संदिग्ध व्यक्तियों की भी तलाशी ली। अधिकारियों ने यात्रियों को यात्रा के दौरान सतर्क रहने और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचना देने की अपील की। यह अभियान नागरिकों में सुरक्षा की भावना को मजबूत करने और शहर की यातायात व्यवस्था को और अधिक सुरक्षित व व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से चलाया गया।

रणजीत हनुमान मंदिर से एक्टिवा चोरी

इंदौर। शहर के प्रसिद्ध रणजीत हनुमान मंदिर परिसर से एक बार फिर वाहन चोरी की वारदात सामने आई है। मंदिर दर्शन के लिए आई एक युवती की एक्टिवा पार्किंग से चोरी हो गई। बताया गया कि युवती मंगलवार 11 नवंबर की शाम लगभग 7:25 बजे अपनी काली रंग की एक्टिवा (एमपी09 यूआर3549) लॉक कर मंदिर दर्शन के लिए गई थी। करीब दस मिनट बाद जब वह वापस लौटी, तो उसकी एक्टिवा गायब मिली। उसने आसपास तलाश की, लेकिन वाहन का कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद युवती अपने चाचा राजेश राठौर के साथ थाने पहुंची और एक्टिवा चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पीड़िता के अनुसार, चोरी हुई एक्टिवा उसके दादा बाबूलाल राठौर के नाम पर आरटीओ में पंजीकृत है। मंदिर क्षेत्र में पहले भी कई बार दोपहिया वाहनों की चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं, जिससे श्रद्धालुओं में असुरक्षा की भावना है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। साथ ही, मंदिर प्रबंधन को पार्किंग क्षेत्र में निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं।

गोलीकांड में नाम आने पर एएसआई बर्खास्त

इंदौर। शिवपुरी जिले के सुभाषपुरा थाना क्षेत्र में 24 जुलाई 2025 को हुए गोलीकांड में नाम आने के बाद फरार चल रहे इंदौर पुलिस के सहायक उपनिरीक्षक (अ) भानू प्रताप सिंह तोमर को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। भानू प्रताप सिंह डीसीपी मुख्यालय कार्यालय में पदस्थ थे, लेकिन घटना के बाद से ही वह ड्यूटी से गैरहाजिर चल रहे थे। शिवपुरी पुलिस ने उनकी गिरफ्तारी पर 10 हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया था। पुलिस आयुक्त ने उनके खिलाफ विभागीय जांच कराई थी, जिसमें उनकी अनुशासनहीनता, षड्यंत्रकारी प्रवृत्ति और कदाचरण प्रमाणित पाया गया। जांच रिपोर्ट के आधार पर डीसीपी मुख्यालय प्रकाश परिहार ने आदेश जारी करते हुए भानू प्रताप को पुलिस सेवा से पृथक कर दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि विभाग में अनुशासन और ईमानदारी सर्वोपरि है और किसी भी अधिकारी-कर्मचारी द्वारा नियमों का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मंगेतर से परेशान युवती ने जान दी

इंदौर। मंगेतर की प्रताड़ना से तंग आकर 23 वर्षीय युवती ने जहर खाकर जान दे दी। उसकी शादी अगले साल होने वाली थी। परिजन शादी को लेकर तैयारियां कर रहे थे। पुलिस ने अब आरोपी मंगेतर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। गत 28 अक्टूबर को नई बस्ती बिचौली मदार्ना निवासी श्वेता पिता राजेंद्र प्रजापत ने आत्महत्या की थी। कनाड़िया पुलिस को जांच में पता चला कि श्वेता का मंगेतर शुभम पिता गोविंद कुंभकार निवासी त्रिलोक नगर देवास लगातार उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा था। प्रताड़ना के मुख्य कारणों में शादी में लेनदेन की बात और युवती की नाइट ड्यूटी को लेकर शक करना शामिल था। बताया गया है कि मंगेतर लगातार श्वेता को इन बातों को लेकर डराता-धमकाता था और मानसिक रूप से परेशान करता था। मंगेतर की इस लगातार मानसिक प्रताड़ना से तंग आकर श्वेता ने उक्त कदम उठाया था। पुलिस ने जांच के बाद देवास निवासी मंगेतर पर केस दर्ज कर लिया है।

गौशाला में नाबालिग से दुष्कर्म, गर्भपात कराया

इंदौर। धार रोड स्थित गौशाला में काम करने वाले परिवार की नाबालिग बेटी के साथ वहां के मालिक ने दुष्कर्म किया। इसके बाद आरोपी ने नाबालिग का गर्भपात भी करा दिया। पुलिस के अनुसार, केशव नगर स्थित गौशाला में आरोपी द्वारा नाबालिग को नशीली दवाइयां दी जाती थी। इसके बाद उसके साथ खोटा काम करता था। नाबालिग और उसका परिवार दो साल से गौशाला में काम कर रहा है। परिवार ने बताया कि मंगलवार को जब लड़की के माता-पिता काम पर गए थे, तब आरोपी गौशाला पहुंचा। उसने नाबालिग को जबरदस्ती खाली जगह पर ले जाने की कोशिश की। जब उसने मना किया तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट की। यह सब लड़की के छोटे भाई ने देखा और तुरंत अपने माता-पिता को जानकारी दी। जानकारी के मुताबिक, आरोपी पर पहले से ही जमीन विवाद समेत आधा दर्जन आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह पहले भी जेल जा चुका है। फिलहाल पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है।

फाइनेंस मैनेजर समेत कई घरों में लाखों की चोरी, ताला तोड़कर घुसे

इंदौर। शहर में चोरों के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि उन्होंने एक ही रात में कई घरों को निशाना बना डाला। लसूड़िया इलाके के ओमेक्स सिटी में फाइनेंस मैनेजर राहुल के घर लाखों की चोरी की घटना सामने आई है। चोरों ने मकान का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश कर 10 लाख रुपए से अधिक के गहने उड़ा ले गए। पूरी वारदात घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। इसी तरह आलोक नगर निवासी दिव्यांशु उपाध्याय, जो निजी कंपनी में कार्यरत हैं, के घर भी चोरी की वारदात हुई। दिव्यांशु परिवार सहित 7 नवंबर को रिश्तेदार के यहां गुजरात गए थे। लौटने पर उन्होंने देखा कि घर के ताले टूटे पड़े हैं और 5 लाख रुपए के जेवरात-नगदी गायब हैं। इसके अलावा पार्श्वनाथ कॉलोनी निवासी अभिषेक सोनी के घर भी चोरी की घटना हुई है। पुलिस के अनुसार, चोरी गए माल की कीमत का अभी अनुमान लगाया जा रहा है। एक अन्य वारदात एरोड्रम थाना क्षेत्र में दर्ज की गई है। रामचंद्र नगर निवासी राजेंद्र रघुवंशी ने बताया कि उनके घर का ताला तोड़कर चोरों ने 48 हजार रुपए नकद और करीब 3 लाख रुपए के आभूषण चुरा लिए। लगातार हो रही इन चोरी की घटनाओं से शहरवासियों में दहशत का माहौल है। पुलिस का कहना है कि सभी मामलों की जांच जारी है और जल्द ही आरोपियों को पकड़ा जाएगा।

27 लाख के सोने की ठगी, पुलिस ने यूपी व छत्तीसगढ़ से दो ठग पकड़े

इंदौर। द्वारकापुरी पुलिस ने 27 लाख रुपए के सोने की ठगी का खुलासा किया। इस आरोप में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ के रहने वाले हैं, जिन्होंने किराए की दुकान लेकर व्यापारी से 325 ग्राम सोना हड़प लिया। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर सोना बरामद कर लिया है, जिसमें से कुछ हिस्सा गलाया जा चुका था। आरोपी कई राज्यों में इस तरह की ठगी की वारदातें कर चुके हैं। एडिशनल डीसीपी दिशेष अग्रवाल के निर्देशन में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने शशांक पुत्र संतोष कुमार सोनी निवासी सुभाष नगर, महोबा (उत्तर प्रदेश) और राहुल पुत्र छोटे लाल सोनी (छत्तीसगढ़) को गिरफ्तार किया है। शशांक को उसके घर से और राहुल को छतरपुर से पकड़ा गया। उनके कब्जे से करीब 325 ग्राम सोना जब्त किया गया है।

ज्वेलर की नकली दुकान खोलकर 325 ग्राम सोना ठग लिया

ऐसे रची साजिश

पुलिस के अनुसार, पीड़ित रमेश कुमार ओढव, अहमदाबाद स्थित जिनेश्वर ज्वेलर्स में सेल्स मैनेजर हैं। उन्होंने बताया कि आरोपी शशांक और राहुल 2 अक्टूबर को दुकान पर आए थे और सोने की ज्वेलरी का ऑर्डर दिया था। उन्होंने 50 हजार रुपए एडवांस भी ऑनलाइन ट्रांसफर किए, जिससे विश्वास बन गया। बाद में शशांक ने कहा कि सोने की डिलीवरी इंदौर के द्वारकापुरी में करनी होगी। उसने 7 नवंबर को रमेश कुमार को इंदौर बुलाया। शशांक ने एक दुकान का एड्रेस दिया जहां रमेश और उसका ड्राइवर पहुंचे। दुकान बंद थी, लेकिन कॉल करने पर शशांक वहां पहुंचा और दोनों को अंदर बुलाया। उसने कहा कि आरटीजीएस से पेमेंट करेगा और थोड़ी देर में लौटने की बात कहकर मोबाइल पर बात करते हुए बाहर चला गया। कुछ देर बाद रमेश और ड्राइवर दुकान लौटे तो ताला लगा था। शशांक का मोबाइल बंद मिला। आसपास के लोगों से पूछताछ में पता चला कि वह दुकान केवल 3-4 दिन पहले ही खोली गई थी। इसके बाद रमेश ने अपने मालिक को घटना बताई और द्वारकापुरी थाने में शिकायत दर्ज कराई।

मोबाइल से मिला सुराग

पुलिस ने आरोपियों के मोबाइल नंबरों के आधार पर टेक्निकल सर्विलांस शुरू किया। लोकेशन ट्रैक करने पर टीम महोबा (उत्तर प्रदेश) पहुंची। वहां शशांक के घर छापा मारकर उसे गिरफ्तार किया गया। उसने बताया कि सोने का कुछ हिस्सा उसने पिघला दिया है और बाकी सोना राहुल के पास छिपाया गया है। इसके बाद पुलिस ने राहुल को छतरपुर से पकड़ा और शेष सोना बरामद किया।

गिरोह कई राज्यों में सक्रिय

एडिशनल डीसीपी दिशेष अग्रवाल ने बताया कि शशांक और राहुल पेशेवर ठग हैं, जो विभिन्न राज्यों में इस तरह के अपराध करते हैं। वे किसी शहर में किराए से दुकान लेकर सोने का ऑर्डर बुक करते हैं, डिलीवरी के समय माल लेकर फरार हो जाते हैं और बाद में सोने को गलाकर बेच देते हैं। दोनों आरोपियों ने पूछताछ में कबूल किया है कि वे सांसी गैंग की तर्ज पर ठगी का नेटवर्क चलाते हैं और कई राज्यों में सक्रिय हैं।

सिविल जज परीक्षा के नतीजे घोषित, इंदौर की भामिनी राठी ने टॉप किया

हरप्रीत कौर परिहार सेकेंड टॉपर, रिया मानधन्या थर्ड टॉपर

इंदौर। बुधवार 12नवंबर को मध्य प्रदेश सिविल जज परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिए गए। इंदौर की भामिनी राठी ने टॉप किया है। दूसरे स्थान पर हरप्रीत कौर परिहार, तीसरे स्थान पर रिया मानधान्या और चौथे स्थान पर अर्पित गुप्ता ने अपनी जगह बनाई। टॉप 5 में 3 लड़कियों ने जगह बनाई, वहीं अनारक्षित कैटेगरी में 5 वें स्थान पर देवेश पांडेय रहे। हाई कोर्ट के परीक्षा विभाग ने बुधवार को सिविल जज, जूनियर डिवीजन, एंट्री लेवल एग्जाम 2022 का अंतिम परिणाम घोषित कर दिया है। सिविल जज परीक्षा में इस बार 60 पद थे। वहीं, पूर्व के कैरी फॉरवर्ड पदों को मिलाकर इनकी संख्या 191 रही। जबलपुर हाईकोर्ट की रजिस्टर एग्जाम संगीता यादव के मुताबिक, सिविल जज की जूनियर डिवीजन परीक्षा की अलग-अलग श्रेणी के हिसाब से पद आरक्षित थे, जिन पर चयन किया गया है। परीक्षा 2022 के तहत अनारक्षित, अन्य पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए पदों की भर्ती की गई थी। इसमें अनारक्षित वर्ग से 32, ओबीसी वर्ग से 14 और एससी वर्ग से एक अभ्यर्थी का चयन हुआ है। भामिनी इंदौर के क्रीस कॉलेज की छात्रा है। हाई कोर्ट जबलपुर द्वारा घोषित 2022 की परीक्षा परिणाम के अनुसार भामिनी को 450 अंक में से 291.83 अंक प्राप्त हुए हैं, जो इस परीक्षा में भाग लेने वाले सभी छात्रों में सर्वाधिक है। इधर, भामिनी की इस सफलता से उनके परिजन उत्साहित हैं। भामिनी के परिजन ने उनकी सफलता को जमकर सेलिब्रेट किया। इसके साथ ही 281.83 अंक के साथ हरप्रीत कौर दूसरे और 281.50 अंक के साथ रिया मानधान्या तीसरे स्थान पर रहीं।

लोकायुक्त ने नगर पालिका उपयंत्री पर रिश्वत मांगने का केस दर्ज किया

नेपानगर नगर पालिका के ठेकेदार से 12 हजार कमीशन मांगा

इंदौर। लोकायुक्त पुलिस इंदौर ने नगर पालिका परिषद नेपानगर के उपयंत्री प्रकाश बड़वाहे के खिलाफ रिश्वतखोरी का मामला दर्ज किया है। उपयंत्री पर ठेकेदार से 12 हजार रुपए कमीशन के रूप में रिश्वत मांगने का गंभीर आरोप है। जानकारी के अनुसार, विकास कापडे निवासी नेपानगर अपने साथी ठेकेदार विजय निम्बोले के साथ नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक-4 संडे मार्केट में सार्वजनिक शौचालय निर्माण का कार्य कर रहे थे। यह कार्य वर्ष 2023 में लगभग रू. 4.50 लाख की लागत से पूरा किया गया था। ठेकेदार को रू. 3 लाख का भुगतान हो चुका था, लेकिन शेष राशि का भुगतान उपयंत्री प्रकाश बड़वाहे द्वारा 4 प्रतिशत कमीशन (करीब 12,000) देने की शर्त पर रोका गया। रिश्वत की इस मांग से परेशान होकर विकास कापडे ने अपने साथी की सहमति से लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक राजेश सहाय इंदौर को शिकायत दी। जांच में आरोप सत्य पाए गए। इसके बाद लोकायुक्त टीम ने आरोपी उपयंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण (संशोधित) अधिनियम 2018 की धारा 7 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना प्रारंभ कर दी है। लोकायुक्त पुलिस ने कहा कि भ्रष्टाचार के ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी ताकि सरकारी तंत्र में पारदर्शिता बनी रहे।

दो करोड़ रू से अधिक की अवैध शराब को नष्ट करने की कार्रवाई

7942 प्रकरणों में आबकारी विभाग ने शराब जब्त की

इंदौर। आबकारी विभाग ने दो करोड़ से अधिक की अवैध शराब और अन्य सामग्री को नष्ट किया। यह शराब 7942 प्रकरणों पर कार्रवाई के दौरान जब्त की थी। नावदापंथ क्षेत्र में अवैध मदिरा के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया, देशी मदिरा परिवहन करते हुए आरोपी जितेन्द्र पिता केशरसिंह ठाकुर निवासी रंगवासा को पकड़ा। सहायक आयुक्त अभिषेक तिवारी ने बताया कि अवैध शराब और मादक पदार्थ की खरीद फरोख्त रोकने लगातार कार्रवाई की जाती है। इसके अंतर्गत जनवरी 2024 से 31 दिसम्बर 2024 तक जिले के 15 वृतों में सघन अभियान चलाया था। अभियान के दौरान 7553.74 बल्क लीटर देशी शराब, 1403.16 बल्क लीटर विदेशी स्प्रीट, 2298.4 बल्क लीटर विदेशी माल्ट, 29420 लीटर हाथ भट्टी, 450 किलोग्राम भांग, महुआ लहान के सेम्पल मेसर्स माउंट एवरेस्ट ब्रोवरीज लिमिटेड मेमदी ग्राम सिमरोल में नष्ट किए गए। नष्ट की गई सामग्री की कुल कीमत 2 करोड़ 20 लाख 93 हजार 574 रुपए है।

अवैध शराब के साथ गिरफ्तार

कंट्रोलर देवेश चतुर्वेदी और डिप्टी कंट्रोलर मनोज अग्रवाल के मार्गदर्शन में नावदापंथ क्षेत्र में अवैध मदिरा के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया।

इस दौरान ग्राम सवलियाखेड़ी में गश्त के समय दोपहिया वाहन क्रमांक एमपी-09-क्यूसी-4539 से देशी मदिरा परिवहन करते हुए आरोपी जितेन्द्र पिता केशरसिंह ठाकुर निवासी रंगवासा को पकड़ा गया। वाहन से कुल 45 पाव देशी मदिरा जब्त की गई। आरोपी पर धारा 34(1)(क) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ कर दी गई है। जब्त मदिरा एवं वाहन की अनुमानित 49,500 रुपए आंकी गई है।

किराएदारों और कर्मचारियों की जानकारी नहीं दी, 14 पर केस

शहर में सुरक्षा बढ़ी, संदिग्धों की निगरानी के लिए अभियान

इंदौर। दिल्ली में हुए बम धमाके के बाद इंदौर में भी सुरक्षा बढ़ा दी गई। तीन दिन से शहर में ड्रोन सहित अन्य माध्यमों से निगरानी रखी जा रही है। बुधवार को होटल, धर्मशाला, लाज, होस्टल आदि में संदिग्धों की निगरानी के लिए विशेष चेंकिंग अभियान चलाया गया। किराएदार, कर्मचारियों की जानकारी पुलिस को नहीं देने पर 14 के खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस कमिश्नर के आदेश के बाद भी होटल, लॉज, धर्मशालाओं में ठहरने वाले, किराए से रहने वाले लोगों की जानकारी संबंधित नहीं दे रहे हैं। मामले में जांच के बाद पुलिस ने 14 होटल और धर्मशाला संचालकों पर केस दर्ज किया है।

मल्हारगंज पुलिस के अनुसार, मकान मालिक गुलरेज खान, असीत समंता, थाना गांधीनगर ने मकान मालिक द्रोपदी बाई देलवार, थाना एमजी रोड ने मकान मालिक भारत चौरसिया और जगदीश जोशी, थाना बाणगंगा ने मकान मालिक ओमप्रकाश वर्मा, थाना चदंन नगर ने मकान मालिक मोहम्मद शाबीर, जबकि थाना एरोड्रम ने व्यवसाय मालिक रामभरोसे धनगर, थाना रावजी बाजार ने व्यवसाय मालिक आवेश अंसारी,थाना भंवरकुआं ने व्यवसाय मालिक गोरेश उधमदासनी, विवेक पाहूजा, थाना राजेंद्र नगर ने होटल संचालक योगेश मालवीय, शुभम मिश्रा, थाना गांधीनगर ने होटल संचालक राहुल योगी के खिलाफ धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। थाना राजेंद्र नगर में होटल संचालक योगेश मालवीय और शुभम मिश्रा, थाना गांधीनगर में राहुल योगी के खिलाफ कार्रवाई की।

एबीसी सेंटर पर विवाद, मॉनिटरिंग कमेटी सदस्य को नहीं दी गई एंट्री

इंदौर। बुधवार को नगर निगम द्वारा शहर की सड़कों से श्वानों को पकड़कर सीधे एबीसी (एनिमल बर्थ कंट्रोल) सेंटर में भरने की जानकारी सामने आई। जब मॉनिटरिंग कमेटी की टीम स्थिति जानने पहुंची, तो उन्हें अंदर जाने की अनुमति नहीं दी गई। कमेटी सदस्य प्रियांशु जैन ने बताया कि वे इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी के लिए अधिकृत हैं, बावजूद इसके उन्हें सेंटर में प्रवेश से रोका गया। उनके अनुसार, साइट पर न तो कोई शेल्टर व्यवस्था थी और न ही पुनर्वास की सुविधा। केवल पकड़े गए कुत्तों को भरकर रखा जा रहा है, जो एबीसी रूल्स 2023 और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन है। उन्होंने चार प्रमुख मांगें रखीं मामले की स्वतंत्र जांच, कमेटी और एनजीओ प्रतिनिधियों को निरीक्षण की अनुमति, पकड़े गए कुत्तों का रिकॉर्ड व मेडिकल रिपोर्ट सार्वजनिक करना, और बिना शेल्टर सुविधा के कुत्तों को सेंटर में न रखना।

संपादकीय

सफेदपोश आतंक ज्यादा घातक

देश की राजधानी दिल्ली में लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए आतंकी हमले की पर्तें जैसे खुलती जा रही हैं, उसमें आतंक का जो नया सफेदपोश चेहरा उभर कर आ रहा है, वह बहुत ज्यादा चौंकाने वाला, अत्यंत गंभीर और घातक है। इसे 'व्हाइट कॉलर टेरर' नाम दिया गया है। इस साजिश के उजागर होने के पहले तक यह यकीन करना भी मुश्किल था कि लोगों की जान बचाने वाले डॉक्टर इस तरह लोगों की जान लेने के घृणित खेल में इस कदर शामिल हो सकते हैं। इसका सीधा मतलब यह है कि आतंकी संगठनों ने अब पढ़े लिखे मुस्लिम युवाओं के बीच भी अपनी गहरी पैठ बना ली है और अपने हिंसक इरादों को उनके माध्यम से अंजाम देने की साजिश की जा रही है। शुरू में दिल्ली में लाल किले के पास एक कार में विस्फोट को लेकर संदेह था कि यह हादसा भी हो सकता है, लेकिन जल्द ही साफ हो गया कि यह एक फिदायीन हमला था और इस तरह की घटनाएं पूरे देश में अंजाम देने का व्यापक षड्यंत्र था। भारत सरकार ने भी इसे आतंकी हमला करार देते हुए मामले की जांच एनआईए को सौंप दी है। हैरानी की बात यही है कि चिकित्सा जैसे पवित्र पेशे को अपनाने वाले युवा डॉक्टर इस साजिश का हिस्सा कैसे बन गए? कैसे उनका धार्मिक कट्टरता के आधार पर ब्रेन वॉश किया गया? कैसे वो अपना काम काज छोड़कर, अपने परिवार को भुलाकर इस आतंकी नेटवर्क का क्रूर हिस्सा बन गए? इस हमले में 13 निरापराध लोग मारे गए, जिनमें दो मुस्लिम भी हैं। बताया जाता है कि फरीदाबाद में पकड़े गए आतंकी नेटवर्क का दिल्ली हमले का मुख्य आरोपी डॉ.उमर अहमद कड़ी था। लेकिन उसके तीन साथियों और उनसे भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद होने के बाद वो परेशान था और उसने जल्दबाजी में दिल्ली के लालकिले के पास ही चलती गाड़ी में फिदायीन हमला कर कई लोगों की जानें ले लीं। अब जो जानकारी सामने आ रही है, उसके मुताबिक इन डॉक्टरों का मास्टर माइंड कश्मीर का मौलाना इरफान है, जिसने इन युवा डॉक्टरों का पूरी तरह ब्रेन वॉश कर उन्हें कट्टर जेहादी बना दिया। आतंक के इस जाल की एक और अहम कड़ी कश्मीर का ही एक डॉक्टर निसार भी है, जो वहां मेडिकल एसोसिएशन का अध्यक्ष भी है। डॉ.निसार को जम्मू कश्मीर सरकार ने नौकरी से बर्खास्त कर दिया था। अब तक जो जानकारी सामने आई है, उसके मुताबिक भारत में इन आतंकी हमलों की तैयारी पिछले एक साल से चल रही थी और देश में 6 दिसंबर और 26 जनवरी को बड़े पैमाने पर आतंकी हमले कर अधिकाधिक लोगों की जानें लेकर उसे अंतरराष्ट्रीय सुर्खी बनाना था। इस पूरे षड्यंत्र के पीछे आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद और पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ बताया जा रहा है। इस घटना के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साफ शब्दों में कहा है कि आतंकी हमलों को अंजाम देने वालों, उनको प्रश्रय और निर्देश देने वालों को नहीं बख्शा जाएगा। ऐसे में माना जा रहा है कि भारत सेना भी ऑपरेशन सिंदूर जैसा कोई दूसरा ऑपरेशन अंजाम दे सकती है। इस पूरे घटनाक्रम का एक और चौंकाने और चिंतित करने वाला पहलू भारतीय मुस्लिम महिलाओं का आतंकी नेटवर्क से जुड़ना है। लखनऊ की डॉ.शाहीन को आतंकी मसूद अजहर की बहन ने पाकिस्तान से भारत में मुस्लिम महिला जेहादी तैयार करने का खतरनाक काम सौंपा था। इस पूरे मामले की तह तक जाना जरूरी है। साथ ही अल फलाह यूनिवर्सिटी जैसे विवि की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए। आतंक के इस नए चेहरे को सख्ती से कुचलना जरूरी है।

नजरिया

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

लेखक भारत राष्ट्रपति के ओएसडी रह चुके हैं। आप पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय में चेयर प्रोफेसर, अहिंसा आयोग व अहिंसक सभ्यता के पैरोकार हैं।

दिल्ली आतंकी घटना से सबक लेने की जरूरत

हमारे देश में इस घटना के बाद रेड अलर्ट किया गया। तमाम एजेंसीज सक्रिय हैं, ऐसा दावा किया जा रहा है। धर-पकड़, पूछताछ, खोजबीन और छापेमारी शुरू हुई लेकिन सवाल यह है कि इस घटना के पहले ये एजेंसीज कहाँ थी? क्या जो इस घटना में मारे गए, उनके जान की कीमत कुछ भी नहीं? कहा जा रहा है कि जिस लाल किले के पास यह घटना हुई, वहीं एक मस्जिद है उसके सामने ही कार घंटों पार्क रही। जब पार्किंग से उसे कहीं ओर ले जाया जा रहा था, वहीं इसमें लिक्विड विस्फोटक में विस्फोट हुआ और इस कार के साथ अन्य कार भी जल गई। अफरातफरी मच गई और वहां पहले से खड़े युट्यूबर व सामान्य स्ट्रिंगर अपने कैमरे में जो कुछ शूट कर रहे थे, वे हिल गए। जिन्हें जान गंवानी पड़ी वे इतने बुरी अवस्था में मिले कि उनकी शिनाख्त भी कर पाना मुश्किल हो गया अगर एकाध लोगों की बात न की जाए तो सभी मृत लोगों को पहचान करना कठिन हो गया।

भारत की राजधानी दिल्ली में आतंकवादी घटना ने भारतीय सुरक्षा पर प्रश्नचिन्ह खड़ा कर दिया है। लाल किले के पास जिस कार में धमाका हुआ वह एक सामान्य घटना नहीं है। देश की राजधानी में जहाँ खुफिया तंत्र की सघनता है, वहाँ पर ऐसी वारदात को अंजाम देना आसान बात नहीं है। किंतु आतंकवादियों ने शाम के समय में जब लाल किले के पास सच में बहुत भीड़ होती है, उस समय इतना बड़ा दुस्साहस किया। इसे दुस्साहस नहीं समझा जाना चाहिए बल्कि सच तो यह है कि सरकार को ललकारा। सरकार इसे जो भी समझे। मीडिया इसे चाहे जिस प्रकार प्रस्तुत करे।

हमारे देश में इस घटना के बाद रेड अलर्ट किया गया। तमाम एजेंसीज सक्रिय हैं, ऐसा दावा किया जा रहा है। धर-पकड़, पूछताछ, खोजबीन और छापेमारी शुरू हुई लेकिन सवाल यह है कि इस घटना के पहले ये एजेंसीज कहाँ थी? क्या जो इस घटना में मारे गए, उनके जान की कीमत कुछ भी नहीं? कहा जा रहा है कि जिस लाल किले के पास यह घटना हुई, वहीं एक मस्जिद है उसके सामने ही कार घंटों पार्क रही। जब पार्किंग से उसे कहीं और ले जाया जा रहा था, वहीं इसमें लिक्विड विस्फोटक में विस्फोट हुआ और इस कार के साथ अन्य कार भी जल गई। अफरातफरी मच गई और वहां पहले से खड़े युट्यूबर व सामान्य स्ट्रिंगर अपने कैमरे में जो कुछ शूट कर रहे थे, वे हिल गए। जिन्हें जान गंवानी पड़ी वे इतने बुरी अवस्था में मिले कि उनकी शिनाख्त भी कर पाना मुश्किल हो गया अगर एकाध लोगों की बात न की जाए तो सभी मृत लोगों को पहचान करना कठिन हो गया।

सबसे अहम बात यह है कि यह दिल्ली है। दिल्ली के इस भीड़भाड़ वाली जगह पर आते हैं वे सामान्य लोग है और वे मेहनत करके अपने परिजनों के जीवन चलाने के लिए रेड़ी लगाते हैं। कुछ बेचकर उससे इकट्ठा धन से अपने भविष्य के लिए जीने की चाह रखते हैं। यदि उनको ऐसी घटनाओं का सामना दिल्ली में करना पड़ा तो निःसंदेह यह बहुत बड़ी बात है। किसी भी देश में नागरिक अपनी सरकार की वजह से सुरक्षित महसूस करते हैं और यदि उनकी सुरक्षा ही खतरे में आ जाए तो फिर वे बहुत निराश होते हैं। देश में इस घटना के बाद आम जनता का विश्वास टूटा है। उन्हें भय यह सताने लगा है कि यदि दिल्ली ही सुरक्षित नहीं है तो फिर कोई भी सुरक्षित नहीं है।

उस दिन मैं दिल्ली में ही था जब यह घटना घटी। मेरा बेटा मेरे पास पहुँच चुका था, जहाँ मैं ठहरा हुआ था। टीवी पर जब यह न्यूज आने लगी कि दिल्ली में लाल क़िले के पास आतंकवादी गतिविधियां हुई हैं, तो मेरे बेटे ने कहा कि मैं कुछ समय पहले इस स्थान से 200 मीटर पर था। मुझे यह राहत थी कि वह मेरे पास आ चुका था और मेरे साथ चाय पी रहा था लेकिन जो लोग इस घटना में मारे गए और जो घायल हुए या पैनिक हुए, वे किस न किसी के बेटे होंगे या किसी न किसी रिश्ते में होंगे, उनके दिलों से पूछा जाए तो उनके दहशत का अंदाज़ा लगा पाना भी किसी के वश की बात नहीं होगी।

एक बार फिर से भारत में लाल किले में हुए आतंकवादी कार्रवाई के लिए जो लोग पकड़े जा रहे हैं वे यह सब क्यों कर रहे हैं, पता नहीं लेकिन वे जो कुछ कह रहे हैं वह हमारे देश के लिए और हमारी संप्रभुता के लिए बहुत बड़ा गुनाह है। वे देश के लिए ख़तरा हैं। वे देश के ही लोगों को मार देने और सरकार को अस्थिर कर देने की कोशिश कर रहे हैं जिस देश में वह रहते हैं और खाते-पीते हैं, खुली हवा में जिस देश में साँसे लेते हैं। मोहम्मद शाहीन, मोहम्मद मुजम्मिल और मोहम्मद उम्र ये सब पेशे से डॉक्टर हैं और उन्हें खुदा ने इतना सब गुण या तालीम के साथ बख्सा है कि वे दूसरों की जान की रक्षा कर सकें। लेकिन नहीं ये लोग तो भारतीय जन की जान लेने पर लगे हुए हैं। कल जब मैं अपने असिस्टेंट प्रोफ़ेसर के साथ दिल्ली से विशाखापत्तनम रवाना हो रहा था तो जिस कैब से मैं अपने डेस्टिनेशन पर जा रहा था उस कैब का चालक मुस्लिम था। उसने कहा कि वैसे भी मुसलमान बदनाम थे और ये लोग मुसलामानों को और बदनाम करने पर उतारू हैं। यानि इसका अर्थ यह है कि आम मुसलमान जो कि मेहनतकश है वह तो इस प्रकार का दंगा या आतंकवादी कार्रवाई नहीं चाहता। वह अपने दीन व ईमान से कमाकर गुजर-बसर करना चाहता है। यह जो फिदायीन हरकतों के लिए आगे आए हैं, वे डॉक्टर हैं, वे वकील हैं या यूनिवर्सिटी में हैं। रेडीकलाइजेशन का यह नशा भारत के लिए ठीक नहीं है। यह हमारे देश में रेडिकल होने का नशा भी देश के लिए ख़तरा बनता जा रहा है।

एक नाम इस घटना में मुस्लिम महिला का आया वह और चौंका देने वाला है। वह भी डॉक्टर है मोहम्मद शाहीन। इन मोहतरमा ने देश में मुस्लिम महिला आतंकवादी संगठन खड़ा करने की जिम्मेदारी ली। यह एक नया बावला है भैया। इसके पहले जैसा मैं सुना था कि जम्मू व कश्मीर की महिलाएं जिनके घर के युवा फिरकापरस्ती ताकतों के साथ मिलकर ऐसे करतूतें करती थीं तो उनकी माएं व बहने उन्हें रोकती थीं। अपने ही बच्चे व पति प्रतिरोध करती वे महिलाएं उनकी हिंसा की शिकार भी हो जाया करती थीं। ये जो शाहीन हैं वह खुद ऐसी महिला विंग बना रही हैं तो सोचने वाली बात है कि देश में क्या हो रहा है और क्या होने वाला है? यदि हमारे देश की करुणा की प्रतिमूर्ति बोली जाने वाली महिलाएं ही अपनी एक आतंकवादी विंग बनायेंगी तो देश कभी भी उबार सकता ही नहीं। अब ये मुस्लिम महिलाओं को क्या हो गया है, यह बात समझ से परे है।

भारत के लिए और भारतीय संस्कृति के लिए जीने वाली महिलाओं को अपने ऐसे कृत्य पर लगाम लगाना चाहिए। सबसे बड़ी बात यह है कि देश की सुरक्षा व्यवस्थाएं इतनी हाथी नींद में सो रही हैं कि उन्हें यह पता ही नहीं है कि देश में क्या हो रहा है और कहाँ बज्रपात होने वाला है। सरकार को ऐसी हाथी नींद सोने वाली सुरक्षा व खूफिया एजेंसीज को एक बार नए तरीके से समझने की आवश्यकता है क्योंकि लाल किला की घटना में कोई ज्यादा लोग नहीं मरे। लेकिन आने वाले समय में क्या पता कि देश में ऐसी फिदयानिं ताकतें किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में हों और देश में बहुत ज्यादा समस्याओं का सामना करना पड़ जाए। ऐसे में सरकार का अब बड़ा दायित्व है कि वे देश हित में जितने कारगर ढंग से निर्णय लिए जा सकें लेना चाहिए और देश के नागरिकों को विश्वास दिलाना चाहिए कि पूरा देश सुरक्षित है। लेकिन यह सब तभी होगा जब दो स्तर पर काम तेज होगा पहला देश की सुरक्षा व खुफ़िया तंत्र चुस्त-दुरुस्त हो दूसरा जो इस दिशा में गलत कदम उठा रहे हैं उन्हें बैठाकर बातें करे सरकार कि आखिर वे किस मनोदशा में आकर देश में इतनी बड़ी आतंकी घटना को अंजाम दे रहे हैं और विदेशों में बैठे भारत विरोधी ताकतों को अपने लक्ष्य हासिल करने में मदद कर रहे हैं और फिर उनकी बातचीत से जो बातें सामने आए उस पर नियंत्रण कैसे लग सकता है इस पर सरकार सक्रिय हो। इस आतंकी घटना से सबक लेने की आवश्यकता है इसे पहले समझ लेगी सरकार तो आगे निश्चय ही देश सुरक्षित रूप से तरक्की कर सकेगा और दुश्मन हमारे देश का कुछ भी बिगाड़ नहीं सकेंगे।

विश्व जल विकास रिपोर्ट 2025

कुमार सिद्धार्थ

लेखक स्तंभकार हैं।

पहाड़ों के भविष्य पर टिका है जलस्रोतों का भविष्य

जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और अस्थिर मानव हस्तक्षेप ने पर्वतीय जलस्रोतों के अस्तित्व को डगमगा दिया है। संयुक्त राष्ट्र की विश्व जल विकास रिपोर्ट 2025 गहरी चिंता जताती है कि धरती के वे पर्वत, जिन्हें अब तक केवल प्राकृतिक सौंदर्य के प्रतीक के रूप में देखा जाता था, वास्तव में हमारे जीवन के सबसे बड़े जल भंडार हैं, और अब वे पिघल रहे हैं। रिपोर्ट का पहला वाक्य ही चेतावनी बनकर उभरता है - पर्वतीय जलस्रोत, जो दुनिया के ताजे पानी का 60 फीसदी तक उपलब्ध कराते हैं, हमारी आंखों के सामने पिघल रहे हैं। यह केवल एक वैज्ञानिक कथन नहीं, बल्कि उन करोड़ों लोगों के भविष्य का सवाल है, जिनकी आजीविका और अस्तित्व इसी जल पर निर्भर है।

संयुक्त राष्ट्र की यह रिपोर्ट हमें उस सच से रूबरू कराती है, जो अक्सर नजरों से ओझल रहता है। विश्व की जल सुरक्षा, पारिस्थितिकी और खाद्य आपूर्ति का बड़ा हिस्सा उन ऊँचे इलाकों पर निर्भर है, जिन्हें हम आमतौर पर हिमालय या आल्प्स जैसे नामों से जानते हैं। इन्हीं को वैज्ञानिक अब 'वाटर टावर्स' कहते हैं, ऐसे जलस्तंभ जो पृथ्वी को जीवन देते हैं। यह कोई रूपक नहीं, बल्कि ठोस वैज्ञानिक सच्चाई है। ऊँचाई पर जमा बर्फ और ग्लेशियर केवल पहाड़ों की शोभा नहीं, बल्कि नदियों, झरनों और भूजल के रूप में जीवन की धारा बहाने वाले स्रोत हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2000 से 2021 के बीच विश्व में ताजे पानी की खपत में 14 फीसदी की वृद्धि हुई है। कृषि क्षेत्र सबसे बड़ा उपभोक्ता बना हुआ है, जो कुल खपत का लगभग 72 फीसदी पानी इस्तेमाल करता है। उद्योगों की हिस्सेदारी 15 फीसदी और घरेलू उपयोग की 13 फीसदी है। विकसित देशों में औद्योगिक खपत अपेक्षाकृत अधिक है, जबकि गरीब देशों में 90 फीसदी तक पानी खेती के काम आता है। इस बढ़ती मांग के बीच असली चिंता यह है कि आपूर्ति के स्रोत सिकुड़ रहे हैं। आल्प्स, एंडीज, किलिमंजारो से लेकर हिमालय तक, लगभग हर प्रमुख पर्वतीय क्षेत्र के ग्लेशियर तेज़ी से पीछे हट रहे हैं।

एंडीज में 1980 के दशक से अब तक 30 से 50 फीसदी तक हिमनद घट चुके हैं। अफ्रीका के माउंट केन्या, रुवेनज़ोरी और किलिमंजारो पर 2040 तक बर्फ पूरी तरह समाप्त हो जाने की आशंका जताई गई है। हिंदूकुश-काराकोरम-हिमालय, जिसे 'थर्ड पोल' कहा जाता है, में सदी के अंत तक बर्फ की मात्रा आधी रह जाने की संभावना है। यही वह क्षेत्र है जिससे दक्षिण एशिया की गंगा, ब्रह्मपुत्र, सिंधु और सतलुज जैसी महान नदियां जन्म लेती हैं, और जो लगभग 1.65 अरब लोगों को पानी उपलब्ध कराती हैं। इन नदियों का प्रवाह अस्थिर हुआ तो आधी से अधिक एशिया की जनसंख्या सीधे प्रभावित होगी।

भारत के संदर्भ में यह संकट और भी गंभीर है। भारतीय हिमालय में 9,500 से अधिक ग्लेशियर हैं। वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी और आईआईटी कानपुर के अध्ययन बताते हैं कि पिछले तीन दशकों में इन ग्लेशियरों का औसत पीछे हटना सालाना 15 से 20 मीटर तक रहा है। गंगोत्री ग्लेशियर, जो गंगा नदी का स्रोत है, 1935 से अब तक लगभग तीन किलोमीटर पीछे हट चुका है। रिपोर्ट चेतावनी देती है कि निकट भविष्य में नदियों का प्रवाह कुछ वर्षों के लिए तो बढ़ सकता है, लेकिन दीर्घकाल में उसमें भारी कमी आएगी। यह स्थिति सिंचाई, पीने के पानी, जलविद्युत उत्पादन और नदी आधारित पारिस्थितिकी तंत्र सभी पर गहरा असर डालेगी।

ग्लेशियरों के पिघलने के साथ एक नई चुनौती भी तेजी से बढ़ रही है, ग्लेशियर झील फटने से आने वाली अचानक बाढ़। नेपाल, सिक्किम, अरुणाचल और लद्दाख जैसे क्षेत्रों में यह चिंता गंभीर रूप ले रही है। 2023 में सिक्किम की दक्षिण लोनक झील फटने से आई बाढ़ ने कई गांवों और हाइड्रो प्रोजेक्टों को तबाह कर दिया था। रिपोर्ट सुझाव देती है कि इस तरह की आपदाओं की निगरानी, प्रारंभिक चेतावनी व्यवस्था और आपदा पूर्व तैयारी को पर्वतीय नीति का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए।

पर्वतीय जलस्रोतों में हो रहे परिवर्तनों का असर केवल पानी तक सीमित नहीं है। कृषि उत्पादन, खाद्य सुरक्षा, जलविद्युत परियोजनाएं, मत्स्य पालन, वनों का स्वास्थ्य और जैव विविधता, सब इनसे जुड़ी हैं। जब नदियों का प्रवाह असंतुलित होता है, तो कभी बहुत अधिक, कभी बहुत कम पानी की स्थिति बनती है, जिससे फसलें नष्ट होती हैं, मृदा कटाव बढ़ता है और जीविकोपार्जन पर प्रतिकूल असर पड़ता है। भारत के गंगा-ब्रह्मपुत्र बेसिन में 40 प्रतिशत से अधिक कृषि क्षेत्र है, जहां धान, गेहूं और गन्ने जैसी जल-गहन फसलें उगाई जाती हैं। ग्लेशियर पिघलाव में बदलाव से इन फसलों की उत्पादकता पर सीधा असर पड़ना तय है।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट यह भी रेखांकित करती है कि जल संकट से निपटने के लिए केवल तकनीकी समाधानों पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होगा। स्थानीय और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों को भी समान महत्व देना होगा। भारत के उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में 'खाल', 'गुल' और 'कुल्ह' जैसी पारंपरिक जलसिंचन व्यवस्थाएं सदियों से पानी के संरक्षण और संतुलन का उदाहरण रही हैं। इसी तरह उत्तर-पूर्व के अरुणाचल प्रदेश में अपाटानी जनजाति की सीढ़ीदार खेती जल उपयोग की दक्षता का एक आदर्श मॉडल है। यदि इन पारंपरिक प्रणालियों को आधुनिक विज्ञान के साथ जोड़ा जाए, तो जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकता है।

भारत ने राष्ट्रीय जल नीति, हिमालयन ग्लेशियर मॉनिटरिंग प्रोग्राम और जलवायु अनुकूलन योजनाओं में पर्वतीय जलस्रोतों के संरक्षण पर बल दिया है। लेकिन रिपोर्ट का निष्कर्ष साफ है कि ये प्रयास अभी सीमित हैं और इन्हें अधिक व्यापक, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के स्तर पर विस्तारित करने की आवश्यकता है। ब्रह्मपुत्र और सिंधु बेसिन जैसे साझा जलस्रोतों के संदर्भ में भारत, नेपाल, भूटान, चीन और बांग्लादेश को डेटा साझा करने, संयुक्त निगरानी और साझा अनुकूलन रणनीतियों पर मिलकर काम करना होगा। यह केवल पर्यावरणीय मुद्दा नहीं, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता और शांति से जुड़ा हुआ प्रश्न भी है।

रिपोर्ट इस पूरी चुनौती को सतत विकास लक्ष्य 6 से जोड़ती है, जिसका उद्देश्य है, सभी के लिए जल और स्वच्छता की गारंटी। इसके लिए नीति-निर्माताओं को पर्याप्त डेटा, विश्लेषण और मार्गदर्शन की जरूरत है ताकि जल संसाधनों के संरक्षण और न्यायसंगत वितरण के लिए ठोस कदम उठाए जा सकें। रिपोर्ट का अंतिम वाक्य जैसे एक गूंज की तरह सुनाई देता है 'जो कुछ पहाड़ों में होता है, वह यहीं नहीं रुकता; उसका असर हम सब पर पड़ता है।' भारत जैसे देश के लिए, जहां आधी से अधिक आबादी हिमालय और उसके जल पर प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से निर्भर है, यह चेतावनी भविष्य की नीति और आज के निर्णय दोनों को तय करने वाली होनी चाहिए।

हकीकत यह है कि पर्वतों और हिमनदों का संरक्षण केवल हिमालयी राज्यों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की प्राथमिकता होना चाहिए। यदि हमने समय रहते इस चेतावनी पर ध्यान नहीं दिया, तो आने वाले दशकों में नदियों का प्रवाह और जीवन का संतुलन, दोनों अस्थिर हो जाएंगे। तब शायद हमारी आने वाली पीढ़ियां न तो बर्फ से ढकी चोटियों को वैसे देख पाएंगी जैसे हम देखते हैं, और न ही उन नदियों का मीठा पानी पी पाएंगी जिनसे हमारी सभ्यता ने जन्म लिया था। यह चेतावनी अब केवल वैज्ञानिक रिपोर्टों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि नीति, समाज और जनचेतना का हिस्सा बननी चाहिए क्योंकि पहाड़ों का भविष्य ही हमारे जीवन का भविष्य है।

मर कर जिंदा हुए हीरो का बयान

वक्रोक्ति

मुकेश नेमा

लेखक मप्र के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी हैं।

अचानक पता चला मुझे कि मैं मर गया हूँ। अपने मर जाने को लेकर असमंजस था मैं,पर फिर तमाम टीवी चैनल,फेसबुक,ट्विटर सब एक राय से मेरे मर जाने की खबर चलाते हुए रोने पीटने लगे , हमारी सरल भावुक और दिमाग का कम इस्तेमाल करने जनता ने भी मान लिया कि मैं मर चुका हूँ,भीड़ को ग़लत ठहराना खतरनाक। सो मैंने भी सभी पंचों की राय सर माथे रखी। लिहाजा मेरी आगे की सारी लिखा पढ़ी यह मान कर मंजूर की जाए कि मैं मर चुका हूँ।वैसे मेरा मरने का कोई इरादा था नहीं।शाम तक अच्छा भला था मैं। रोज़ की तरह डिनर के पहले दो पैग लगाकर खुश भी था।नींद भी ठीक ठीक आई थी। पर दिक्क़त इतनी भर हुई की लगी नींद फिर खुली नहीं। मरने का इससे बेहतर तरीक़ा और क्या हो सकता है।हालाँकि ये बात भी सच है कि इस तरह फ़ौरन, अचानक मर जाने का तमन्नाई था नहीं मैं। पर जैसा कि जैसा कि पैदा होने मे मेरी रज़ामंदी ली नहीं गई थी,मरने के लिये भी मेरी सलाह नहीं ली गई। और जब अगली सुबह लोगों ने कहा कि मैं मर चुका हूँ तो आप सभी की तरह मुझे भी इस खबर पर यकीन करना पड़ा।

आपके मर जाने पर उन चार लोगों को भी इसकी खबर हो जाती है जिनसे आप कभी नहीं मिले। ऐसे लोग जो आपको थोड़ा बहुत या बिल्कुल नहीं जानते थे, आपके बारे मे ऐसी भली भली सी राय ज़ाहिर करने लगते है, जिसके बारे मे उनका अपना मन भी गवाही नहीं देता। बहुत से लोग खुश होने के बावजूद मुँह लटकाते हैं,और थोड़े बहुत वाक़ई दुखी हो जाते हैं। किसी के मर जाने पर बतौर रस्म अदायगी अफ़सोस ज़ाहिर करने का रिवाज तो है ही। पहले के जमाने मे मरने वाले के घर आकर दुखी होकर दिखाना पड़ता था लोगों को ,पर अब फ़ेसबुक और ट्विटर ने घर बैठे दुखी होना,दिखना बहुत आसान कर दिया है। अपनी बताऊँ आपको।मरने के बाद आदमी अपनी बात नहीं कहता। चुपचाप पड़ा रहता है। पर टीवी, ट्विटर पर मेरी तारीफ़ों के जो पुल बांधे गए वो बेहतरीन हैं, मुझे अच्छे लगे इसलिए मैं टीवी पर चेहरा लटकाने वाली एंकरनियो और ट्विटर पर अच्छा अच्छा लिखने वाले का शुक्रिया अदा करता हूँ। ये श्रद्धांजलियाँ नकली होने के बावजूद असली जैसी हैं। मेरा यक़ीन कीजिए,मुझे पता होता कि मरने पर इतनी इज़्ज़त अफ़जाई होगी, तो मैं और पहले ही मर जाना पसंद करता। बहरहाल एक बेहतरीन जिंदगी जी मैने। दौलत शोहरत,इज़्ज़त, सब इफ़रात में हासिल हुई मुझे। यह बात अलग है अपना काम ठीक ठाक करने के बावजूद मुझे कभी बड़ा अवार्ड लेने या स्टेज पर चढ़ कर धन्यवाद भाषण देने का मौका नही मिल सका। हमेशा दो नंबरी रहा मैं,कभी मुझे नंबर एक नही कहा गया। पर दुनिया की सबसे खूबसूरत औरतों ने मुझसे प्रेम किया और मेरे हिस्से हमेशा महंगी शराबें आई, मुझे हमेशा चुप रहने वाली बीबी ,अपने नक्शे कदम पर चलने वाली औलादें और अच्छे दोस्त मिले।अपनी इस खुशक़िस्मती के लिए जीते जी ऊपरवाले का शुक्रगुज़ार रहा हूँ मैं ,और मरने के बाद भी बना हुआ हूँ।

वैसे मुझे श्रद्धांजलि देते सारे ही झूठे हैं ऐसा कहना तो उनके साथ नाइंसाफ़ी होगी।कुछ तो वाक़ई दुखी है।वे दुखी है जो मेरी वसीयत मे अपना ज़िक्र किए जाने की उम्मीद से थे। दुखी होने वालों में वो भी शामिल हैं जो यह सोचते थे कि मैं उनकी जो तारीफ़ किया करता था वो सच बयानी थी। ऐसे सभी बंदों को तसल्ली ही दे सकता हूँ मैं।धीरज रखें।पुनर्जन्म की कहानी पर भरोसा करें।मैं फिर लौटूँगा और फिर वही सब करूँगा जो अब तक करता आया था। पुनश्च- अभी अभी पता चला है कि मैं ज़िंदा हूँ। अपने ज़िंदा रहने की खबर से मैं भी आप ही की तरह हैरान हूँ और शर्मिंदा भी। अब आपसे बस इतना ही कहना है कि मेरे लिए जो भी अच्छा अच्छा लिखा था आपने,उसे रद्दी न समझे। यदि मेरे लिए लिखी गई श्रद्धांजलि देने ,छपवाने से चूक गए हो आप तो धैर्य बनाए रखें। चूँकि हम सभी पैदा हुए है और हम सभी को मर भी जाना है तो मेरे बाबत की गई लिखा पढ़ी को सँभाले रखिए। वो यकीनन कभी भी आपके काम आ सकती है। किसी और के मरने पर आप उसे नाम बदल कर भी इस्तेमाल कर सकते हैं। बहरहाल एक बार फिर से आप सभी का शुक्रिया अदा करता हूँ मैं ,और बस इतना ही चाहता हूँ कि अगली बार जल्दीबाज़ी से बचें और मुझे श्रद्धांजलि देने के पहले ठोक बजा कर यह तस्दीक ज़रूर कर लें कि मैं वाकई मर चुका हूँ।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी

कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल

संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी

स्थानीय संपादक
हेमंत पाल

प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

डॉ. अतुल चतुर्वेदी

लेखक व्यंग्यकार हैं।

हादसों के बीच बयानों की बारिश

फिर एक धमाका हो गया है। फिर फ़िज़ाओं में दहशत का माहौल है। आम जन हलकान है, सरकार हैरान है और मीडिया मेहरबान है। आतंक का चेहरा पिछले कुछ वर्षों में बहुत बदला है अब अनपढ़ और धर्मांध ही नहीं सुशिक्षित भी पूरी शिद्दत से दुनिया को चौकाने के काम में लगे हैं। उन्होंने बयान जारी कर दिया है किसी को बख्शा नहीं जाएगा। सही बात है बख्शना भी क्यों? फिर उच्च स्तरीय बैठक होगी, अलग अलग एंगल से जांच होगी और कई तरह के निष्कर्ष निकाले जायेंगे। इनपुट था लेकिन आउट पुट नहीं आ पाया। खबर थी कुछ चल रहा है पड़ोसी राज्य में जमिले भी कुछ सबूत लेकिन तार नहीं जोड़ पाये हम कि ऐसा हो जाएगा। यह तार ससुरा बड़ी फ़िज़ूल की चीज़ है जहाँ नहीं जुड़ना चाहिए जुड़ जाता है और जहाँ जोड़ना चाहिए वहाँ ढँग से नहीं जुड़ता कभी।

तार जोड़ना हर एक के बस की बात भी नहीं। उसके लिए अच्छी खासी समझ चाहिए कहाँ जोड़ना है, किससे जोड़ना है और फिर कैसे उसे प्रचारित करना है। खाली तार जोड़ने से क्या होगा कुछ करेंट भी तो बहे, तार जुड़ा है तो तमाशा भी तो दिखे। यह क्या तार जुड़ा और दर्शकों को मजा न आया। वे तलाशते ही रहे कि पर्दे के पीछे आखिर चल क्या रहा है ? हमारे यहाँ तार जोड़े तो जाते हैं लेकिन हादसे के बाद, यदि पहले ही उन नंगे तारों के इरादे पकड़ लिए जाएँ तो स्पार्क ही नहीं हो धमाका ही नहीं हो। लेकिन साहब किस को वक्त है इतनी तफ्तीश करने का। यहाँ अधिकारी नेताओं से तार जोड़ने में लगा रहता है ताकि मलाईदार पोस्टिंग मिल जाये और नौकरी में सब सुख उठा सकूँ। नेता बड़े नेताओं से तार जोड़ने में लगे रहते है जिससे मंत्रिमंडल विस्तार के जगह मिल सके। विपक्ष है कि आरोपों के नंगे तारों से खेलता रहता है। सत्ता है कि लगातार चुनावी फायदे के तारों का जंजाल बिछाने में लगी रहती है और इधर आतंकी मौक़े का फ़ायदा उठा कर अपने कुत्सित इरादे रूपी तारों का जाल बिछा जाते हैं।

बयान हवा में तैरता रहता है। मीडिया हेड लाइन में छापता है किसी को बख्शा नहीं जाएगा लेकिन निकल जाते हैं अपराधी बयानों की बमबारी के नीचे से चुपके से। जिम्मेदार अधिकारी हीं हीं कर शामिल हो जाते हैं बयानों के पीछे। फिर एक बयान आता है हवा में ज्गुनाहगारों को छोड़ा नहीं जाएगा। गुनहगार कौन है असल में? यह सवाल सबके लिए अलग अलग मायने रखता है। शर्मा जी बोले - इस पाकिस्तान को सबक सिखाना ही होगा तो भटनागर जी एक पूरी क़ौम पर ही पिल पड़े। पुराने पुलिस अधिकारी सिंह साहब - केस हैंडलिंग पर व्याख्यान देने लगे। सबका अपना चश्मा है और देखने का अपना अपना कोण। लिहाजा हर कोई अपने हिसाब से गुनहगार ठहरा है।

गुनाहगारों की इस कश्मकश में असली गुनहगार मौज छान रहे हैं। वे सीमा पार या अपने आकाओं से निर्देश लेते हैं और मंसूबों को अंजाम दे देते हैं। देश को आज़ाद हुए लगभग अस्सी साल हो गए लेकिन हम देश के दुश्मन पर ही एकमत नहीं हैं। हर दल का अपना नज़रिया है और अपना स्वार्थ। अपनी दूरबीन से वो देश के दुश्मनों की शिनाख्त करती है। इस बहसा बहसी के दौर में गुनहगार मजे मार रहे हैं। वारदात करते हैं दिनदहाड़े और मुँह चिढ़ाते निकल जाते हैं।

कोई सवाल नहीं पूछता कि बार बार ऐसी वारदातें क्यों हो जाती हैं ? नाक के नीचे से कैसे अपराधी निकल जाते हैं ? जिनको नहीं बख्शा जाना चाहिए उनकी ओर भी कोई क्यों नहीं उंगली उठाता? सारे सवालों का जवाब आखिर कौन देगा ? नैतिक जिम्मेदारी लेने का युग गया नैतिकता एक जीवाश्म है इन दिनों जिसको कोई नहीं टटोलना चाहता। बयानों की आग भड़क रही है, हवा में डर का माहौल है। देश में फिर एक बहस छिड़ गई है, मीडिया को मुद्दे मिल गए हैं और आम नागरिक के हिस्से में फिर आयें हैं कुछ डरावने दिन। कुछ मौतें और कुछ काली यादें। ऑटो रिक्शे में क्षत विक्षत लाश पड़ी है, लोग वीडियो बनाने में व्यस्त हैं। वातावरण में बयानों और बहसों के पंचम सुर सुनाई पड़ रहे हैं। शीघ्र ही कड़े कदम उठाए जायेंगे हम सब उन कड़े कदमों को अपने ज़मीर की टॉर्च लेकर ढूँढने की कोशिश कर रहे हैं। कड़े कदम उठें ताकि रक्तिम कदमों की दहशत और दरिंदगी कुछ तो कम हो।

बालदिवस पर विशेष

खुशहाल जीवन की नींव हो रही खोखली

डॉ.मुरलीधर चाँदनीवाला

लेखक शिक्षाविद हैं।

बालदिवस प्रतिवर्ष आता है, और बहुत सारे सवाल छोड़ जाता है। उन सब सवालों से जी चुराते रहने का हमें पक्का अभ्यास हो चुका है। यूँ तो बच्चे किसे अच्छे नहीं लगते, लेकिन यह अच्छा लगना हमारी शर्तों पर होता है। बच्चों का मनोविज्ञान पढ़ने की हमारी आदत नहीं, इसलिये हम उनके बचपन को अपने लिये एक खिलौना बना लेते हैं। हम उसके साथ तब तक खेलते रहते हैं, जब तक वह अपनी सीमा के पार नहीं हो जाता। बचपन में दखल देने का हक न तो अभिभावकों को है, न स्कूल-मालिकों को। लेकिन ये तब तक दाँव लगाते रहते हैं, जब तक बचपन पूरा मर नहीं जाता। किसी का बचपन मर जाये, तो क्या होता है, यह कोई नहीं जानता। जानना भी नहीं चाहता। आजकल के बच्चे समाज से अलग-थलग पड़े हुए हैं,एकाकीपन के शिकार भी हैं। ये भविष्य के लिये अच्छे संकेत नहीं।

बचपन खुशहाल जीवन की नींव है, और यह खोखली हो रही है। बच्चा खूब पढ़े-लिखे, यह तो अच्छी बात है। लेकिन वह खेल के मैदान में कब गया था, उसने कब दिल खोलकर गाया था? उसे चित्र बनाने, अभिनय करने, मंच पर खड़े होकर अपनी बात कहने, पारिवारिक रिश्तेदारों से मेलजोल बढ़ाने का मौका कब दिया गया था? वह दोस्तों के साथ कैसा रहता है, वह देश और समाज के बारे में कितना जानता है, वह अपनी उम्र के दूसरे बच्चों को किस तरह देखता है, मेहनत से कमाया हुआ पैसा कितना मूल्य रखता है उसके लिये, इन सब सवालों के जवाब अभिभावकों के पास शायद ही मिलें। बच्चों का कोर्स पूरा करवाने के अलावा जैसे किसी की कोई चिन्ता ही नहीं। बच्चा

फटाफट अपनी पढ़ाई पूरी कर खूब पैसा कमाने लग जाये, बस।

कुछ दिन पहले ज्ञान चतुर्वेदी का व्यंग्य पढ़ा था- 'बचपन के विरुद्ध षड्यंत्र'। हम सभी बचपन के विरुद्ध क्रूर षड्यंत्र में लगे हैं, और हमें इसका अहसास ही नहीं। हमारे देश में तकरीबन 48 करोड़ बच्चे हैं। सब अलग-अलग परिस्थितियों में, अलग-अलग समस्याओं के शिकार। दूर-दराज के गाँवों में असंख्य बच्चे अशिक्षा और कुपोषण से जूझ रहे हैं। उन्हें राष्ट्र की मुख्य धारा में लाने की ईमानदार कोशिश कभी ठीक से नहीं हुई। बालश्रम कानून को लागू करवाना आज भी टेढ़ी खीर बनी हुई है। महानगरों के सम्पन्न और अति-सम्पन्न परिवारों के बच्चे ड्रग्स के शिकार हैं, और असामाजिक गतिविधियों में लिप्त होते हुए भी बचा लिये जाते हैं। मध्यम वर्गीय परिवारों के बच्चे उनके साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए होस्टलों में बड़े हो रहे हैं। अभिभावक उनका एजुकेशन लोन चुका कर जल्दी से जल्दी फुर्सत होना चाहते हैं। निम्नवर्गीय बच्चों से उनके सपने छीन लिये जाते हैं, लेकिन वे फिर भी गिरते-पड़ते हौसलों की उड़ान भरते हुए नजर आते हैं।

इस देश के बच्चे हमारा भविष्य हैं, और उनके सपने देश की पूँजी हैं। बचपन में खेलते-कूदते बच्चे ही अच्छे लगते हैं, न कि मजदूरी करते और बदहाली में दिन गुजारते हुए बच्चे। बच्चे सुबह-सुबह स्कूल जाते हुए ही अच्छे लगते हैं, न कि पन्नियाँ बीनते हुए। बच्चों को सहानुभूतियाँ नहीं चाहिए, प्रेम चाहिए, प्रेरणा के मंत्र चाहिए। बच्चों के हाथों में किताबें भी हों, और क्रिकेट का बल्ला भी। वे घर में चहचहाते हों, और घर से बाहर भी। वे हमारे गुलशन के खिलने वाले फूल हैं। हम खाद-पानी नहीं देंगे, तो वे खिलने से पहले ही झर जायेंगे या मुरझा जायेंगे। उनके सामने बेहतर उदाहरण हों, दुनिया को समझने के सीधे और सरल तरीके हों, उन्हें बेहतर परवरिश मिले, उनके सामने ऊँचे जीवन-मूल्य रखे गये हों, तो बच्चे भी हम पर भरोसा रखेंगे। उनका चरित्र निर्माण गौरवशाली समाज की पाठशाला में ही सम्भव है।

बालदिवस का दिन बाल-विमर्श के लिये तय होना चाहिए, लेकिन स्त्री-विमर्श के दिखावे की तरह नहीं। इस दिन स्कूलों में बच्चों से खुला संवाद होना चाहिए, उनकी आवश्यकताएँ पूछी जानी चाहिए। अभिभावकों को बुलाकर उनसे विचार-विमर्श करते हुए ऐसी ठोस योजना बनाई जानी चाहिए, जो बच्चों के समग्र विकास के लिये जरूरी हो। यूँ तो समेकित बाल विकास योजना, मिशन वात्सल्य, बाल संरक्षण, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसी कई सरकारी योजनाएँ लागू हैं, लेकिन उनसे बच्चों का कोई भला होता हुआ कभी दिखाई नहीं दिया। बच्चे आज भी शोषण झेल रहे हैं। उनके चेहरे असमय बुझे हुए दिखाई देते हैं। बालदिवस पर दिखावटी आयोजन करने से बच्चों का कोई हित नहीं होगा। यदि हमारे देश के बच्चे अभावों में पल रहे हैं, या उनका संज्ञान लेने वाली एजेन्सियाँ निष्क्रिय हैं, तो यह माना जायेगा कि हमारा भविष्य अंधेरे में है।

जिस तरह हम बड़ों को अपने अधिकार जताने की आदत सी पड़ गई हैं, तो कम से कम बच्चों को उनके अधिकार बताये जाएँ। बच्चों के मासूम सवालों को अनदेखा करने, और उन्हें चुप रहने की हिदायत देकर हम उनके साथ न्याय नहीं कर रहे हैं। हम उस दौर में हैं, जब बच्चे उन कठिनाइयों में से गुजर रहे हैं, जो पहले नहीं थीं। बच्चों का जीवन लगातार इतना जटिल होता जा रहा है, कि उन्हें राह नहीं सूझती। सरकारी योजनाओं की अपेक्षा वे योजनाएँ ही कारगर होंगी, जो अभिभावक और शिक्षक मिलकर बनायेंगे। बच्चों को वे अपने सपने तराशने के अवसर मिलेंगे, तो वर्तमान भी सुंदर होगा और हमारा भविष्य भी।

बाल दिवस : कविताएं

नलिन खोईवाल

पाँव का छपछपाना

बच्चे रुठ जाए तो मनाना,
प्रेम से इन्हें उर से लगाना।
बच्चे हीरा,मोती खजाना,
बच्चे हैं खुशियों का ठिकाना।

बच्चों के संग वक्त बिताना,
जीवन हो जाएगा सुहाना।
फूल,कली जैसा मुस्कुराना,
इनसे खुशनुमा हुआ जमाना।

घर को आलीशान न बनाना,
बच्चों की हंसी से सजाना।
बच्चों से किस्मत आजमाना,
बस मेहनत की रोटी कमाना।

बच्चों का निबोली उछालना,
कोयल का मीठा गुनगुनाना।
नीर में पाँव का छपछपाना,
और कागज की नाव चलाना।

प्यारे चाचा नेहरु

बालदिवस के रूप में जिनका,
जन्मदिन उत्सव हम मनाते,
बच्चों के वो चाचा नेहरु-
गर्व सम्मान से कहलाते ।

प्यारी सी उनकी है मुस्कान,
बच्चों का खूब रखते ध्यान,
उनकी श्रेष्ठ नीतियों से ही-
विश्व में भारत बना महान ।

जोधपुरी परिधान पहनते,
जेब में लाल गुलाब रखते,
उनके नियम और संयम से-
बड़े से बड़े काम है बनते।

भूले बिसरे पल याद आएँ,
मिलकर बालदिवस मनाएँ,
काम ऐसे कर दिखाना है-
जग में खूब नाम हो जाएँ।

बाल मेले में चलें सब हम,
खाने को मिलें हमें चमचम,
नाचे और खूब इठलाए-
देखें किसमें कितना है दम।

बाल दिवस पर विशेष

बालमन को समझने वाला चाहिए एक और 'चाचा'

डॉ. रमेश ठाकुर

लेखक केंद्र सरकार की बाल कल्याण समिति 'निपसिड' में सदस्य हैं।

बाल समस्याओं की भरमार है। कुछ समस्याएं ऐसी होती हैं जिन्हें समझने वाला और महसूस करने वालों का अकाल है। आज 'बाल दिवस' है जिसका सीधा संबंध पूर्व प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू उर्फ चाचा से है। पर, ज्यादातर ये नहीं जानते कि नेहरू जी आखिर बच्चों के 'चाचा' बने कैसे? इस रहस्य से अधिकांश अनभिज्ञ है। वैसे, 'बाल दिवस' आजाद भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित नेहरू के जन्मदिवस पर मनाया जाता है। उनका जन्म 14 नवंबर 1889 को इलाहाबाद में हुआ था। जबकि, ये दिवस संयुक्त राष्ट्र द्वारा अधिकृत 20 नवंबर को पूरे विश्व भर में मनाया जाता है।

साल 1964 में पंडित जवाहरलाल नेहरू की मृत्यु के बाद, भारतीय संसद में उनके जन्मदिन को देश में आधिकारिक तौर पर 'बाल दिवस' के रूप में स्थापित करने का प्रस्ताव एकमत से जारी किया गया। क्योंकि वह बच्चों नितंत प्रिय हुआ करते थे। उनका बच्चों के प्रति लगाव देखने लायक था। उन्हें 'चाचा' क्यों कहा जाने लगा, ये एक दिलचस्प वाक्या है। चलिए बताते हैं नेहरू के चाचा बनने की कहानी। पंडित नेहरू एक मर्तबा इलाहाबाद में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे।

मौसम जाड़े का था। सभा में एक बुजुर्ग महिला भी भाषण सुनने अपने दुधमुंहे बच्चे के साथ पहुंची थी। जारी भाषण में बच्चा तेजी से रोने लगा।

सन् 1954 में, संयुक्त राष्ट्र की ओर से 20 नवंबर को अंतर्राष्ट्रीय बाल दिवस घोषित किया गया था। पर, भारत ने इस दिवस को 14 नवंबर यानी पंडित नेहरू के जन्मदिन पर मनाने का निर्णय लिया। हिंदुस्तान में ये दिन को बच्चों के अधिकारों की रक्षा करना, उन्हें सुरक्षित वातावरण देना और उनकी शिक्षा व स्वास्थ्य पर ध्यान देने पर केंद्रित होता है। बच्चों के प्रति बढ़ते अत्याचार, बाल श्रम, और शिक्षा की कमी जैसी समस्याओं पर जागरूकता निरंती फैलती रहनी चाहिए। बच्चों को बचपन में सही मार्गदर्शन और प्यार दिया जाना चाहिए। सभी के बच्चे बिना किसी भेदभाव के स्वतंत्र रूप से सीखने और बढ़ने का अधिकार रखते हैं।

पंड़ित नेहरू की जैसे ही नजर बच्चे के रोने पर पड़ी, उन्होंने अपना भाषण रूकवाया और तुरंत अपने अंगरक्षक जोगेंद्र सिह को बच्चा और उसकी मां को मंच पर लाने को कहा, मां अपने बच्चे के साथ जैसे ही मंच पर चढ़ी, नेहरू ने आगे बढ़कर स्वंय बच्चे को अपने गोद में उठा लिया। बच्चा पंडितजी की गोद में जाते ही चुप हो गया और उनके जेब में लगे पेन से खेलने लगा। बच्चे के प्रति नेहरू के प्यार-स्नेह को देखकर सभा में उपस्थित लोग अचंभित हो गए और उसी समय से लोगों ने उन्हें 'चाचा' कहना शुरू कर दिया। बच्चों के प्रति उनकी उदारता, दयालुपन, स्नेहभाव और दीवानगी की ललक हम सभी में भी जगे, उसी मकसद को आज का ये खास दिवस पूरा करता है।

बच्चे से प्यार तो हर कोई करता है। पर, नेहरू का प्यार बेशकीमती, अद्भुत, चमत्कारी होता था। रोते हुए बच्चे भी उनके सम्मुख जाकर एकाएक चुप हो जाते थे। बच्चों को चुप कराने की उनके पास पता नहीं कौनसी अद्भुत कला थी, जो सभी आश्चर्यचकित करती थी। सालाना हिंदुस्तान में 'बाल दिवस' बड़े उत्सव के तौर पर मनाया जाता है। ये दिवस बच्चों को ढेर सारा स्नेह, उपहार और लाड़-प्यार देने को समर्पित होता है। जवाहरलाल नेहरू शुरू से बच्चों के अधिकारों और एक शिक्षा प्रणाली के पक्षधर और समर्थक रहे थे। वह प्रत्येक बच्चे को देश का आने वाला भविष्य कहते थे, बच्चा बेशक कितना भी नटखट क्यों न हो, वह उनकी भी भरपूर सराहना करते थे।

फूलपुर की चुनावी सभा में नेहरू ने अपने प्रसिद्ध भाषणों में एक बार कहा था कि बच्चे बगीचे में कलियों की तरह होते हैं और उनका सावधानीपूर्वक और प्यार से पालन-पोषण करना चाहिए, क्योंकि वे देश का भविष्य और कल के नागरिक हैं। मौजूदा वक्त में जिस बेहिसाब से समूचे देश के नौनिहालों के प्रति अत्याचार, विभिन्न किस्म की समस्याएं, और अपराध बढ़े हैं, वो अगर जिंदा होते तो बहुत दुखी होते। एनसीआरबी की सालाना रिपोर्ट बच्चों के गायब होने के जो आंकड़े प्रस्तुत करती है, वो निश्चित रूप से डरावने होते हैं। तमाम हुकूमती कोशिशों के बावजूद भी बाल समस्याएं रुकने का नाम नहीं लेती।

बाल दिवस के मौके पर आज देशभर के स्कूलों में गायन, निबंध, वाद-विवाद, खेलकूद जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। अधिकांश जगहों पर नेहरू की जीवनी पर लेख-लेखन कम्पटीशन आयोजित होंगी। दरअसल, 'नेशनल बाल दिवस' पं. नेहरू को सच्ची श्रद्धांजलि देने का भी दिन कहा जाता है, जो इसके हकदार भी हैं। नेहरू बच्चों को राष्ट्र की संपत्ति मानते थे। साथ ही वह अक्सर नौनिहालों को मुल्क का सबसे कीमती संसाधन के रूप में भी संदर्भित करते थे। इसलिए, अपने युवा नागरिकों के जीवन की बेहतरी के प्रति राष्ट्र की प्रतिबद्धता की पुष्टि करने के लिए उनके जन्मदिन को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। आज इस दिवस के जरिए बच्चों में खुशियां, उनके अधिकारों और उनके उज्ज्वल भविष्य को संवारने के लिए जागरूकता भी फैलाई जाती है। बच्चों के प्रति जागरूकता को बढ़ाना और उन्हें एक सुरक्षित, खुशहाल और शिक्षा से भरपूर जीवन देने के लिए आज सभी को संकल्पित भी होना चाहिए।

पंडित नेहरू हमेशा बच्चों के बीच जाकर उनके साथ समय बिताना पसंद करते थे और उनका मानना था कि बच्चों में मासूमियत, सच्चाई, और निष्ठा होती है, जो बड़ों को भी प्रेरणा देती हैं। शिक्षा का अधिकार, बाल श्रम से सुरक्षा और एक सुरक्षित व प्यार भरे वातावरण में बढ़ने का अधिकार हम सभी को मिलकर दिलवाना चाहिए। हालांकि, भारत में बाल अधिकारों की सुरक्षा के लिए बाल संरक्षण कानून और विभिन्न सरकारी-गैर सरकारी संस्थाएं कार्यरत हैं, जिनका उद्देश्य बच्चों के भविष्य को सुरक्षित बनाना है। इनका आम जनों को भी मिलकर सहयोग करना चाहिए।

पं. नेहरू की जयंती पर विशेष

नेहरू : कलम, विचार और भविष्य की खोज

अरुण कुमार डनायक

लेखक गांधी विचार अध्येता हैं।

मुगलों के प्रसंग में उनकी लेखनी निष्पक्ष है। अकबर में वे 'दयालुता और जिज्ञासा' को राजनीति की ताकत मानते हैं, और औरंगजेब में 'धर्मांधता' को पतन का कारण। वहीं महाराणा प्रताप और शिवाजी में वे साहस और जातीय गौरव की चेतना को पहचानते हैं। यह दृष्टि संतुलित है– आलोचना में भी गरिमा और प्रशंसा में भी विवेक। मेरी कहानी में वही लेखक और अधिक मानवीय हो उठता है। यह पुस्तक उनके व्यक्तिगत जीवन और स्वतंत्रता संग्राम की घटनाओं का दस्तावेज़ है। नेहरू गांधीजी के आगमन को एक परिवर्तनकारी घटना मानते हैं: 'देश के आकाश में बादल का एक छोटा सा टुकड़ा दिखाई दिया जो फैलते–पसरते छा गया– यह नया तत्व था मोहनदास करमचंद गांधी।'

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू, की पहचान राजनीतिज्ञ होने के साथ-साथ एक प्रखर विचारक, इतिहासकार और लेखक की भी है। भारतीय राजनीति में वे जहाँ आधुनिकता के प्रतीक के रूप में उभरे, वहीं उनके व्यक्तित्व की सबसे गहरी छवि लेखक के रूप में दिखती है। जेल की दीवारों के भीतर बैठकर उन्होंने जो लिखा, वह केवल इतिहास का वृत्तांत नहीं था, बल्कि भारत की आत्मा की खोज और पुत्र, भाई, पति तथा पिता के रूप में उनकी संवेदनाओं का दस्तावेज़ भी था। उनकी रचनाएँ- पिता के पत्र पुत्री के नाम (1929), विश्व इतिहास की झलकियाँ (1934), मेरी कहानी (1936) और हिन्दुस्तान की कहानी (1946)- उनके भाषणों और आलेखों के साथ मिलकर यह प्रमाण देती हैं कि उनकी पठन-पाठन की गहराई और दूरदर्शी विचारधारा ने आधुनिक भारत की राष्ट्रीय चेतना को आकार दिया। अहमदनगर किले में नज़रबंदी के दौरान लिखी हिन्दुस्तान की कहानी में जब नेहरू लिखते हैं- 'हिन्दुस्तान के गुजरे हुए जमाने की पहली तस्वीर हमें सिन्धु घाटी की सभ्यता में मिलती है'– तो प्रतीत होता है कि इस ग्रंथ में भारतीय इतिहास, दर्शन और संस्कृति एक ही प्रवाह में बहते हैं। वे मोहनजोदड़ो और हड़प्पा से लेकर वेदों, उपनिषदों, अशोक, मुगलों और स्वतंत्रता आन्दोलन तक आते हैं। उनके लिए इतिहास केवल राजाओं का क्रम नहीं, बल्कि विचारों का प्रवाह है– एक सतत् संवाद जो मानवता को जोड़ता है।

जब नेहरू लिखते हैं- 'अशोक ने एलान किया कि सभी मत किसी न किसी कारण से आदर के अधिकारी हैं'– तो वे प्रेम, धर्म और सहिष्णुता के उस अशोकवादी आदर्श को जीवित कर देते हैं, जो आज भी भारतीयता की आत्मा में धड़कता है। अशोक से अकबर तक वे भारत की महानता उसकी सह-अस्तित्व की क्षमता में देखते हैं।

मुगलों के प्रसंग में उनकी लेखनी निष्पक्ष है। अकबर में वे 'दयालुता और जिज्ञासा' को राजनीति की ताकत मानते हैं, और औरंगजेब में 'धर्मांधता' को पतन का कारण। वहीं महाराणा प्रताप और शिवाजी में वे साहस और जातीय गौरव की चेतना को पहचानते हैं। यह दृष्टि संतुलित है– आलोचना में भी गरिमा और प्रशंसा में भी विवेक। मेरी कहानी में वही लेखक और अधिक मानवीय हो उठता है। यह पुस्तक उनके व्यक्तिगत जीवन और स्वतंत्रता संग्राम की घटनाओं का दस्तावेज़ है। नेहरू गांधीजी के आगमन को एक परिवर्तनकारी घटना मानते हैं- 'देश के आकाश में बादल का एक छोटा सा टुकड़ा दिखाई दिया जो फैलते-पसरते छा गया- यह नया तत्व था मोहनदास करमचंद गांधी।'

चौरी चौरा कांड के बाद गांधीजी द्वारा आंदोलन स्थगित करने पर वे लिखते हैं– 'संघर्ष के इस तरह बंद किये जाने पर हमें क्रोध आया- हमारी बढ़ती हुई आशाएँ एकाएक भंग हो गईं।' नेहरू यहां भावनाओं के साथ विचार भी रखते हैं- 'यदि एक आकस्मिक हिंसात्मक घटना का अनिवार्य परिणाम ऐसा होना था तो निश्चय ही अहिंसात्मक संग्राम में कोई कमी थी।' वे गांधीजी से असहमति जताते हुए भी सम्मान बनाए रखते हैं- यह उनका आत्मानुशासित वैचारिक चरित्र है।

विश्व इतिहास की झलकियाँ में उनका दृष्टिकोण भारत की सीमाओं से बाहर फैलता है। वे इतिहास को केवल विजयों और पराजयों का लेखा नहीं, बल्कि मनुष्य की संघर्षशील चेतना मानते हैं। औद्योगिक क्रांति के सामाजिक प्रभावों का विश्लेषण करते हुए वे राजनीति के साथ नैतिकता का प्रश्न उठाते हैं। मुस्तफा कमाल पाशा के संदर्भ में वे आधुनिक राष्ट्रवाद और धर्मनिरपेक्षता के नए आदर्श की ओर संकेत करते हैं– 'कमाल पाशा ने स्कूलों, कानूनों और समाज की संरचना बदल दी।' यह विवरण भारत के उस भविष्य का संकेत है, जिसकी कल्पना नेहरू करते थे- आधुनिक, वैज्ञानिक और आत्मनिर्भर।

पिता के पत्र, पुत्री के नाम में वे एक सरल, आत्मीय पिता के रूप में प्रकट होते हैं। मसूरी से लिखा पत्र सादगी भरा है– 'मैं सुबह जल्दी उठता हूँ, टहलता हूँ, किताबें पढ़ता हूँ और लिखता हूँ।' नैनी जेल से लिखा पत्र उनकी नैतिक दृष्टि का सार है– 'करियर चुनते समय सिर्फ़ अपना सुख मत सोचना, सोचना कि इससे कितने लोगों की भलाई होगी।' यह नेहरू के आदर्शवाद की आत्मा है– जीवन का उद्देश्य व्यक्ति नहीं, समाज की सेवा है। नेहरू नास्तिक थे; कर्मकांड, आत्मा, कर्मफल और पुनर्जन्म में उनका विश्वास नहीं था। फिर भी उनकी लेखनी में इतिहासकार की दृष्टि, कवि का हृदय और वैज्ञानिक का विवेक एक साथ मिलता है। वे अतीत को श्रद्धा से देखते हैं, पर उसमें जीना नहीं चाहते। उनकी दृष्टि भविष्य की है– जहाँ तर्क, सहिष्णुता और मानवीय गरिमा सर्वोपरि हों।

नेहरू का इतिहास-दर्शन न तो वामपंथियों की तरह वर्ग-संघर्ष पर केंद्रित था, न दक्षिणपंथियों की तरह अतीत-गौरव में सीमित; वह मनुष्य और सभ्यता की निरंतर प्रगति पर आधारित था। पश्चिमी इतिहासकार जहाँ औपनिवेशिक दृष्टि से भारत को परिभाषित करते थे, वहीं नेहरू भारत को उसकी सांस्कृतिक एकता और वैज्ञानिक दृष्टि के माध्यम से समझते थे।

जब हिन्दुस्तान की कहानी में वे अपनी पत्नी कमला की मृत्यु का वर्णन करते हैं– 'मैं अपने घर की तरफ अकेला लौट रहा था आज मेरे साथ एक टोकरी थी जिसमें राख का बर्तन था– कमला का जो कुछ बच रहा था वही'– तो वे इतिहासकार नहीं, एक असहाय मनुष्य बन जाते हैं। उनकी संवेदना में कोई कृत्रिमता नहीं; यह निजी शोक को सभ्यता की निरंतरता से जोड़ने की क्षमता है। संविधान सभा में उनका प्रथम उद्बोधन और स्वतंत्रता की पूर्व संध्या पर दिया गया प्रसिद्ध भाषण 'नियति से साक्षात्कार' आधुनिक भारत के निर्माण पर उनकी अमिट छाप छोड़ गया।

नेहरू की लेखन शैली सरल, स्पष्ट और गहराई लिए हुए है। लंबे वाक्य भी प्रवाह बनाए रखते हैं। उनके लेखन में दार्शनिक गहराई है– वे सत्याग्रह, अहिंसा और मानवता के सिद्धांतों पर विचार करते हैं। भावनाएँ भी हैं– कहीं क्रोध, कहीं निराशा–जो उन्हें मानवीय बनाती हैं। उनकी शैली में ऐतिहासिक अंतर्दृष्टि, भावनात्मक गहराई, स्पष्ट भाषा और दार्शनिक चिंतन का अनूठा मिश्रण है। गांधीजी के प्रभाव को वे 'आकाश में फैलते बादल के टुकड़े' की तरह चित्रित करते हैं। वे सत्याग्रह को 'निष्क्रिय प्रतिरोध' नहीं, बल्कि सक्रिय नैतिक शक्ति के रूप में देखते हैं। नेहरू का लेखन केवल घटनाओं का वर्णन नहीं, बल्कि उनका दार्शनिक विश्लेषण है। यही शैली राजनीतिक लेखन को साहित्यिक ऊँचाई देती है- जहाँ तथ्य और भावना का संतुलन बना रहता है, और इतिहास पाठक के सामने सजीव हो उठता है।

बैतूल के 3500 मिट्टी सैंपलों की जांच में हुआ खुलासा

एस. द्विवेदी बैतूल।

जिले की कृषि योग्य भूमि की मिट्टी में पोषक तत्वों की लगातार कमी होती जा रही है। यहां मिट्टी परीक्षण में जिंक-सल्फर और नाइट्रोजन की भारी कमी सामने आई है, जो कि चिंता का कारण बनी हुई है। अगर अब भी जमीन के पोषक तत्वों को ध्यान में रखते हुए खेती नहीं हुई, तो आने वाले दिनों में इसका विपरीत प्रभाव देखने को मिलेगा। मिट्टी परीक्षण केन्द्र बैतूल बाजार से मिली जानकारी के मुताबिक बैतूल ब्लाक की मिट्टी में जिंक और नाइट्रोजन की भारी कमी पाई गई है। यह खुलासा किसानों द्वारा करवाई गई मिट्टी की जांच में हुआ है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि किसान डीएपी और यूरिया से पोषक तत्वों की पूर्ति कर रहे हैं, ताकि उत्पादन पर असर न पड़े। लेकिन जिंक और नाइट्रोजन की कमी अब भी बनी हुई है। कृषि विभाग के उप संचालक आनंद बड़ोनिया के अनुसार नाइट्रोजन की कमी से मिट्टी कठोर हो रही है। इससे प्रति हेक्टेयर औसत 20 फीसदी उत्पादन घट रहा है। हालांकि कृषि विभाग हर वर्ष समस्या के समाधान के लिए लगातार किसानों को खेतों पर खरपतवार नहीं जलाने, रासायनिक खाद के बजाय जैविक खाद का प्रयोग करने व बुवाई से पहले मृदा परीक्षण कराने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है, लेकिन अभी वांछित सफलता नहीं मिली है।

3500 सैम्पल की जांच रिपोर्ट से आए परिणाम – मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला बैतूल बाजार में बैतूल ब्लाक के 4205 मिट्टी के सैंपल कलेक्ट किए गए थे। जिसमें से 3500

मिट्टी के सैंपलों की जांच की गई। इसमें जिंक, नाइट्रोजन की कमी पाई गई है। बैतूल की मिट्टी में सबसे ज्यादा नाइट्रोजन की कमी मिली है। वहीं जांच में पोटाश की अधिकता पाई गई है। कृषि वैज्ञानिकों का कहना है, मिट्टी में किसी भी पोषक तत्व की अधिकता अच्छी नहीं है। किसान मिट्टी परीक्षण के बाद ही आवश्यकतानुसार खेतों में उर्वरकों का उपयोग करना चाहिए, लेकिन किसान फसल उत्पादन बेहतर प्राप्त करने के लिए बड़े स्तर पर रासायनिक खादों का प्रयोग ज्यादा करते है, लेकिन जिंक, नाइट्रोजन की कमी दूर करने कोई प्रयास नहीं कर रहे है। क्योंकि ज्यादातर खादों में जिंक की मात्रा कम होती है या नहीं होती है। जिसके लिए किसानों को अलग से इसका प्रयोग करना होता है, जो नहीं हो रहा है।

मिट्टी परीक्षण के लिए हर ब्लाक में बनी है प्रयोगशालाएं – शासन ने 2016-17 में जिले के 10 ब्लॉकों में मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला के भवन बनाए। इन भवन और मिट्टी की टेस्टिंग के लिए 4 करोड़ 50 लाख रुपए खर्च की। इसके पीछे शासन का मकसद था कि किसान मिट्टी की जांच करवा सकें और उसी के अनुसार फसल की बुआई करे, लेकिन कई सालों तक ये प्रयोगशालाएं स्टाफ और मशीनों के अभाव में बंद रहीं। अब सरकार ने जांच का ठेका निजी कंपनी को दे दिया है। बताया गया कि मुलताई, भैंसदेही, आमला, शाहपुर, भीमपुर, चिचोली, घोड़ाडोंगरी, प्रभातपट्टन तथा आठनेर ब्लॉक में 35-35 लाख की लागत से प्रयोगशाला भवन और प्रत्येक प्रयोगशाला के लिए 15-15 लाख से मशीन बुलवाई थीं। एक केंद्र पर शासन ने करीब 50 लाख रुपए खर्च किए है।

ढाई लाख किसान, कम ही कराते है मिट्टी परीक्षण – वैसे तो जिले में करीब ढाई से 3 लाख हेक्टेयर भूमि में खेती होती है। जिसमें करीब ढाई लाख किसान खरीफ, रबी सहित अन्य फसल के अलावा सब्जियों का उत्पादन लेते है। लेकिन ढाई लाख किसानों में से कम ही किसान है जो मिट्टी का परीक्षण कराते है। बैतूल ब्लाक के बैतूलबाजार के सहायक भू सर्वेक्षण अधिकारी चंद्रशेखर चौधरी ने बताया कि क्षमता के अनुरूप हर साल करीब दस हजार मिट्टी के नमूनों की जांच की जाती है। जिसमें बैतूल ब्लॉक में नाईट्रोजन, जिंक, सल्फर की कमी सामने आई है। किसान डीएपी और यूरिया ही खेतों में डालते हैं। जिससे मिट्टी में सिर्फ नाइट्रोजन और फास्फेट की ही कमी पूरी हो पाती है। शेष पोषक तत्व के लिए किसानों द्वारा कोई प्रयास नहीं किया जाता है। जिससे मिट्टी की उर्वरक शक्ति कम होते जा रही है। परिणाम फसलों के कम उत्पादन के रूप में सामने आ रहा है।

मिट्टी में पाये जाते है 16 प्रकार पोषक तत्व – बता दे कि मिट्टी में कार्बन, हाइड्रोजन, ऑक्सीजन, नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश, कैल्शियम, मैग्नीशियम, सल्फर, जिंक, आयरन, कॉपर, बोरान, मैंगनीज, मोलिब्डेनम, क्लोरीन व जिंक सल्फर सहित कुल 16 पोषक तत्व होते है, जो सभी प्रकार के पौधे और फसलों के जीवन चक्र के लिए जरूरी है। इसमें यदि किसी भी पोषक तत्व की कमी रह जाती है, तो फसल की पैदावार कम होती है। जिंक की कमी से पौधे की नीचे की पत्तियां पीली पड़ जाती हैं, लाल धब्बे भी हो जाते हैं, जिसके कारण पौधे सूर्य की किरणों से अपना पर्याप्त भोजन प्राप्त नहीं कर पाता है और उत्पादन पर असर पड़ता है।

मिट्टी में इतनी मात्रा में होना चाहिए पोषक तत्व

आर्गेनिक कार्बन - 0.50 - 0.75 प्रतिशत
नाइट्रोजन - 280 से 560 किलो प्रति हेक्टेयर
फास्फोरस - 10 किलो से 25 किलो प्रति हेक्टेयर
पोटेशियम - 120 किलो से 280 किलो प्रति हेक्टेयर

बैतूल ब्लाक की मिट्टी में मिली इन पोषक तत्व की कमी

जिंक - जिंक 0.6 पीपीएम से कम
सल्फर - 10 पीपीएम से कम
मैंगजीन - 2 पीपीएम से कम
आयरन - 4.5 पीपीएम से कम
बोरोन - 0.5 से कम

एक नजर में....

(1) 5238 सेम्पलों की जांच का लक्ष्य
(2) 4205 सैंपलों किए कलेक्ट
(3) 3500 सैंपलों की हुई जांच
(3) 3003 स्वाइल हेल्थ कार्ड वितरित
(4) जिंक-सल्फर और नाइट्रोजन की मिली कमी

इनका कहना है...

बैतूल ब्लाक के खेतों की मिट्टी के 3500 सैम्पलों की जांच की गई, जिसमें जिंक, सल्फर और नाइट्रोजन पोषक तत्वों की कमी पाई गई है, वहीं पोटाश की मात्रा भी अधिक है।

– **चन्द्रशेखर चौधरी,** सहायक भू सर्वेक्षण अधिकारी, बैतूल

कार्तिक पूर्णिमा के एक सप्ताह बाद भी प्रारंभ नहीं हो सका ताप्ती मेला

नपा ने कहा – हमारी तैयारियां पूर्ण, व्यापारी लगाएं दुकानें

बैतूल/मुलताई। कार्तिक पूर्णिमा से प्रारंभ होने वाला मुलताई का ताप्ती मेला एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी शुरू नहीं हो सका है। व्यापारियों के अनुसार मेले की शुरुआत में अभी एक सप्ताह और लग सकता है, जबकि नगर पालिका मुलताई का कहना है कि उनकी सभी तैयारियां पूर्ण हो चुकी हैं, अब व्यापारी अपनी दुकानें लगाएं। ताप्ती मेला नगरवासियों के लिए केवल एक मेला नहीं, बल्कि एक धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहर है। किंतु खेद की बात यह है कि इसे भव्य रूप देने के ईमानदार प्रयास कभी नहीं हुए। इस वर्ष स्थिति और गंभीर हो गई जब व्यापारियों ने कुछ लोगों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए गंभीर आरोप लगाए।

इस वर्ष नगर पालिका ने मेले के लेआउट में आंशिक बदलाव किया। स्थिति को देखते हुए नगर पालिका अध्यक्ष वर्षा गडेकर और नगर पालिका अधिकारी वीरेंद्र तिवारी को आगे आकर व्यापारियों से संवाद स्थापित करना पड़ा। इसके बाद अब मेले को नया स्वरूप देने के प्रयास किए जा रहे हैं। यह प्रयास कितने सफल होंगे, यह तो समय बताएगा, किंतु नगर पालिका अब तक 380 प्लॉट का आवंटन कर चुकी है, जबकि लगभग 50 प्लॉट अभी शेष हैं। किसी भी मेले का प्रमुख आकर्षण झूले होते हैं। इस बार नगर पालिका ने झूलों के चार अलग-अलग ग्रुपों को प्लॉट आवंटित किए हैं, जिनमें सभी प्रकार के झूले शामिल हैं। इस बार कुछ बड़े झूले पहली बार ताप्ती मेले में पहुंचे हैं, जो आकर्षण का केंद्र बनेंगे। इस वर्ष नगर पालिका ने मेले के लेआउट में आंशिक बदलाव किया है। मुख्य मार्ग की चौड़ाई कम की गई है, प्लॉटों की संख्या बढ़ाई गई है, तथा एक ही परिवार के कई लोगों को अनेक प्लॉट आवंटित किए जाने से व्यापारियों में नाराजगी भी देखी जा रही है।

प्लॉट खरीदकर दूसरों को बेचने वालों पर होगी एफआईआर– मेला व्यवस्था में जुटे नगर पालिका कर्मचारी विशाल भारती ने बताया कि अव्यवस्था से बचने और मेले को सुव्यवस्थित रूप से संचालित करने के लिए सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। जिन लोगों ने चार-पांच प्लॉट आवंटित करवाए हैं और उन्हें दूसरों को बेचने की कोशिश कर रहे हैं, उनके विरुद्ध टीम बनाकर जांच की जाएगी और ऐसे लोगों पर स्नढ्ढक्र दर्ज की जाएगी। साथ ही मेले के मुख्य मार्ग या स्टेशन रोड से जुडने वाले प्रमुख मार्गों पर कोई दुकान लगाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। मुख्य मार्ग को बाधित करने वालों पर भी कार्रवाई की जाएगी।

नपा की तैयारी पूर्ण, व्यापारी दुकानें प्रारंभ करें: तिवारी– नगर पालिका अधिकारी वीरेंद्र तिवारी प्रतिदिन मेले की तैयारियों का स्वयं निरीक्षण कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि नगर पालिका की सभी व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली गई हैं, प्लॉट आवंटन, पेयजल व्यवस्था, सुलभ शौचालय आदि तैयार हैं। दो दिनों में विद्युत आपूर्ति भी प्रारंभ कर दी जाएगी। यदि आगामी दिनों में वर्षा होती है तो रास्तों पर डस्ट डालकर उन्हें व्यवस्थित किया जाएगा। तिवारी ने कहा, नगर पालिका की तैयारियां पूरी हैं, अब व्यापारियों को चाहिए कि वे शीघ्र अपनी दुकानें प्रारंभ करें।

भौंरा में मिसेज यूनिवर्स दिव्या चौधरी का आगमन

अरण्य स्व. सहायता समूह के महुआ बिस्किट से हुई प्रभावित

बैतूल/भौंरा। जन परिषद के स्थानीय चैप्टर द्वारा गुरुवार को पंचमुखी श्री रिद्धि-सिद्धि गणेशालय में संक्षिप्त लेकिन गरिमामयी कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मिसेज यूनिवर्स (फर्स्ट रनर-अप) व मिसेज इंडिया (ल्यूमिनियस आइज़) दिव्या चौधरी मुख्य अतिथि बनकर पहुंचीं। जहां समिति के सदस्य एवं ग्रामवासियों द्वारा अतिथियों का गुलदस्ता, फूलमालाओं से स्वागत किया गया, वहीं अरण्य स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए महुआ बिस्किट कार्यक्रम में खिलाए गए। बिस्किट का स्वाद लेने के बाद मिसेज यूनिवर्स ने कहा कि बाज़ार में मिलने वाले लगभग सभी बिस्कुट पाम तेल से बने होते हैं, जबकि महुआ बिस्किट पूरी तरह से पौष्टिक और स्वास्थ्यवर्धक हैं। यह बेहद अच्छा उत्पाद है। इसका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रचार होना चाहिए। मैं अपने परिवार के लिए चार-पांच पैकेट अवश्य लेकर जाऊंगी। इसके बाद जन परिषद इंटर स्टेट कमेटी के सचिव कैलाश प्रसाद अग्निहोत्री ने उन्हें महुआ बिस्किट के पैकेट भेंट किए। गणेशालय में कार्यक्रम के बाद दिव्या चौधरी पेट्रोल पंप के पास स्थित वन विश्राम गृह पहुंचीं। जहां वन परिक्षेत्र अधिकारी वीरेंद्र तिवारी ने उनसे भेंट की और भौंरा क्षेत्र की प्राकृतिक और वन-पहचानों से उन्हें परिचित कराया। भौंरा की सुंदरता से प्रभावित श्रीमती चौधरी ने कहा कि मैं पहली बार भौंरा आई हूं। यह बेहद शांत और खूबसूरत जगह है। समाज की सेवा अकेले संभव नहीं, इसलिए मैं आप सबके साथ मिलकर कार्य कर रही हूं। कार्यक्रम में जन परिषद के संयोजक एवं वरिष्ठ पत्रकार रामजी श्रीवास्तव, प्रांतीय सचिव भोपाल नितिन श्रीवास्तव, राजेंद्र सिरोठिया, सुनील राठौर, मनीष खंडेलवाल, जितेंद्र गुप्ता, राजकमल गुप्ता, संजय जगताप, परीमाला पवार, परिसी पवार सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। जन परिषद के बारे में जानकारी देते संयोजक रामजी श्रीवास्तव ने बताया कि संस्था पिछले 36 वर्षों से सामाजिक एवं रचनात्मक गतिविधियों में सक्रिय है, अब तक पर्यावरण पर 12 अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस आयोजित कर चुका है और देश-विदेश में इसके 300 और 7 चैप्टर कार्यरत हैं। संस्था प्रतिवर्ष रचनात्मक और सामाजिक योगदान देने वाले नागरिकों को सम्मानित करती है।

विकास पुरुष, पूर्व सांसद स्व. विजय कुमार खंडेलवाल (बाबूजी) को किया याद

बैतूल। जिला भाजपा के पितृ पुरुष, विकास पुरोधा, अजेय सांसद स्व.विजय कुमार खंडेलवाल (बाबूजी) की 18वीं पुण्यतिथि के अवसर पर जिला भाजपा कार्यालय विजय भवन में श्रृद्धांजली कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्व.विजय कुमार खंडेलवाल (बाबूजी) के परिजनों, मित्रों, व नगर के नागरिकों सहित भाजपा परिवार ने श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हे याद किया।

इस अवसर पर म.प्र. जनअभियान परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष मोहन नागर, डॉ. सतीश खंडेलवाल, पूर्व जिलाध्यक्ष रामचरित्र मिश्रा, न्यास के पूर्व अध्यक्ष राजीव खंडेलवाल, पूर्व जिलाध्यक्ष राजा ठाकुर, वरिष्ठ नेता भीम धोटे, रमेश मिश्रा, द्वारा श्री खंडेलवाल के छायाचित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर श्रृद्धाजंली अर्पित की। इस दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, केन्द्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उइके, जिलाध्यक्ष सुधाकर पंवार, विधायक चंद्रशेखर देशमुख, महेन्द्रसिंह चौहान, गंगा उइके, जिला पंचायत अध्यक्ष राजा पंवार, उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे, पूर्व सासंद ज्योति धुर्वे, लक्ष्मीनारायण श्रीवास, पूर्व विधायक शिवप्रसाद राठौर, अलकेश आर्य, मंगल सिंह धुर्वे, समाज सेवी प्रदीप खंडेलवाल, मुकेश खंडेलवाल, सदन आर्य, राकेश द्विवेदी, कश्मीरीलाल बतरा, संतकुमार आर्य, रमण भाई पटेल, प्रमोद अग्रवाल, मंजीतसिंह साहनी, नरेन्द्र शुक्ला, राजकुमार गुप्ता, बंटी मोटवानी, श्रीचंद्र हिराणी, डा.जी.ए.बारस्कर, प्रहलाद खंडेलवाल, श्रीचंद्र कास्देकर, पूर्व जिलाध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा, अनिल सिंह कुशवाह, जितेन्द्र कपूर, वंसत बाबा माकोडे, आदित्य बबला शुक्ला, नपाध्यक्ष पार्वती बारस्कर सहित जिले के वरिष्ठ नागरिकगण, जिला भाजपा एवं नगर व ग्रामीण मंडल के पदाधिकारी, कार्यकर्ता बडी संख्या में मौजूद रहे।

धार अंडर 15 अंतर जिला क्रिकेट स्पर्धा विजेता बनी, फाइनल में धार ने खण्डवा को हराया

धार। म. प्र. क्रिकेट एसोसिएशन व इंदौर डिविजनल क्रिकेट एसोसिएशन इंदौर के निर्देश पर धार जिला क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित अंडर 15 अंतर जिला क्रिकेट स्पर्धा के फाइनल में धार ने खण्डवा को हरा कर विजेता बनी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नेहा महेश बोडाने अध्यक्ष नगर पालिका धार एवं विशेष अतिथि महेश बोडाने, कार्यक्रम की अध्यक्षता देवेंद परमार ऑब्जर्वर एमपीसीए एवं पूर्व रणजी खिलाड़ी रहे। अतिथियों का स्वागत धार जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप जोशी कीका भाई, राजेंद्र सिंह चौहान, धीरेंद्र दिघे, मोइस रहमान, देवेंद्र परमार ऑब्जर्वर एमपीसीए एवं पूर्व रणजी खिलाड़ी, प्रमोद पाठक, प्रमोद शर्मा, अंबालाल पाटीदार, लक्ष्मण सिंह चौहान, निखिल ग्वाल, दीपक शर्मा, योगेश घारपूरे, विजय लाभाते, राहुल ठाकुर, प्रमोद पाठक द्वारा स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश क्रिकेट खिलाड़ी कु. दिवेशी यादव एवं कु.अवनी यादव का भी एसोसिएशन द्वारा प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन रामगोपाल शर्मा ने किया।

धार के साहित्यकार देवेंद्रसिंह सिसौदिया साहित्य में उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉ. श्याम सुंदर व्यास स्मृति क्षितिज लघुकथा रत्न सम्मान 2025 से सम्मानित

धार। क्षितिज साहित्य संस्था, इंदौर ने धार के साहित्यकार देवेंद्रसिंह सिसौदिया को साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए 'डॉ. श्याम सुंदर व्यास स्मृति क्षितिज लघुकथा रत्न सम्मान 2025' से सम्मानित किया। ये सम्मान प्रसिद्ध ललित निबंधकार नर्मदा प्रसाद उपाध्याय, साहित्यिक पत्रिका वीणा के संपादक राकेश शर्मा एवं क्षितिज के अध्यक्ष सतीश राठी के करकमलों से प्राप्त हुआ। इस अवसर पर सूर्यकांत नागर, बलराम अग्रवाल, पुरूषोत्तम दुबे, योगेंद्रनाथ शुक्ल, अश्विन कुमार दुबे, हरेराम वाजपेयी. ज्योति जैन, रश्मि चौधरी, डॉ गरीमा दुबे, कांता राय, दीपक गिरकर, सुरेश रायकवार, संतोष सुपेकर, वसुधा गाडगिल, अंतरा करवड़े, सुषमा व्यास 'राजनिधी', डॉ मनीष दवे एवं देश के कई साहित्यकार उपस्थित थे।

राजस्थान के सुप्रसिद्ध भजन गायक गोकुल शर्मा की भजन संध्या में उमड़े हजारों श्रद्धालु

किला मैदान पर हुआ आयोजन, बड़ी संख्या में श्रद्धालु हुए शामिल

धार। मंगलवार को धार नगर में किला मैदान और आस पास नौगांव का क्षेत्र सांवरिया सेठ की जयकारो से गूंज उठा। भजन संध्या में राजस्थान के सुप्रसिद्ध भजन गायक गोकुल शर्मा और आदिवासी गायक शशांक तिवारी ने भी अपने सुमधुर गीतों से श्रद्धालुओं को रिझाया और भक्तों को भक्ति रस में डुबो दिया। उनकी प्रस्तुति शुरू होते ही पूरा पंडाल ÷जय सांवरिया सेठ की जय÷ के जयकारों से गूंज उठा।

मेरी गाड़ी मेरा बंगला, जब से लगाई 'सांवरिया की तस्वीर' और 'सेठा में सेठ मेरा सांवरिया सेठ' जैसे लोकप्रिय भजनों पर भक्त देर रात तक झूमते रहे। रात करीब 1 बजे तक चली इस संध्या में हजारों श्रद्धालु मौजूद रहे।।

भजन संध्या में हजारों लोग देर रात तक झूमते रहे– मधुर ध्वनि से पूरा मैदान गूंज उठा आयोजन स्थल किला मैदान पर पूरे मैदान में विशाल पंडाल और पार्किंग व्यवस्था की गई थी, जिसमें श्रद्धालुओं की भीड़ सहजता से समा गई। जहां देर रात तक लोगों ने भजनों का आनंद लिया।

सजा दिव्य सांवरिया सेठ का दरबार..– कार्यक्रम में सांवरिया सेठ का दिव्य श्रृंगार किया गया। पूरा दरबार मनमोहक दृश्य प्रस्तुत कर रहा था। श्रद्धालुओं ने बताया कि ऐसा सुंदर श्रृंगार पहले कभी नहीं देखा।

कार्यक्रम में बालीपुर सरकार, सरदारपुर विधायक प्रताप ग्रेवाल, राधेश्याम पटेल राष्ट्रीय अध्यक्ष कलोता समाज, मोनू पटेल युवा संगठन क्षत्रिय कलोता राष्ट्रीय अध्यक्ष भाजपा नेता विश्वास पांडे, अजीत जैन पार्षद, संतोष पांडे, जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष रोहित कामदार, शहर कांग्रेस अध्यक्ष जसबीर सिंह छाबड़ा, मनोज चौहान, करनी सेना परिवार, तरुण लकी उस्ताद, चेतन शर्मा कलोता समाज के युवा सहित हजारों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए।

श्री श्री 1008 श्रीमंत परमहंस निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी शाश्वतानंद गिरी जी महाराज का स्वागत किया

धार। महालक्ष्मी मंगल परिसर अखण्ड आश्रम धार में 9 नवम्बर से 14 दिसंबर तक प्रतिदिन 3 बजे से 6 बजे तक गीता ज्ञान यज्ञ आयोजन किया जा रहा है उक्त गीता ज्ञान की व्याख्या डॉ स्वामी शाश्वतानंद जी गिरी महाराज के मुखारबिंद से उक्त पाठ किया जा रहा है

स्वामी जी का स्वागत कैलाश नगर सीनियर सिटीजन मंच के अध्यक्ष ठाकुर भगवानसिंह ठाकुर पूर्व सरपंच लेबड़ ने स्वामी जी का स्वागत किया साथ ही वरिष्ठ अभिभाषक एवं श्री गोड़ महासभा अध्यक्ष अनिल तिवारी ने स्वागत किया। सीनियर सिटीजन मंच के कोषाध्यक्ष केदार प्रसाद पचौरी, वरिष्ठ अभिभाषक पवन दुबे, पंडित शिवकुमार शर्मा, कैलाश पंचोली गोपीकृष्ण पुरोहित सत्यनारायण ठाकुर(टु टु ठाकुर), महेश शर्मा अध्यक्ष नार्मदीय धर्मशाला धार, विजय वर्मा, कर्मचारी नेता सचिन त्रिवेदी ने किया साथ ही आमजन से अपील की उक्त गीता ज्ञान महायज्ञ का लाभ लेने की अपील की। स्वामी जी ने अपने उद्भबोधन में कहा कि युवाओं को गीता की व्याख्या से प्रबंधन गुर सीखने में आते हैं साथ ही मानव जीवन मे सकारात्मक विचार में वृद्धि होती है। उक्त जानकारी संतोष गुप्ता ने दी।

कलेक्टर ने की कृषि, सहकारिता, खाद्य, मार्कफेड और खाद्य सुरक्षा विभाग की गतिविधियों की समीक्षा

किसानों को मिले पर्याप्त खाद, राशन वितरण में न हो लापरवाही : कलेक्टर

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक आयोजित कर कृषि, सहकारिता, खाद्य नागरिक आपूर्ति, मार्कफेड और खाद्य सुरक्षा विभाग की गतिविधियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों से जिले में संचालित योजनाओं की स्थिति, अब तक की प्रगति तथा आगामी कार्ययोजना की जानकारी ली। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुँचना चाहिए, इसके लिए अधिकारी अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से निभाएं। उन्होंने कहा कि जनता से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कृषि विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि जिले में किसानों को खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। किसानों को खाद के लिए परेशान न होना पड़े इसके लिए खाद का पर्याप्त स्टॉक रखा जाए और वितरण प्रणाली को पारदर्शी बनाया जाए। उन्होंने मार्कफेड अधिकारियों को निर्देश दिए कि वितरण केन्द्रों पर स्टॉक की नियमित निगरानी करें और समय-समय पर निरीक्षण करते रहें। उन्होंने भावांतर योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि मंडियों में सोयाबीन का उपार्जन सुचारू रूप से चल रहा है, लेकिन यह सुनिश्चित किया जाए कि किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य मिले। मंडियों में किसानों की सुविधा के लिए पेयजल, तौल व्यवस्था और रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था दुरुस्त रखी जाए। उन्होंने कृषि विभाग को यह भी निर्देश दिए कि जिले के सभी पात्र किसानों को विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि जिले में खाद्यान्न वितरण व्यवस्था को सुदृढ़ बनाया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि राशन दुकानों का सत्यापन कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि राशन दुकान समय पर खुले। उन्होंने ई-केवाईसी का कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि राशन वितरण में किसी प्रकार की शिकायत प्राप्त होने पर संबंधित अधिकारियों एवं सेल्समैन के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने यह भी कहा कि राशन दुकानों से प्रदाय किया जाने वाला अनाज उच्च गुणवत्ता का होना चाहिए तथा तौल मशीनों की सटीकता की जांच समय-समय पर की जाए। बैठक में खाद्य सुरक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि जिले में विक्रय होने वाली खाद्य सामग्रियों की गुणवत्ता की निरंतर जांच की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि खाद्य निरीक्षक

टीमों द्वारा होटलों, मिठाई दुकानों, डेयरी उत्पाद विक्रेताओं और थोक खाद्य व्यापारियों के प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया जाए। अमानक खाद्य सामग्री पाए जाने पर संबंधित पर दंडात्मक कार्रवाई की जाए और इस संबंध में नागरिकों को भी जागरूक किया जाए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा दोनों ही जनस्वास्थ्य से जुड़े मुद्दे हैं, इसलिए अधिकारी इसे सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखें। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि सभी विभागीय अधिकारी आपसी समन्वय बनाकर कार्य करें, जिससे योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होगा जब उसका लाभ समय पर अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। उन्होंने सभी अधिकारियों से कहा कि वे फील्ड में जाएं, जनता से संवाद स्थापित करें और शिकायतों का तत्काल निराकरण करें।

जिला न्यायालय में निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित

सीहोर (निप्र)। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री प्रकाश चंद्र आर्य के निर्देशानुसार जिले में संचालित किए जा रहे न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह के तहत सीहोर जिला न्यायालय के अभिभाषक संघ सभाकक्ष में निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। प्रधान जिला न्यायाधीश श्री प्रकाश चंद्र आर्य ने इस शिविर का शुभारंभ किया। इस स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में 300 से अधिक जरूरतमंद नागरिकों का निशुल्क नेत्र, अस्थिरोग, ईएनटी, दंत रोग, बी.पी. शुगर, रक्त सहित स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

इस अवसर पर विशेष न्यायाधीश श्री हेमंत जोशी, प्रथम जिला न्यायाधीश श्री संजय गोयल, जिला न्यायाधीश श्री एमके वर्मा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव श्रीमती स्वप्नश्री सिंह, न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री दीपेन्द्र मालू, अभिभाषक संघ अध्यक्ष श्री राधेश्याम यादव, सचिव श्री राजेश वर्मा, जिला विधिक सहायता अधिकारी जीशान खान, नेत्र चिकित्सक एवं नेत्र परीक्षण टीम, डा. सुधीर श्रीवास्तव, डा. आर के सिंघल, डा. अमित तिवारी, डा. देवेंद्र पाटकर, डा. प्रियंका झा सहित चिकित्सा विभाग की टीम, अधिवक्तागण, लीगल एड डिफेंस काउंसिल्स पैरालीगल वालेन्टियर्स, कर्मचारीगण उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

भावांतर योजना से हम किसानों की आय हो रही सुरक्षित, हो रहा लाभ - किसान श्री बाबूलाल धाकड़

विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले के ग्राम सांगुल के 10 बीघा के किसान श्री बाबूलाल धाकड़ ने विदिशा की नवीन कृषि उपज मंडी में अपनी सोयाबीन फसल की तुलाई के दौरान भावांतर भुगतान योजना की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को धन्यवाद दिया है। उन्होंने कहा है कि मुख्यमंत्री जी द्वारा प्रारंभ की गई भावांतर योजना हम किसानों के लिए बहुत ही कारगर साबित हो रही है। इस योजना से किसानो की आय सुरक्षित करने के लिए भाव के अंतर को पूरा किया जा रहा है, जो वाकई में प्रदेश सरकार का प्रशंसनीय कदम है। उन्होंने बताया कि उन्होंने इस वर्ष अपने ग्राम सांगुल में 10 बीघा भूमि में सोयाबीन की बोवनी की थी जिसमें से उन्हें 15 क्विंटल फसल का उत्पादन हुआ है। उन्होंने आज अपनी फसल को मंडी में तुलवाया है, आगामी समय में उन्हें भावांतर योजना के अंतर्गत बैंक खाते में राशि प्राप्त होगी, जिससे वह खुश हैं। गौरतलब हो कि, भावांतर योजना एक सरकारी पहल है जो किसानों को उनकी उपज के न्यूनतम समर्थन मूल्य और बाजार मूल्य के बीच के अंतर के लिए मुआवजा देती है। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा इस योजना को प्रारंभ किया है, ताकि किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य मिल सके और बाजार के उतार-चढ़ाव से उनकी आय सुरक्षित रहे।

शासकीय सेवा से सेवानिवृत्ति का अर्थ जीवन से सेवानिवृत्ति नहीं है: कलेक्टर श्री बालागुरू के.

सीहोर (निप्र)। शासकीय सेवा से रिटायर होना जीवन से रिटायर होना नहीं है। सेवानिवृत्ति सक्रिय जीवन का अंत नहीं, बल्कि एक नए अध्याय की शुरुआत है, जिसमें व्यक्ति अपने अनुभवों और ज्ञान का उपयोग समाज व नई पीढ़ी के हित में कर सकते है। यह बात कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित सेवानिवृत शासकीय सेवकों को पीपीओ वितरण एवं सम्मान समारोह में कही। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त अधिकारी और कर्मचारी प्रशासन की अमूल्य पूंजी हैं। उनका अनुभव प्रशासन और समाज दोनों के लिए प्रेरणास्रोत है। कलेक्टर ने कहा कि रिटायरमेंट के बाद भी व्यक्ति सामाजिक कार्य, पर्यावरण संरक्षण, जनजागरूकता और सेवा कार्यों में सक्रिय रह सकता है। कलेक्टर ने यह भी कहा कि गीता में लिखा है कि हमें कर्म करते रहना चाहिए, क्योंकि कर्म ही जीवन का सार है। उन्होंने सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनके दीर्घ, सफल और अनुकरणीय सेवाकाल के लिए शुभकामनाएं दीं और उनसे समाज हित के कार्यों में सक्रिय बने रहने का आग्रह किया। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने सम्मान समारोह में विभिन्न विभागों के 42 सेवानिवृत्त हुए शासकीय सेवकों का साल-श्रीफल भेंट कर सम्मान किया और पीपीओ प्रदान किया। इस अवसर पर जिला कोषालय अधिकारी सुश्री नेहा सिंघई सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी द्वारा सांची में श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

रायसेन (निप्र)। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी द्वारा रायसेन जिले के पर्यटन नगरी सांची में एशियन डेवलपमेंट बैंक के सहयोग से संचालित जलप्रदाय परियोजना पर कार्य किया जा रहा है। परियोजना के अंतर्गत समय-समय पर जन-जागरूकता एवं श्रमिक कल्याण से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में, श्रमिकों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर परियोजना प्रबंधक श्री राजीव गोस्वामी के मार्गदर्शन एवं सामुदायिक विकास अधिकारी डॉ अमित कुल्हार के समन्वय से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शिविर में श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा आवश्यक परामर्श एवं औषधियां प्रदान की गईं। इस अवसर पर श्रमिकों को स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया गया। परियोजना प्रबंधक श्री राजीव गोस्वामी ने बताया कि ऐसे कार्यक्रम श्रमिकों के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने के साथ-साथ उनके कार्य प्रदर्शन में भी सकारात्मक प्रभाव डालते हैं।

अपर कलेक्टर ने एसआईआर के संबंध में आष्टा विधानसभा क्षेत्र के अनेक मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

सीहोर (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची को अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाने के लिए मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया संचालित की जा रही है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार एसआईआर प्रक्रिया के प्रथम चरण में जिले के सभी बूथ लेवल अधिकारी घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क कर रहे हैं और गणना पत्रक वितरित कर रहे हैं।

इस एसआईआर प्रक्रिया का उद्देश्य जिले की मतदाता सूची को पूर्णतः शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाना है ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे और कोई अपात्र नाम सूची में शामिल न हो। अपर कलेक्टर श्री वृंदावन सिंह ने आष्टा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम डोडी, अरनिया, गाजी, हाजीपुर, कुरावर एवं खड़ीहाट के मतदान केंद्र पहुंचकर एसआईआर प्रक्रिया की प्रगति की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ), बूथ लेवल एजेंटों एवं जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर एसआईआर प्रक्रिया के सुचारू संचालन के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन दिया। उन्होंने बीएलओ एप पर आए नए आप्शन के संबंध में सभी बीएलओ को व्यक्तिगत रूप से प्रशिक्षित किया और उन्हें ऐप पर काम करने के संबंध में अवगत कराया और इस संबंध में कुछ विशेष टिप्स भी दिए। उन्होंने बीएलओ द्वारा प्राप्त किए गए फॉर्म को बीएलओ एप पर बीएलओ से ही दर्ज करवाने की प्रैक्टिस कराई। उन्होंने सभी बीएलओ को प्रोत्साहित किया और बेहतर ढंग से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि विधानसभा क्षेत्र में कार्यरत सभी बीएलओ एवं सुपरवाइजर्स को एक बार और प्रशिक्षण प्रदान किया जाए ताकि आवश्यकताओं के हिसाब से सभी अपने कार्य को और अधिक बेहतर तरीके से संपादित कर सके। अपर कलेक्टर श्री सिंह ने इस दौरान नागरिकों से भी चर्चा की और उन्हें गणना पत्रक भरकर बीएलओ के पास जमा करने के लिए प्रेरित भी किया। उन्होंने मतदाताओं को प्रेरित करते हुए कहा कि बीएलओ प्रत्येक मतदाता के घर तीन बार जाएंगे और गणना पत्रक भरने में मतदाताओं की मदद भी करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि नागरिकों से किसी प्रकार का दस्तावेज नहीं मांगा जा रहा है, केवल गणना पत्रक में मांगी गई जानकारी को भरकर बीएलओ को देना है। उन्होंने उपस्थित नागरिकों से अपील की कि वे इस कार्य में सहयोग करें ताकि जिले की मतदाता सूची पूर्णतः शुद्ध और त्रुटिरहित बन सके। निरीक्षण के दौरान एसडीएम एवं निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी श्री नितिन टाले, तहसीलदार श्री ओमप्रकाश चोरमा, निर्वाचन सुपरवाइजर श्री पीएन श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

विकास कार्यों का होगा भूमिपूजन एवं लोकार्पण

जनजातीय गौरव दिवस का मुख्य कार्यक्रम 15 नवंबर को पुलिस ग्राउंड में

बैतूल (निप्र)। जनजातीय गौरव दिवस का मुख्य जिला स्तरीय कार्यक्रम 15 नवंबर को बैतूल स्थित पुलिस ग्राउंड में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस अवसर पर जिले के समस्त विधायक एवं जनप्रतिनिधियों की गरिमामय उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि द्वारा जिले में स्वीकृत विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया जाएगा। साथ ही मंचीय उद्बोधन, उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों का सम्मान एवं जबलपुर में आयोजित प्रदेश स्तरीय प्रमुख कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी किया जाएगा। प्रभारी कलेक्टर श्री अक्षत जैन ने मंगलवार को पुलिस ग्राउंड पहुंचकर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से कार्यक्रम की रूपरेखा की समीक्षा कर सभी तैयारियाँ समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। श्री जैन ने मंच निर्माण, बैठक व्यवस्था, प्रदर्शनी,

लोकार्पण एवं शिलान्यास संबंधी सभी व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित रखने के लिए संबंधित विभागों को निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम डॉ. अभिजीत सिंह, कार्यपालन यंत्री पीडब्ल्यूडी श्रीमती प्रीति पटेल, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री विवेक कुमार पांडे, रक्षित निरीक्षक पुलिस लाइन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

विदिशा की लाडली बहना श्रीमती शोभा को इस माह से मिलेंगे 1500 रुपये, मुख्यमंत्री जी को दिया धन्यवाद

विदिशा (निप्र)। मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना प्रदेश ही नहीं बल्कि विदिशा जिले की लाडली बहनों को सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभा रही है। इस माह से लाडली बहनों को 1500 रुपये मिलेंगे जिससे उन्हें संबल प्रदान होगा यह कहना है विदिशा की 37 वर्षीय लाडली बहना श्रीमती शोभा मालवीय का। वह कहती हैं कि उनके लिए लाड़ली बहना योजना किसी वरदान से कम नहीं है। इस योजना की सहायता के बलबूते पर वह अपने घर परिवार की जरूरत में सहयोग कर पा रही हैं। उन्होंने बताया कि वह एक संस्था में अस्थाई रूप से कार्य करती हैं।

साथ ही साथ मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में मिल रही सहायता राशि से संबल मिल रहा है और अब तो मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव जी ने योजना की राशि को 1500 कर दिया है, इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद दिया है।

उन्होंने कहा है कि महिलाओं के हित में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा जो निर्णय लिये जा रहे हैं वह बांकई काबिले तारीफ है। वह बताती हैं कि उनके चार बच्चे हैं दो बालक हैं और दो बालिकाएं जिनकी पढ़ाई लिखाई चल रही है वह अपने बच्चों के लिए भी लाडली बहना योजना तहत मिलने वाली राशि को खर्च कर पा रही है।

शासकीय पीएमश्री जेएच महाविद्यालय में 29वें जिला स्तरीय युवा उत्सव का हुआ आयोजन

बैतूल (निप्र)। मप्र शासन खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा 29वें युवा महोत्सव 2026 के अंतर्गत मंगलवार को शासकीय पीएमश्री जेएच महाविद्यालय अटल सभागृह बैतूल में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला स्तरीय युवा उत्सव के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री सुधाकर पवार, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री हंसराज धुर्वे, डीएसपी पुलिस विभाग शिफा हासमी, श्री दिनेश जोसफ, जिला खेल अधिकारी श्रीमती पूजा कुरील, क्रीड़ा अधिकारी जेएच महाविद्यालय डॉ. नीलिमा पीटर एवं निर्णायक गण श्री हीरेन्द शुक्ला, श्री राजेश सरियाम, श्री दिलीप टेकाम, श्री सुखदेव गुजरे, श्री दुर्गेश उईके, श्री संतोष पवार, श्री शंकर सातनकर, श्री सुनील पांसे, श्री पुष्पक देशमुख, श्री संजीव खबरें, श्रीमती रचना श्रीवास्तव, श्रीमती गौरी बालापुरे, श्रीमती निमिषा शुक्ला उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी श्रीमती पूजा कुरील नें 29वे जिला स्तरीय युवा उत्सव आयोजन का संक्षिप्त परिचय दिया। युवा उत्सव की विधाओं का प्रारंभ विज्ञान मेला प्रदर्शनी के मूल्यांकन से हुआ। उपस्थित अतिथि के समक्ष प्रतिभागियों में अपने विज्ञान मॉडल की प्रस्तुति दी। तत्पश्चात कहानी, कविता लेखन साथ ही चित्रकला, भाषण प्रतियोगित, सामूहिक लोकगायन विधा एवं द्वितीय सत्र में सामूहिक लोक नृत्य विधा में युवा कलाकारों नें प्रस्तुति दी।

इन प्रतिभागियों को किया पुरस्कृत

जिला स्तरीय युवा उत्सव के दौरान आयोजित समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में युवाओं के उत्साह वर्धन के लिए श्री आदित्य बबला शुक्ला एवं श्री अतीत पवार उपस्थित रहे। समस्त अतिथियों एवं निर्णायकों नें प्रतिस्पर्धा में स्थान प्राप्त करने पर ट्राफी एवं प्रमाण पत्र से पुरूस्कृत किया एवं समस्त निर्णायकों को स्मृति चिन्ह भेंट किए। जिनमें कविता लेखन में प्रथम- कु.वैशाली नरवरे आमला, द्वितीय श्याम डायरे बैतूल, तृतीय - कार्तिक बारस्कर मुलताई रहे। कहानी लेखन में प्रथम- अखिल नागपुरे आमला, द्वितीय - वर्धन शर्मा बैतूल, तृतीय - हिमांशी कापसे बैतूल रहे। चित्रकला में प्रथम- उमा सोनी बैतूल, द्वितीय - श्रेयांश प्रजापति बैतूल, तृतीय - पायल सोलंकी बैतूल रही। इसी प्रकार भाषण में प्रथम- स्नेहा बोस आमला, द्वितीय - आकाश दुबे बैतूल तथा तृतीय - पियुष लोनारे बैतूल रहे। विज्ञान प्रदर्शनी में प्रथम- कनिष्का गुप्ता शाहपुर, द्वितीय - प्रतिष्ठा ठाकुर बैतूल, तृतीय - धैर्यांश मोटवानी बैतूल रहे। समूह लोकगायन में प्रथम- हिमांशु पाटिल ग्रुप बैतूल, द्वितीय -बिरसा मुंडा ग्रुप शाहपुर रहे। समूह लोकनृत्य में प्रथम- एकलव्य डांस ग्रुप बैतूल, द्वितीय - नृति डांस ग्रुप बैतूल तथा तृतीय - लोक एकता ग्रुप बैतूल रहे। मंच का संचालन श्री रामनारायण शुक्ला एवं आभार श्री राजेश सरियाम ने व्यक्त किया।

बंदियों के प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए प्रारंभ की गई नई पहल

सीहोर (निप्र)। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री प्रकाश चंद्र आर्य के निर्देशानुसार जिले में संचालित किए जा रहे न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह के तहत जेल में निरूद्ध बंदियों को उनके कानूनी अधिकारों, पुनर्वास प्रक्रियाओ एवं निःशुल्क विधिक सहायता की उपलब्धता के बारे में शिक्षित करने, बंदियों के प्रकरणों में अद्यतन जानकारी देने एवं समय पर न्याय तक पहुंच को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला जेल सीहोर में कार्यशाला सह विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया।

इस अवसर पर जेल में सिविल एवं राजीनामा योग्य प्रकरणों में निरूद्ध बंदियों के प्रकरणों के निराकरण के लिये एक नई पहल जेल मध्यस्थता प्रारंभ की गई, जिसमें चिन्हित प्रकरणो में बंदीगण के अतिरिक्त द्वितीय पक्ष से ऑनलाइन माध्यम से कनेक्ट कर सचिव श्रीमती स्वप्नश्री सिंह द्वारा मध्यस्थता के माध्यम से प्रकरणों के निराकरण का प्रयास किया गया। शिविर के दौरान बंदियों की समस्याओं को सुनकर यथोचित निराकरण किया गया एवं उनके प्रकरणों की अद्यतन स्थिति से अवगत कराया गया।

इस दौरान मेडिटेशन सत्र नशा मुक्ति थीम पर पेंटिंग प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। साथ ही एनजीओ के माध्यम से बंदियो के दक्षता निर्माण के लिए एलईडी बल्ब निर्माण का प्रशिक्षण भी बंदीगण को दिलाया गया। इस अवसर पर जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री जीशान खान, जेल अधीक्षक कु. प्रतिभा पटेल, सुश्री ब्रहमाकुमारी पंचशीला सहित लीगल एड डिफेंस काउंसिल्स, पैरालीगल वालेन्टियर्स, एनजीओ सदस्य एवं बंदीगण उपस्थित थे।

एसआईआर के संबंध में एसडीएम, तहसीलदार सहित अधिकारियों द्वारा किया जा रहा है मतदान केंद्रों का निरीक्षण

जिले में चरणबद्ध रूप से संचालित हो रही है एसआईआर प्रक्रिया

बीएलओ, जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों से एसआईआर के संबंध में की जा रही है चर्चा, बीएलओ को निरंतर किया जा रहा है प्रशिक्षित

सीहोर (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची को अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाने के लिए मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया संचालित की जा रही है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार एसआईआर प्रक्रिया के प्रथम चरण में जिले के सभी बूथ लेवल अधिकारी घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क कर रहे हैं और गणना पत्रक वितरित कर रहे हैं। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार एसआईआर के संबंध में जिले के सभी एसडीएम, तहसीलदार एवं संबंधित अधिकारियों द्वारा अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों के मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया जा

रहा है और बीएलओ को मार्गदर्शन दिया जा रहा है। इसके साथ ही सभी अधिकारी मतदाताओं को इस एसआईआर प्रक्रिया के गणना पत्रक भरने तथा बीएलओ के पास जमा करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इस दौरान सभी अधिकारी बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ), बूथ लेवल एजेंटों एवं जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर एसआईआर प्रक्रिया के सुचारू संचालन के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन भी दे रहे हैं। जिले में एसआईआर की प्रक्रिया सटीक और प्रभावी रूप से संचालित हो सके इसके लिए अधिकारी निरीक्षण के दौरान बीएलओ को प्रशिक्षण भी दे रहे हैं और गणना पत्रक दर्ज कराने की प्रैक्टिस भी करा रहे हैं।

चरणबद्ध रूप से संचालित हो रही है एसआईआर प्रक्रिया

उल्लेखनीय है कि निर्वाचन आयोग द्वारा इस विशेष पुनरीक्षण प्रक्रिया को तीन चरणों में संचालित किया जा रहा है। प्रथम चरण में घर-घर जाकर गणना पत्रक भरने एवं सत्यापन का कार्य 4 नवम्बर से 4 दिसम्बर 2025 तक संचालित किया जा रहा है। इसके पश्चात 9 दिसम्बर 2025 को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी, जिस पर 8 जनवरी 2026 तक दावे एवं आपत्तियाँ आमंत्रित की जाएंगी। सुनवाई एवं प्रमाणीकरण की प्रक्रिया 31 जनवरी 2026 तक पूर्ण की जाएगी तथा 7 फरवरी 2026 को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। इस अभियान का उद्देश्य जिले की मतदाता सूची को पूर्णतः शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाना है ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे और कोई अपात्र नाम सूची में शामिल न हो।

टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव एमपी के भविष्य का घोषणा पत्र : सीएम

कहा- अब उज्जैन-इंदौर मेट्रोपॉलिटन का हिस्सा, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से वन-टू-वन बैठक की

इंदौर (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को इंदौर के ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित 'मध्यप्रदेश टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0' में शिरकती की। कार्यक्रम का आयोजन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा किया गया था। कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से वन-टू-वन बैठक भी की, जिसमें निवेश और सहयोग के नए अवसरों पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में इंदौर में मध्यप्रदेश टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव -'2.0' में विभिन्न समझौता पत्रों का आदान-प्रदान हुआ।

सीएम बोले- यह कॉन्क्लेव एमपी के विकास का घोषणा पत्र- मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि देश के कई राज्यों की तुलना में मध्यप्रदेश सौभाग्यशाली प्रदेश है। राज्य सरकार ने टेक्नोलॉजी आधारित विकास की दिशा में कदम बढ़ाते हुए सेना के साथ एमओयू किया है। उन्होंने कहा, बाबा महाकाल और खजराना गणेश की कृपा से यह कॉन्क्लेव सफल हो रहा है। यह केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एमपी के भविष्य का घोषणा पत्र है। सीएम ने कहा कि मध्यप्रदेश संभावनाओं से भरा प्रदेश है। इंदौर अब बैंगलुरु जैसी बड़ी सिटी की तरह अपने पंख फैलाकर आगे बढ़ रहा है। प्रदेश में सिर्फ इंदौर ही नहीं, बल्कि जबलपुर, उज्जैन, ग्वालियर और भोपाल जैसे शहर भी तेजी से विकास की ओर अग्रसर हैं।

सीएम यादव ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में नई टेक्नोलॉजी के माध्यम से दुश्मन का सामना कर जब भारत ने सफलता हासिल की, तो पूरी दुनिया भौचक्की रह गई। कार्यक्रम में सीएम यादव ने उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से वन-टू-वन बैठक भी की।

उज्जैन-इंदौर मेट्रोपॉलिटन का हिस्सा- मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि अब उज्जैन, उज्जैन नहीं, बल्कि इंदौर मेट्रोपॉलिटन का शहर है। उज्जैन, इंदौर, देवास और धार को लेकर जो मेट्रोपॉलिटन प्लान तैयार किया गया है, उसमें फिनटेक टेक्नोलॉजी और साइंस सिटी बनाने की योजना शामिल है। उन्होंने बताया कि स्पेस टेक्नोलॉजी रिसर्च के लिए राजा जयसिंह के समय की प्राचीन ऑब्जर्वेटरी और वर्तमान के विज्ञान का समायोजन कर काम किया जाएगा, क्योंकि यह क्षेत्र पृथ्वी के मध्य बिंदु पर आता है। इस दिशा में सरकार ने गंभीरता से काम करने का संकल्प लिया है।

सीएम यादव ने बताया कि इस आयोजन में कुल 65 गतिविधियां हुई हैं, जिनसे प्रदेश में 15,896 करोड़ रुपए का निवेश आया है और 64 हजार रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0 में हुआ जीसीसी लीडरशिप कनेक्ट

मध्यप्रदेश को ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बनाने के लिए इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में गुरुवार को एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0 के अंतर्गत एमपी जीसीसी लीडरशिप कनेक्ट राउंडटेबल का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर 25 से अधिक ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स शामिल हुए और राज्य की दीर्घकालिक तकनीकी रणनीति को दिशा देने के लिए सार्थक चर्चा हुई।अपर मुख्य सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी श्री संजय दुबे ने कहा कि मध्यप्रदेश को जीसीसी के लिए एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्थापित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

नई इकाइयों का उद्घाटन

कॉन्क्लेव में एमपीएसईडीसी के अंतर्गत नई इकाइयों का उद्घाटन और नई परियोजनाओं का भूमिपूजन भी हुआ। निवेशकों को एलओए (आवंटन पत्र) वितरित किए गए। उद्योगों के साथ एमओयू एवं समझौतों का आदान-प्रदान हुआ। 'मध्यप्रदेश अंतरिक्ष तकनीक नीति 2025' के मसौदे का अनावरण किया गया। मुख्य कार्यक्रम से पूर्व वैश्विक क्षमता केंद्र, ड्रोन प्रौद्योगिकी, एवीजीसी-एक्सआर एवं गेमिंग पर उद्योग गोलमेज सम्मेलन भी आयोजित किए हुए।

वहीं कॉन्क्लेव में 'मध्यप्रदेश अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी नीति 2025' का मसौदा भी प्रस्तुत किया गया। इसका उद्देश्य उज्जैन को भारत के उभरते अंतरिक्ष नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित करना है। जो इसकी खगोलीय विरासत को आधुनिक अंतरिक्ष अनुप्रयोगों से जोड़ेगा। यह मसौदा IN-SPACE के तहत राष्ट्रीय अंतरिक्ष सुधारों के अनुरूप है, जो उपग्रह डिजाइन, प्रक्षेपण सेवाओं और सुदूर संवेदन में निजी भागीदारी को प्रोत्साहित करेगी।

सीओई पर तेजी से कार्य चल रहा

पहले संस्करण की सफलता के बाद एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0 और बड़े पैमाने में महत्वाकांक्षा के साथ आयोजित की गई है। पिछले 6 महीनों में मध्यप्रदेश ने नवाचार, बुनियादी ढांचे और निवेश के माध्यम से उल्लेखनीय परिणाम हासिल किए हैं। इंदौर में नए जीसीसी संचालित हो रहे हैं जो आईटी, फिनटेक और चिकित्सा प्रौद्योगिकी में बहुराष्ट्रीय कंपनियों को आकर्षित कर रहे हैं। साथ ही ड्रोन टेक्नोलॉजी में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) पर तेजी से कार्य चल रहा है जो अनुसंधान, डिजाइन, प्रोटो टाइपिंग और उद्योग-अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देंगे।

श्रीराम तिवारी मानद डी.लिट से सम्मानित

भोपाल। सेम ग्लोबल यूनिवर्सिटी, रायसेन द्वारा अपने प्रथम दीक्षांत समारोह में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संस्कृति सलाहकार श्रीराम तिवारी को मानद उपाधि (डी.लिट) से सम्मानित किया। यह उपाधि श्रीराम तिवारी को उनके सांस्कृतिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय विचार पुनरुत्थान में उत्कृष्ट योगदान के लिए दी गई है।

उप मुख्यमंत्री देवड़ा की अध्यक्षता में विधायकों एवं पूर्व विधायकों के वेतन भत्ते, पेंशन संबंध में हुई बैठक

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा की अध्यक्षता में विधायकों और पूर्व विधायकों के वेतन भत्ते, पेंशन आदि के संबंध में गठित समिति की द्वितीय बैठक गुरूवार को मंत्रालय में हुई।

बैठक में विधायक सर्वश्री अजय विश्नोई एवं श्री सचिन सुभाषचंद्र यादव उपस्थित रहे। समिति ने महाराष्ट्र, गुजरात एवं छत्तीसगढ़ के राज्यों में विधायक एवं पूर्व विधायक को मिलने वाली वेतन भत्ते एवं पेंशन राशि पर विस्तृत चर्चा की गई। समिति ने यह निर्णय लिया कि अगामी बैठक में मध्यप्रदेश के विधायकों/पूर्व विधायकों को मिलने वाली सुविधा पर अंतिम निर्णय लिया जायेगा। समिति के सदस्य सचिव अपर मुख्य सचिव, श्री अनुपम राजन, अपर मुख्य सचिव वित्त, मनीष रस्तोगी, विधान सभा के प्रमुख सचिव श्री अरविन्द शर्मा एवं अपर सचिव श्री वीरेन्द्र कुमार उपस्थित रहे।

मंत्री सारंग का कांग्रेस पर बड़ा हमला

8.50 करोड़ की ठगी की, गुटबाजी और नकल से चल रही पार्टी!

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजनीति एक बार फिर गरमा गई है। कांग्रेस में चल रही गुटबाजी और युवक कांग्रेस चुनाव पर सहकारिता और खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने बड़ा हमला बोला है। उन्होंने जीतू पटवारी और उमंग सिंघार पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस गुटों में बंटी पार्टी है, जो अपने-अपने समर्थकों से पट्ठागिरी करवाने में लगी है।

युवक कांग्रेस चुनाव में 8.50 करोड़ की हुई ठगी - मंत्री सारंग ने दावा किया कि युवक कांग्रेस चुनाव में भारी वित्तीय गड़बड़ी हुई है। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने युवक कांग्रेस के नाम पर प्रदेश के युवाओं से करीब 8.50 करोड़ रुपए की ठगी की है। 50-50 रुपए लेकर 15 लाख रजिस्ट्रेशन किए गए, करीब 4 हजार युवाओं ने नामांकन दाखिल किया, उनसे भी पैसे लिए गए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने न केवल युवाओं से पैसे वसूले, बल्कि 18 से 35 वर्ष की उम्र सीमा को पार कर 44 वर्ष के लोगों को भी मतदाता बनाया गया।

राहुल गांधी राजनीति नहीं, ऐशोआराम कर रहे हैं - मंत्री सारंग ने राहुल गांधी को भी आड़े हाथों लेते हुए कहा, राहुल गांधी केवल अपने ऐशोआराम के लिए राजनीति कर रहे हैं। जो व्यक्ति खुद प्रशिक्षित नहीं है, वह दूसरों को क्या प्रशिक्षण देगा? सारंग ने कांग्रेस के प्रशिक्षण शिविर को लेकर तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी प्रशिक्षण देने नहीं, सफारी घूमने आए थे। नकल के लिए अकल चाहिए – और कांग्रेस के पास न नेता है, न नीति, न नियत।

बिहार चुनाव के बाद कांग्रेस की दुकान बंद - मंत्री सारंग ने कहा , बिहार चुनाव के नतीजों के बाद कांग्रेस की दुकान की लाइट भी बंद हो जाएगी। लव जिहाद के मामलों पर संत अखिलानंद द्वारा शिविर लगाने की पहल पर सारंग ने समर्थन दिया। उन्होंने कहा, यदि हिंदू भाई-बहनों को बहला-फुसलाकर धर्म परिवर्तन कराया गया है, तो उनकी घर वापसी जरूरी है। देश में धर्म परिवर्तन का षड्यंत्र किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

भावांतर योजना किसानों के लिए वरदान - किसानों को लेकर विश्वास सारंग ने कहा, किसानों की खेती को फायदे का धंधा बनाना हमारी सरकार की कटिबद्धता है। भावांतर योजना के माध्यम से किसानों को उनकी उपज का सही दाम मिलेगा। इस योजना के सुखद और दूरगामी परिणाम जल्द नजर आएंगे।

सपा कार्यकर्ता ने गर्लफ्रेंड को गोली मारी, फिर सुसाइड किया

युवती भोपाल एम्स में भर्ती, पैर बेजान, पिता बोले- डॉक्टर नहीं बता पा रहे, चल पाएगी या नहीं

भोपाल (नप्र)। झांसी की बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी के सामने जिस युवती को गोली मारी गई, वह भोपाल एम्स में भर्ती है। उसका 3 घंटे तक ऑपरेशन चला। डॉक्टरों ने रीढ़ की हड्डी के पास फंसी हुई गोली को तो निकाल दिया, लेकिन छात्रा कृतिका चौबे (20) के दोनों पैर सुन्न (बेजान) बताए जा रहे हैं। वह चल सकेगी या नहीं, ये अब घाव भरने के बाद ही क्लियर हो सकेगा। एम्स के डॉक्टरों की टीम ने ऑपरेशन के बाद रीढ़ की हड्डी में छल्ले डाले हैं। डॉक्टर्स का कहना है कि गोली ज्यादा देर तक रीढ़ की हड्डी में फंसने की वजह से इन्फेक्शन का खतरा बढ़ गया था। बता दें, छात्रा को उसके बॉयफ्रेंड ने गोली मारी थी। इसके बाद आरोपी ने सुसाइड कर लिया। आंखों में आंसू लिए कृतिका के पिता गौरी शंकर कहते हैं-बेटी की हालत नाजुक बनी हुई है। उसे अभी आईसीयू में रखा गया है। बेटी को होश आ गया है, वो बात कर पा रही है। मगर दुखी है, उसके शरीर के नीचे का हिस्सा काम नहीं कर रहा। डॉक्टर कहते हैं कि धीरे-धीरे उसकी स्थिति में सुधार आ सकता है।

मनीष, कृतिका साथ पढ़े, स्कूल में दोस्ती हुई- कृतिका के पिता से बात करने के बाद हम मनीष साहू (25) के घर पहुंचे। वो भी उसी मोहल्ले का रहने वाला था। ललितपुर में दोनों की प्राइमरी एजुकेशन साथ हुई थी। एक ही मोहल्ले के होने के नाते साथ में आना-जाना भी था। परिवार के करीबी लोगों ने बताया, 2018 से दोनों के बीच अफेयर हुआ था। एजुकेशन लाइफ में दोनों ने एक साथ जीने-मरने की कसमें खा लीं। लेकिन प्रॉब्लम तब शुरू हुई, जब मनीष ने 8वीं के बाद पढ़ाई छोड़ दी।

राजगढ़ में 7.4 डिग्री, इंदौर में 7.6 डिग्री तापमान

भोपाल-इंदौर समेत 13 जिलों में आज शीतलहर चलेगी ; अनूपपुर-बालाघाट में कोल्ड डे

भोपाल (नप्र)। पहाड़ी राज्य- हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी होने की वजह से मध्य प्रदेश ठिठुर रहा है। अनूपपुर और बालाघाट में पिछले 2 दिन से कोल्ड डे की स्थिति है। गुरुवार को भी यही स्थिति थी। वहीं, भोपाल और इंदौर समेत कुल 13 जिलों में शीतलहर चलेगी। अगले चार दिन ऐसा ही मौसम रहेगा।

मौसम विभाग ने गुरुवार को इंदौर, राजगढ़, भोपाल, शाजापुर, सीहोर, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, मैहर, उमरिया और सिवनी में कोल्ड वेव चलने का अलर्ट था। बुधवार-गुरुवार की रात मध्य प्रदेश के कई शहरों के तापमान में 1 से 2 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। इंदौर में 7.6 डिग्री, भोपाल में 8.2 डिग्री तो जबलपुर में पारा 9.9 डिग्री रहा। ग्वालयर में 11.4 डिग्री और उज्जैन में 10.7 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। सबसे ठंडा राजगढ़ रहा। यहां तापमान 7.4 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं, उमरिया और छतरपुर के नौगांव में 8.4 डिग्री, रीवा में 8.9 डिग्री, शिवपुरी में 9 डिग्री, बालाघाट के मलाजखंड में 9.8 डिग्री, मंडला में 10.1 डिग्री, बैतूल-छिंदवाड़ा में 10.2 डिग्री और दतिया में तापमान 10.9 डिग्री सेल्सियस रहा। बाकी शहरों में भी पारा लुढ़का रहा। इकलौते हिल स्टेशन पचमढ़ी में 13.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

पहाड़ी राज्यों से आ रही बर्फीली हवा

मौसम विशेषज्ञ पीके शाह ने बताया- इस बार हिमालय क्षेत्र में वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक सप्ताह पहले ही एक्टिव हो गए। इस वजह से जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी हो रही है। उत्तर से दक्षिण की ओर बहने वाली हवा का असर एमपी में भी पड़ रहा है। जिससे ठंड का असर तेज हो गया है। मौसम एक्सपर्ट के अनुसार, कोल्ड डे तब होता है, जब न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से कम होता है और अधिकतम तापमान सामान्य से 6.5 डिग्री से अधिक गिर जाता है।

इस बार 25 साल का रिकॉर्ड टूटा

मध्य प्रदेश में नवंबर के दूसरे ही सप्ताह में कड़ाके की ठंड से कई शहरों में रिकॉर्ड टूट गए हैं। राजधानी भोपाल में नवंबर का पिछले 10 साल का रिकॉर्ड टूट गया। यहां न्यूनतम तापमान 8 डिग्री पहुंच चुका है, जो साल 2015 के बाद सबसे कम है। इंदौर में पारा 7 डिग्री तक जा चुका है। इंदौर में पिछले 25 साल में नवंबर में इतनी सर्दी कभी नहीं पड़ी। यहां नवंबर की ठंड का ओवरऑल रिकॉर्ड 1938 का है, जब पारा 5.6 डिग्री पर पहुंचा था।

जमीन की जंग में मामा-भांजे और नाना की हत्या

दो भाइयों के परिवार में तलवार-डंडों से हुआ हमला

अशोकनगर (नप्र)। अशोकनगर में आठ बीघा जमीन के लिए दो सगे भाइयों में विवाद हो गया। तलवार, लाठी-डंडों के हमले में मामा-भांजा और नाना की मौत हो गई। नाना और भांजे की मौके पर मौत हो गई, जबकि मामा ने भोपाल ले जाने के दौरान रास्ते में दम तोड़ दिया।

कचनार इलाके के करैया बैनेट गांव में खिलान सिंह यादव (75) के पास 8 बीघा जमीन है। खिलान सिंह अपने बड़े बेटे राजमहेंद्र के साथ रहते थे। राजमहेंद्र ने कुछ दिन पहले खेत में सरसों की फसल बोई थी।

बुधवार शाम खिलान सिंह का छोटा बेटा कृष्णभान अपने भांजे पवन के साथ ट्रैक्टर लेकर खेत पर पहुंचा और पहले से बोए गए खेत में पंजा चलाने लगा। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद शुरू हो गया।

जमीन पर कब्जे के लिए भिड़े दो भाई- जमीन पर कब्जे को लेकर शुरू हुई कहासुनी हिंसा में बदल गई। एक तरफ छोटे बेटे कृष्णभान और उसका भांजा पवन थे, जबकि दूसरी ओर बड़े बेटे राजमहेंद्र और उनके पिता खिलान सिंह। आरोप है कि दोनों पक्षों ने फरसा, तलवार और डंडों से एक-दूसरे पर हमला कर दिया। पवन यादव और खिलान सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल कृष्णभान यादव को इलाज के लिए रात में भोपाल रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में उसने भी दम तोड़ दिया। कृष्णभान के शव का पोस्टमॉर्टम भोपाल में होगा। वहीं, पवन यादव और खिलान सिंह का पीएम अशोकनगर जिला अस्पताल में

हुआ।

पुलिस की मौजूदगी में हुआ अंतिम संस्कार- घटना के बाद गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। नायब तहसीलदार शंभू मीना और पुलिस की मौजूदगी में खिलान सिंह का अंतिम संस्कार गांव में हुआ। पुलिस ने परिजनों की मदद से अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी कराई। इस दौरान मौके पर कुछ ही ग्रामीण शामिल हुए। पवन यादव का शव उसके गांव महूआखेड़ा ले जाया गया, जहां पर उसका भी अंतिम संस्कार किया गया।

दोनों पक्ष ने कराई एफआईआर- एएसपी गजेंद्र सिंह कंवर ने बताया कि मृतक कृष्णभान की बेटी राधिका की शिकायत पर राज महेंद्र, धर्मवीर, राजवीर और खिलान यादव के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इसमें से खिलान यादव की मौत हो चुकी है।

पीएम आरएसएस कार्यकर्ता हैं तो मेंबरशिप फार्म बताएं : दिग्विजय सिंह

मोहन भागवत ने हिंदू धर्म से संघ की तुलना करके सनातन का अपमान किया

भोपाल (नप्र)। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत के बयान पर पलटवार किया है। दिग्विजय ने कहा कि संघ जैसे अन रजिस्टर्ड संगठन की हिंदू समाज से तुलना करके उन्होंने सनातन धर्म का अपमान किया है।

भोपाल में अपने सरकारी आवास पर दिग्विजय सिंह ने प्रेस से चर्चा की है। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले बेंगलुरू में आरएसएस का शताब्दी वर्ष का आयोजन हुआ था। जिसमें मोहन भागवत ने अपने विचार रखे थे। उस समय का पूरा आयोजन आरएसएस के पदाधिकारियों तक सीमित था, जिसमें उन्होंने बड़ी चौंकाने वाली बात की थी।

दिग्विजय सिंह ने कहा कि पहली बात तो उन्होंने कही कि लोग ये शिकायत करते हैं कि आरएसएस अपंजीकृत है, भागवत जी ने इसका काउंटर करते हुए कहा कि अगर आरएसएस अपंजीकृत है तो हिंदू धर्म भी अपंजीकृत है, इस्लाम भी अपंजीकृत है।

मोहन भागवत के इस बयान पर मुझे घोर आपत्ति है। मैं उसकी निंदा करता हूं। वे सैकड़ों साल से चली आ रही हिंदू धर्म सनातनी परंपराओं की एक अनरजिस्टर्ड संगठन से तुलना कर रहे हैं। मोहन भागवत जी आपने सनातन धर्म का अपमान किया है।दिग्विजय सिंह ने कहा कि बड़े से बड़ा नेता, प्रधानमंत्री जी खुद को संघ का कार्यकर्ता बोलते हैं। अगर आप संघ के सदस्य हैं तो मेंबरशिप फॉर्म बताइए।पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का कहना है कि संघ प्रमुख को अपने बयान के लिए माफी मांगना चाहिए।

देश से माफी मांगें मोहन भागवत

दिग्विजय सिंह ने कहा- मैं डिवोटी हिंदू और एक ऐसा सनातन धर्मी हूं। जिसने न केवल धर्म का पालन किया है बल्कि हर तरह से मैंने धार्मिक संस्थाओं का सम्मान किया है। मैंने जगदुरु शंकराचार्य स्वरूपानंद जी से 1983 में दीक्षा ली हुई है। मैं हिंदू होने के नाते आपकी घोर निंदा करता हूं। आपने सनातन धर्म को पंजीकृत होने का बयान दिया है। मैं इसके खिलाफ हूं। इसके लिए आपको देश से माफी मांगना चाहिए और हर हिंदू धर्म और सनातन धर्म का पालन करने वालों से आपको माफी मांगना चाहिए। संत-महात्माओं चारों पीठों के शंकराचार्यों से आपको माफी मांगना चाहिए।

सभी धर्मों का सम्मान होना चाहिए

दिग्विजय सिंह ने कहा- आपने दूसरा प्रहार यह किया है कि हिंदू धर्म का पालन करने वालों में मुस्लिम, ईसाई भी शामिल कर लिए। सभी धर्मों का सम्मान होना चाहिए। मैं हमेशा से इस बारे में कहता आया हूं। स्वामी विवेकानंद जी ने भी यही बात कही है कि सनातन धर्म सभी धर्मों का सम्मान करता है।

मुसलमानों के खिलाफ जहर उगलते हैं प्रचारक

दिग्विजय सिंह ने कहा- आप (संघ) के कार्यकर्ता आपके प्रचारक और आपके नेता मुसलमानों के खिलाफ जहर उगलते हैं। मैं उसकी भी निंदा करता हूं। मुसलमानों, ईसाईयों, जैनियों, सिखों का क्या कसूर है? अगर वे किसी अन्य धर्म मैं अपनी आस्था रखते हैं और वह अन्य धर्म का पालन करते हैं तो आपको यह अधिकार नहीं है कि आप उनके खिलाफ जहर उगलें। आपका संगठन और आपका मोर्चा संगठन बीजेपी पूरी तरीके से नफरत फैला रहे हैं। सांप्रदायिक सद्भाव का अपमान कर रहे हैं।

अपराध हुआ तो मुसलमानों के घर क्यों तोड़े जाते हैं

पूर्व सीएम ने कहा- अगर कहीं पर हिंदू-मुस्लिम का छोटा-मोटा झगड़ा होता है तो हिंदुओं पर कानूनन कार्रवाई तो होती ही है लेकिन मुसलमान ने अगर जुर्म किया तो उनके परिवार पर कार्रवाई क्यों करते हैं। उनका घर तोड़ते हैं। मैं उसका भी विरोध करता हूं।